वर्ष : 3 अंक : 100 मूल्य : 4 रू.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

मंगलवार, 30 नवम्बर 2021

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

बिटक्वाइन को मुद्रा के रूप में मान्यता देने का कोई प्रस्ताव नहीं: सीतारमण

आवश्यक वस्तुओं की कीमतों की स्थिति की सरकार द्वारा नियमित रूप से की जा रही निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। आभाषी मुद्रा को लेकर दुनिया भर में चल रहे बवाल के बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में अपने जवाब में कहा कि सरकार के पास देश में बिटक्वाइन को मुद्रा के रूप में मान्यता देने का कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने सदन को यह भी बताया कि सरकार बिटक्वाइन लेनदेन पर डेटा एकत्र नहीं करती है। क्या सरकार के पास देश में बिटक्वाइन को मुद्रा के रूप में मान्यता देने का कोई प्रस्ताव है के प्रश्न पर वित्त मंत्री ने कहा 'नहीं, सर'। बता दें बिटक्वाइन एक डिजिटल मुद्रा है जो लोगों को बैंकों, क्रेडिट कार्ड जारीकताओं या अन्य तीसरे पक्षों को शामिल किए बिना सामान और सेवाओं को खरीदने और पैसे का आदान-प्रदान करने की अनुमति देता है। इसे 2008 में प्रोग्रामरों के एक अज्ञात समूह द्वारा एक क्रिप्टोकरेंसी के साथ-साथ एक इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली के रूप में पेश किया गया था। यह कथित तौर पर पहली विकेन्द्रीकृत डिजिटल मुद्रा है जहां पीयर-टू-पीयर

लेनदेन बिना किसी मध्यस्थ के होते हैं। इस बीच, सरकार की योजना संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र में आधिकारिक डिजिटल मुद्रा विधेयक 2021 की क्रिप्टोक्यूरेंसी और विनियमन पेश करने की है। विधेयक में अंतर्निहित प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए कुछ निजी क्रिप्टोकरेंसी को छोड़कर सभी पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास किया गया है, जबकि आरबीआई द्वारा आधिकारिक डिजिटल मुद्रा की अनुमति दी गई है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, सीतारमण ने कहा, मंत्रालयों और विभागों ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान पूंजीगत व्यय के रूप में 2.29 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं। यह 2021-22 के 5.54 लाख करोड़ रुपए के बजट अनुमान (बीई) का 41 फीसदी है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के दौरान वास्तविक व्यय वित्त वर्ष 2020-21 में इसी व्यय की तुलना में लगभग 38 प्रतिशत अधिक है। अर्थव्यवस्था में बुनियादी ढांचे के निर्माण और उन्नयन के लिए पूंजीगत व्यय में तेजी लाने के लिए, भारत सरकार ने देश भर में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए 2020-2025 की अवधि के दौरान 111 लाख करोड़ रुपए के अनुमानित बुनियादी ढांचे के निवेश के साथ राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन (एनआईपी) शुरू की थी। एनआईपी को 6,835 परियोजनाओं के साथ शुरू किया गया था, जो 34 उप-क्षेत्रों को कवर करते हुए 9,000 से अधिक परियोजनाओं तक विस्तारित हो गया है। उन्होंने कहा कि एनआईपी से परियोजना की तैयारी में सुधार, बुनियादी ढांचे में निवेश आकर्षित करने और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (एनएमपी) भी 23 अगस्त, 2021 को सार्वजनिक क्षेत्र की संपत्ति में निवेश के मूल्य को अनलॉक करने के लिए निजी क्षेत्र की पूंजी और बुनियादी ढांचा सेवाओं को वितरित करने की क्षमता को अनलॉक करने के लिए लॉन्च किया गया था। उन्होंने कहा, मुद्रीकरण आय को वापस गिरवी रखने की परिकल्पना की गई है। अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा/ग्रीनफील्ड बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए। इसके बाद, उन्होंने कहा, गति शक्ति (इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान) को 13 अक्टूबर, 2021 को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में लॉन्च किया गया था, ताकि बुनियादी ढांचा कनेक्टिविटी परियोजनाओं की एकीकृत योजना और समन्वित कार्यान्वयन के लिए मंत्रालयों, विभागों को एक साथ लाया जा सके।

संसद के मानसून सत्र में हंगामे के मामले में राज्यसभा के 12 सांसद निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र में हंगामे और अनुशासनहीनता के आरोप में राज्यभा के 12 सासंदों को निलंबित कर दिया गया है। इसी के साथ शीतकालीन सत्र के की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई है। जिनको निलंबित किया गया है उनमें कांग्रेस, टीएमसी, शिवसेना, सीपीएम के सांसद शामिल हैं।

जिन 12 सांसदों को निलंबित किया गया है उसमें एलामारन करीम उढट से और कांग्रेस की फूले देवी नेता, छाया वर्मा, आर बोरा, राजमणि पटेल, सैयद नासिर हुसैन, अखिलेश प्रताप सिंह और सीपीआई के बिनॉय विश्वम, टीएमसी की डोला सेना व शांता छेत्री, शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी और अनिल देसाई शामिल हैं। संसद का 19 जुलाई से शुरू हुए मॉनसून सत्र को पूर्व निर्धारित समय से दो दिन पहले अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। पेगासस जासूसी मामले और तीन कृषि कानूनों सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी दलों के हंगामे के कारण लोकसभा में जहां मात्र 22 प्रतिशत वहीं राज्यसभा में महज 28 प्रतिशत ही कामकाज हो पाया था। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। सत्र शुरू होने से पहले संसद भवन परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ह्यह्लसंसद में सवाल भी हों और संसद में शांति भी हो। हम चाहते हैं संसद में सरकार के खिलाफ, सरकार की नीतियों के खिलाफ, जितनी आवाज प्रखर होनी चाहिए वह हो, लेकिन संसद की गरिमा, अध्यक्ष व आसन की गरिमा... इन सब के विषय में हम वह आचरण करें, जो आने वाले दिनों में देश की युवा पीढ़ी के काम आए।

संक्षिप्त समाचार

तृणमूल सदस्य अर्पिता घोष का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया : नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अर्पिता घोष का उच्च सदन राज्यसभा की सदस्यता से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया है। सभापति एम वेंकैया नायडू ने सोमवार को यह जानकारी दी। दिवंगत सदस्यों के सम्मान में एक घंटे के लिए उच्च सदन की बैठक स्थगित रहने के बाद जब पुन: शुरू हुई तब सभापति नायडू ने अर्पिता घोष का इस्तीफा स्वीकार किए जाने के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि उच्च सदन में पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व कर रही अर्पिता ने 15 सितंबर 2021 को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। सभापति ने कहा कि उन्होंने अर्पिता से बात की और 15 सितंबर 2021 को ही उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। गौरतलब है कि अर्पिता घोष को मार्च, 2020 में तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा के लिए मनोनयन किया था। उससे पहले वह 2019 में बेलूरघाट से लोकसभा चुनाव हार गई थीं।

ओमिक्रॉन की वजह से वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में फिर से अनिश्चितता: मूडीज

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कोरोनावायरस के नए स्वरूप ओमिक्रॉन की वजह से वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में फिर से अनिश्चितता की आशंका जताई है। लेकिन इसके संभावित जोखिम के बारे में अंदाजा लगाना अभी जल्दबाजी होगी। मूडीज एनालिटिक्स ने ओमीक्रोन स्वरूप पर जारी अपनी एक टिप्पणी में कहा कि वायरस का नया स्वरूप काफी तेज गति से फैलने वाला बताया जा रहा है लेकिन काफी कुछ इस पर निर्भर करेगा कि इसका प्रसार कितनी तेजी से होता है और कितने लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ती है और कितने संक्रमित लोगों की इससे मौत होती है? मूडीज के मुताबिक, 'कोविड-19 के ओमीक्रोन स्वरूप ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के परिदृश्य में नई तरह की अनिश्चितता पैदा कर दी है। हालांकि, अभी इससे जुड़े जोखिम का सही से अंदाजा लगाना जल्दबाजी होगा।' मूडीज के मुताबिक, इस नए स्वरूप के बारे में तस्वीर साफ होने में कम-से-कम दो हफ्ते का वक्त लगेगा। इसके लिए ओमीक्रोन के प्रसार वाले देशों में इसके संक्रमण की रफ्तार एवं असर पर नजर रखनी होगी। मूडीज के मुख्य अर्थशास्त्री (एशिया-प्रशांत) स्टीव कोचरेन ने कहा, 'काफी कुछ इस पर निर्भर करेगा कि इसके संक्रमित हुए कितने लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ती है और कितने लोगों की मौत होती है? इसके अलावा इस पर कोविड-रोधी टीके एवं एंटी-वायरल दवाओं के असर को भी देखना होगा।' कोरोनावायरस के इस नए स्वरूप को वैज्ञानिक काफी ज्यादा संक्रामक मान रहे हैं।

गृह मंत्रालय के 'साइबर वॉलंटियर' को लेकर चिंतित

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदुत्वा वॉच के प्रवक्ता ने बताया हमारे लिए ट्विटर सांप्रदायिकता, हेट स्पीच, फेक न्यूज और दक्षिणपंथियों द्वारा फैलाए जाने वाले फर्जी विज्ञान की पोल खोलने का एक अहम जरिया था. इसके लिए हमें अभद्रता, ट्रोलिंग और धमिकयां आदि मिलती रहीं. ऑनलाइन विजिलांटे मशीनरी है जो बीजेपी और आरएसएस की आलोचना करने वाले अकाउंट्स को परेशान करती है, उन्हें देशद्रोही बताती है और उन्हें बंद करवाने के लिए योजनाबद्ध अभियान चलाती है।' इस बार में ट्विटर का कहना है कि किसी भी पोस्ट के बारे में शिकायत को ट्विटर की शर्तों और नियमों के आधार पर जांचा-परखा जाता है और 'उल्लंघन करने वाली किसी भी सामग्री के खिलाफ हमारे पास उपलब्ध विभिन्न विकल्पों के आधार पर ही कार्रवाई की जाती है।' भारतीय गृह मंत्रालय ने इस संबंध में पूछे गए सवालों के लिए फोन या ईमेल का जवाब नहीं दिया. डिजिटल योद्धा भारतीय जनता पार्टी 2014 में सत्ता में आई थी। उसके बाद 2019 के आम चुनाव में उसने और बड़ी जीत हासिल की. बहुत से लोग कहते हैं कि बीजेपी की इस विजय के पीछे उसके हजारों डिजिटल योद्धाओं का बड़ा हाथ था. तस्वीरें: डॉयचे वेले की टीशर्ट 71 वर्षीय भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी तकनीक-पसंद नेता माना जाता है. उनके ट्विटर पर पर 7.3 करोड़ फॉलोअर्स हैं। लेकिन उनकी इस बात के लिए अक्सर आलोचना होती है कि वह ऐसे लोगों को फॉलो करते हैं जो आलोचकों को परेशान करने या उनके साथ अभद्र व्यवहार करने के लिए बदनाम हैं. ऐसे लोग अपने ट्विटर पर गर्व से लिखते हैं कि भारत के प्रधानमंत्री उन्हें फॉलो करते हैं. बीजेपी की सोशल मीडिया रणनीति पर किताब लिख चुकीं स्वाति चतुर्वेदी कहती हैं साइबर स्वयंसेवक योजना लोगों को चुप कराने से ज्यादा बड़ा है। वह कहती ह् यह एक चतुराई भरा कदम है क्योंकि इनके जरिए वे ऑनलाइन असहमति को भी दबा सकते हैं और उन पर आंच भी नहीं आती स्टैटिस्टा के मुताबिक भारत में दो करोड़ 20 लाख से ज्यादा ट्विटर ग्राहक हैं। भारत की आधी से ज्यादा आबादी तक इंटरनेट की पहुंच है और 30 करोड़ लोग फेसबुक इस्तेमाल करते हैं. 20 करोड़ से ज्यादा लोग वॉट्सऐप इस्तेमाल करते हैं, जो किसी भी अन्य देश से ज्यादा है. कई अन्य देशों की तरह भारत ने भी हाल ही में फर्जी खबरों को रोकने और सरकार की आलोचना करने वाली सामग्री पर नियंत्रण करने के लिए नए कानून लागू किए हैं. 'सबसे घातक है साइबर स्वयंसेवी कार्यक्रम' ऐसा ही कदम चीन भी उठा चुका है. इसी साल की शुरूआत में चीन ने एक हॉटलाइन शुरू की थी जहां सत्ताधारी कम्यूनिस्ट पार्टी की आलोचना करने वाली सामग्री को रिपोर्ट किया जा सकता है. वियतनाम ने ऐसे दिशानिर्देश जारी किए हैं जिनके जरिए लोगों को देश के बारे में अच्छी बातें लिखने और राष्ट्रहितों के खिलाफ न लिखने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है. भारत में लाए गए कानूनों को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता खासे चिंतित हैं. उनका कहना है कि ये कानून निजता के अधिकार का हनन करते हैं. वॉट्सऐप ने इन कानूनों के खिलाफ मुकदमा भी किया है।

कृषि कानूनों की वापसी का बिल लोस में पारित होने के बाद जारी रहेगा आंदोलन : राकेश टिकैत

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों विधेयक के लोकसभा में पारित होने के बाद सोमवार को भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा कि बाकी मांगों को लेकर किसान यूनियनों का आंदोलन अनवरत जारी रहेगा और आंदोलन की नई रूप रेखा चार दिसंबर के बाद तय की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम एमएसपी समेत तमाम अन्य मुद्दों पर किसी चर्चा के बिना आंदोलन से नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसान राजधानी की ओर ट्रैक्टर मार्च नहीं निकालेंगे।

लोकसभा में तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों- कृषक उपज व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) अधिनियम 2020, कृषक (सशक्तीकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार अधिनियम 2020 तथा आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम 2020 के निरसन के लिये कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर प्रस्ताव को सदन ने बिना बहस के पारित कर दिया। इस खबर के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए किसान नेता टिकैत प्रसन्न दिख रहे थे लेकिन उन्होंने कहा कि अभी दूसरे मुद्दें बाकी हैं।

उन्होंने कहा, 'न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी मिलने तक आंदोलन चलता रहेगा।' आगे के आंदोलन के तौर तरीके के बारे में सवालों पर उन्होंने कहा कि आज ट्रैक्टर रैली नहीं निकाली जाएगी, आगे की रूप रेखा चार दिसंबर को तय होगी। यह पूछे जाने पर यदि बाकी संगठन आंदोलन उठाने का फैसला करते हैं तो आपका क्या रूख होगा, टिकैत ने कहा, 'हमारे सामने किसान यूनियन की ओर से अभी इस तरह की कोई बात नहीं आई है।' उन्होंने यह भी कहा कि उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि इस मसले को किसान यूनियनें और सरकार मिलकर तय करें।

यह सेवानिवृत्त और बुजुर्ग नागरिकों के लिए ईज ऑफ लिविंग लेकर आएगा: मंत्री जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राज्यमंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज पेंशनभोगियों के लिए यूनिक फेस रिकग्निशन टेक्नोलॉजी का शुभारंभ किया और कहा कि इससे सेवानिवृत्त और बुजुर्ग नागरिकों के लिए ईज ऑफ लिविंग प्राप्त करने में आसानी होगी। डॉ.जितेंद्र सिंह ने कहा कि अपने जीवन का प्रमाणपत्र देने के लिए फेस रिकग्निशन टेक्नोलॉजी एक ऐतिहासिक और दूरगामी सुधार है, क्योंकि यह न केवल 68 लाख केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों को बल्कि उन करोड़ों पेंशनभोगियों को भी सुविधा प्रदान करेगा जो इस विभाग के अधिकार क्षेत्र से बाहर आते हैं जैसे ईपीएफओ, राज्य सरकार के पेंशनभोगी आदि। उन्होंने पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के लिए इस प्रकार की तकनीक का निर्माण करने और इसे संभव बनाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ-साथ यूआईडीएआई (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) को भी धन्यवाद दिया।

डॉ.जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने हमेशा से ही सेवानिवृत्त और पेंशनभोगियों सहित समाज के सभी वर्गों के लिए 'ईज ऑफ लिविंग' की वकालत की है, जो अपने सभी प्रकार के अनुभवों और अपने द्वारा प्रदान की गई लंबे वर्षों की सेवा के साथ राष्ट्र की संपत्ति हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पेंशन विभाग द्वारा कोरोना महामारी के दौरान भी तत्कालिक पेंशन/पारिवारिक पेंशन जारी करने की दिशा में कई प्रकार का सुधार किया है। मंत्री ने कहा कि पेंशन विभाग द्वारा इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रौद्योगिकी का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है, चाहे वह डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र की शुरूआत हो या भारत सरकार के सभी मंत्रालयों में पेंशन मामलों को आगे बढ़ाने के लिए एक कुशल और सामान्य सॉफ्टवेयर 'भविष्य' की शुरूआत हो। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक पीपीओ को जारी करने और डिजी लॉकर में इसे आगे बढ़ाने की कोशिश ईज ऑफ लिविंग और पारदर्शिता लाने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि यह विभाग पेंशनभोगी जागरूकता के लिए ई-बुकलेट भी जारी कर रहा है और ट्विटर, फेसबुक, यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया पर जागरूकता अभियान भी चला रहा है।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के दौरान कई रक्षा सौदों पर लग सकती हैं मोहर

नई दिल्ली, एजेंसी। आगामी 6 दिसबंर को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत दौरे पर आ रहे हैं। इसके साथ ही 6 दिसंबर को ही भारत और रूस का 2 प्लस 2 डॉयलाग होगा।इसमें भारतीय विदेश व रक्षा मंत्री व रूसी विदेश व रक्षा मंत्री के बीच जब ये बातचीत होगी, तब बहुत सारे इसतरह के समझौते हैं चाहे वहां एस-400, एके 203 व अन्य रक्षा सौदे पर मुहर लग सकती है।

राष्ट्रहित को प्राथमिकता देकर अंतर्विरोधों का प्रबंधन करना ही मोदी सरकार के विदेश नीति की प्रमुख विशेषता रही है।रुसी राष्ट्रपति पुतिन के भारत आगमन इसका जीवंत उदाहरण है। हालिया सालों में भारत के चीन के साथ खराब होते संबंध और अमेरिका से बढ़ती नजदीकी को देखकर यात्रा का महत्व और भी बढ़ जाता है। वहीं भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों की बात करें, तब नई दिल्ली ने 2007 से वाशिंगटन के साथ 21 बिलियन डॉलर से अधिक के रक्षा सौदे किए हैं। जबकि रूस भारत के साथ लंबे समय से चली आ रही विशेष रणनीतिक साझेदारी पर जोर देना चाहता है।संयोग से रूस ने 1960 के दशक की शुरूआत से भारत को 65 बिलियन से अधिक की सैन्य बिक्री की है। रूस रक्षा उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता को लेकर भी थोड़ा भयभती है, लेकिन ये सच है कि इसी दिशा में कदम आगे बढ़ाते हुए यूपी के अमेठी जिले में कोरवा आयुध कारखाने में छह लाख से अधिक एके-203 कलाश्निकोव राइफलों के निर्माण के लिए लंबे समय से लंबित 5,124 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए आखिरकार रास्ता साफ हो गया है। रूस से वीसरोडस लेने वाली डील भी अब ह्लअंतिम चरण में है। फ्रांस और स्वीडिश प्रणालियों के मुकाबले चुनी गई कंधे से दागी जाने वाली रूसी विमान भेदी मिसाइल प्रणाली आईएलीएलए-एस को विमान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन जैसे दृश्यमान दुश्मन लक्ष्यों के खिलाफ उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है।रिपोर्ट के अनुसार सेना को 5,000 से अधिक ऐसी मिसाइलों, लांचरों और संबंधित उपकरणों की आवश्यकता है।पुराने सिंगल-इंजन वाले चीता और सेना (135) और भारतीय वायुसेना (65) के चेतक हेलिकॉप्टरों को लगभग 2 बिलियन डॉलर में बदलने के लिए 200 ट्विन-इंजन कामोव-226टी हल्के हेलीकॉप्टरों के लिए लंबे समय से लंबित परियोजना तकनीकी मूल्यांकन चरण में अटकी हुई है।

ओमिक्रॉन से संक्रमण फैलने का खतरा बहुत ज्यादा: डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना के ओमिक्रॉन वायरस को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि ओमिक्रॉन से संक्रमण फैलने का खतरा बहुत ज्यादा है और इसके बेहद गंभीर नतीजे हो सकते हैं। ओमिक्रॉन के संक्रमण को लेकर कई देशों ने पहले ही दक्षिण अफ्रीका और अन्य पड़ोसी देशों की उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। कई देशों ने इन अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों के लिए क्वारंटाइन अनिवार्य कर दिया है। डब्ल्यूएचओ ने सभी देशों से वैक्सीनेशन में तेजी लाने का अनुरोध किया है। साथ ही सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को इन आपदाओं से निपटने के लिए तैयार करने को कहा है। इस कोविड-19 वैरिएंट का पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में पता चला था, लेकिन अब यह 12 देशों में इसके मरीज मिल चुके हैं। ओमिक्रॉन वैरिएंट का दुनिया भर

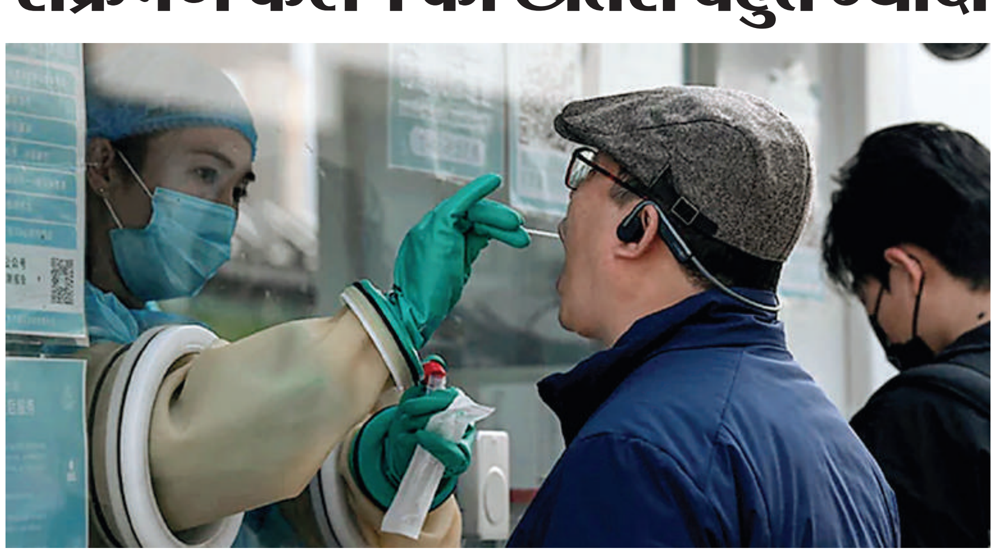

के बाजारों और पर्यटन पर भी गंभीर असर पड़ा है। विश्व स्वास्थ्य एजेंसी ने एक बयान में कहा कि ओमिक्रॉन के अप्रत्याशित तौर पर कई सारे स्पाइक प्रोटीन हैं। इनमें से कुछ ऐसे हैं कि जो संक्रमण का तेजी से प्रसार कर बड़ी आपदा में तब्दील हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ की टेक्निकल टीम ने कहा है कि कोविड-10 का यह नया वैरिएंट ओमिक्रोन पूरी दुनिया में फिर से महामारी के असर को गंभीरता की ओर ले जा सकता है। हालांकि ओमिक्रॉन की चपेट में आने वाले अभी किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि ओमिक्रॉन के असली खतरे और इससे बचाव के बारे में जानने के लिए और ज्यादा शोध की जरूरत है। इससे निपटने वाले वैक्सीन और संक्रमण को काबू में करने के बारे में ज्यादा जानकारी जुटाए जाने की जरूरत है। डब्ल्यूएचओ ने शुक्रवार को ओमिक्रॉन को चिंताजनक वैरिएंट करार दिया था। इसे कोविड वैरिएंट के सबसे खतरनाक स्वरूपों वाले समूह डेल्टा के साथ डाला गया था। जबकि अल्फा, बीटा और गामा कमजोर वैरिएंट हैं। ओमिक्रॉन से जुड़ा महत्वपूर्ण डेटा अगले हफ्ते आ सकता है। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि यह वैक्सीन ले चुके लोगों को भी संक्रमित कर सकता है। हालांकि उसका कहना है कि अगर टीका ले चुके लोगों को यह वायरस चपेट में लेता भी है तो यह मामूली और कम गंभीर होगा।

कृषि कानून वापसी बिल को दोनों सदनों से मंजूरी, राहुल गांधी ने कहा, यह किसानों की जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि कानून वापसी बिल को सोमवार को राज्यसभा और लोकसभा में मंजूरी मिल गई है। बता दें कि केंद्र सरकार द्वारा लाए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन कर रहे थे, जिन्हें विपक्षी दलों का भी समर्थन हासिल था।यह देखकर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि कानूनों के वापसी का ऐलान किया था। इसके बाद सोमवार को वापसी बिल को दोनों सदन में मंजूरी मिल गई।इस लेकर राहुल गांधी ने कहा कि यह किसानों की जीत है। आखिर में सरकार को तीनों तीनों काले कानून को वापस लेना पड़ा। राहुल गांधी ने कहा कि यह तीनों कृषि कानून किसानों पर आक्रमण था।हम भी एमएसपी कानून चाहते हैं। कानूनों की वापसी किसानों और मजदूरों की सफलता है। सरकार ने कानून वापसी पर चर्चा नहीं की। पीएम मोदी के उस बयान पर भी राहुल गांधी ने तंज कसा, जिसमें पीएम ने कहा था कि कुछ किसानों को हम समझा नहीं सके।इसपर राहुल गांधी ने कहा कि यह कुछ किसान नहीं थे बल्कि पूरे देश के किसान थे जिन्हें आपने पहले खालिस्तानी कहा था। उन्होंने कथित किसानों के मौत को लेकर मुआवजे की मांग की है। राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार की ही वजह से किसानों को एक साल तक आंदोलन करना पड़ा।

राहुल ने कहा कि हमें पता था कि 3-4 बड़े पूंजीपतियों की शक्ति हिन्दुस्तान के किसानों के सामने खड़ी नहीं हो सकती। और वहीं हुआ काले कानूनों को रद्द करना पड़ा। तथ्य यह है कि केंद्र सरकार इस मामले में किसानों द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए भारतीय लोगों की ताकत का सामना नहीं कर सकी। आने वाले राज्य के चुनाव भी उनके दिमाग में होंगे।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

जीएसटी की विसंगतियों एवं अधिकारियों की मनमानी से कारोबारी परेशान: जगदीश मोदी

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मोदी ने जीएसटी की विसंगतियों एवं संबंधित अधिकारियों की मनमानी के कारण व्यापारियों एवं उद्योगपतियों को हो रही परेशानी पर अपनी चिंता जताते हुए कहा की जीएसटी में कई ऐसे प्रावधान हैं जो व्यवसाय एवं व्यवसायियों के प्रतिकूल है । इससे कारोबार तथा व्यवसायियों की छवि पर नकारात्मक असर पड़ रहा है । इस बाबत फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश मोदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को उन कमियों के बारे में इंगित करते हुए कई पत्र लिखें । इसके अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने भी व्यापारियों की मांग को उचित ठहराते हुए वित्त मंत्री को अपनी सिफारिश भेजी ,इसके बावजूद में जीएसटी से संबंधित इन परेशानियों का समाधान नहीं हो रहा है ।जिससे व्यापारी परेशान तथा आक्रोशित हैं।श्री मोदी ने कहा कि सरकार व्यापार को बढ़ावा दें,अच्छे व्यापार से ही सरकार को अच्छा राजस्व मिल सकता है जिससे देश का सर्वांगीण विकास होता है। इसके अलावा लाखों-करोड़ों लोग यहां रोजगार पाते हैं ।

इसलिए व्यवसाय पर सरकार की किसी भी नीति का प्रतिकूल असर ना पड़े इसकी चिंता सरकार को करनी चाहिए। देश में किसी आपदा विपदा के समय व्यवसाई वर्ग जिस गंभीरता एवं दिलेरी से अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते हैं इसका ध्यान भी रखना सरकार के लिए जरूरी है ।

जीएसटी डिपार्टमेंट व्यापारी की वास्तविक टैक्स इनपुट क्रेडिट को अस्वीकार कर उतनी ही उस पर डिमांड और ब्याज जुमार्ना लगा देती है जो सरासर अनुचित है। श्री मोदी ने कहा जीएसटी डिपार्टमेंट खुद ही जज की भूमिका में हैं जिस व्यवसाई ने किया ही नहीं उसके लिए उसे दोषी ठहराना उसे गिरफ्तार करना कहीं ना कहीं व्यवसाय को प्रभावित करता है तथा व्यवसाई का भविष्य भी इसे प्रभावित होता है जो देश की लोकतांत्रिक चरित्र के प्रतिकूल है । जीएसटी डिपार्टमेंट को अपने कार्य के तरीकों को बदलना होगा व्यापारियों के द्वारा किसी भी तरह की कर चोरी या अनियमितता के लिए उसे पहले नोटिस भेजा जाना चाहिए ताकि वह उसका स्पष्टीकरण दे सके। संतोषप्रद स्पष्टीकरण या उत्तर नहीं होने के बाद ही उन पर एक्शन लिया जाना चाहिए। श्री मोदी ने कहा कि अगर कोई व्यवसाई जीएसटी जमा नहीं कराया तो उसका रिटर्न फाइल करने से नहीं रोका जाना चाहिए क्योंकि देरी से पेमेंट पर ब्याज लिया जा रहा है और रिटर्न फाइल नहीं होने की स्थिति में व्यापारी का जीएसटी नंबर रद्द हो सकता है ।दूसरी तरफ देरी से ब्याज दर को 18% से घटाकर 9% किया जाना चाहिए यह दर उस समय की है जब डिपोजिट पर 14 -15% ब्याज दिया जाता था । आज 5% ही ब्याज दिया जाता है। श्री मोदी ने वित्त मंत्री से मांग की है कि व्यापारियों की उचित मांग पर गंभीरता से विचार करते हुए जीएसटी के उन प्रावधानों को संशोधित किया जाए जिसके कारण व्यवसायियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्रीय जिला प्राधिकरण ने विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा किया आम जनता को संविधान के प्रति जागरूक

» विशेष संवाददाता विजय गौड़

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी निदेर्शों के अनुसार नालसा और डीएसएलएसए के तत्वावधान में केंद्रीय जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण ने भारत के संविधान दिवस के अवसर पर लाइव प्रस्तावना वाचन समारोह में भाग लिया ।इस समारोह में न्यायाधीश नीति सूरी मिश्रा, सचिव, केंद्रीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और कार्यालय के कर्मचारी सदस्यों ने सरकार द्वारा प्रदान किए गए लिंक के माध्यम से लाइव समारोह में भाग लिया । न्यायाधीश नीति सूरी मिश्रा ने सम्मेलन हॉल, तीस हजारी कोर्ट कॉम्प्लेक्स, दिल्ली में एकअन्य प्रस्तावना वाचन समारोह में भी भाग लिया, जो न्यायिक अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया था।

इसके अलावा, केंद्रीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने संविधान दिवस को सच्ची भावना से मनाने के लिए विभिन्न समूहों को लक्षित करके विभिन्न प्रस्तावना वाचन समारोह सम्पन्न हुए जिसमे प्रमुख थे एसबीटी अपना घर, खुला आश्रय, डीडीए सामुदायिक केंद्र, एच.नं। 9498, गली नंबर 11, मुल्तानी ढांडा, पहाड़ गंज, बीएमसी फाउंडेशन, हरि नगर, रामगड़िया गुरुद्वारा के पास, राष्ट्रीय प्रतिभा विकास विद्यालय, लिंक रोड, करोल बाग, दिल्ली- वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से, लड़कों के लिए ऑब्जर्वेशन होम, आधारशिला, मुखर्जी नगर, लड़कों के लिए ऑब्जर्वेशन होम, सेफ्टी प्लेस, मजनू का टीला, पीएस प्रसाद नगर एवं करोल बाग, लक्ष्मी बाई कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय- छात्रों के लिए कॉलेज के वेबसाइट पोर्टल पर लिंक अपलोड किया गया था ।इसके अलावा, केंद्रीय डीएलएसए द्वारा संविधान दिवस के महत्व, मौलिक अधिकारों और मौलिक कर्तव्यों पर छोटे बच्चों और छात्रों के लिए निम्नलिखित स्थानों पर कुछ कानूनी जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए: एच. नंबर 50, गली नंबर 4, गायत्री कॉलोनी, बलजीत नगर, रामजस ग्राउंड के पास, कात्यायनी बालिका आश्रम, झंडेवाला मेट्रो स्टेशन, गेट नंबर 4, फ्लैग चिल्ड्रेन होम, 5102/01, प्यारे लाल रोड, करोल बाग कार्यक्रमों के दौरान सभी कोविड प्रोटोकॉल का पालन किया गया। इन कार्यक्रमों से लगभग 595 लोग लाभान्वित हुए।

संक्षिप्त समाचार

पहली रिफर्बिश्ड मेट्रो ट्रेन का किया अनावरण

अपने शुरुआती प्रयोग में, दिल्ली मेट्रो ने पहली ट्रेन के मिड-लाइफ रिफर्बिशमेंट (नवीनीकरण) कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है जिसे 2007 में सेवा में लिया गया था। डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक, डॉ. मंगू सिंह ने यमुना बेंक डिपो में आज पहली रिफर्बिश्ड ट्रेन की अनावरण किया। यह प्रयास उन सभी 70 मेट्रो ट्रेनों के नवीनीकरण के लिए डीएमआरसी द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान का हिस्सा है जिन्हें डीएमआरसी ने 2002 और 2007 के बीच अपने पहले फेज में खरीदा था और जो अपने कुल 30 वर्ष के लाइफस्पैन के 14 से 19 वर्ष पूरे कर चुकी हैं। इस मिड-लाइफ रिफर्बिशमेंट के हिस्से के रूप में ट्रेनों को कई नई सुविधाओं के साथ रूपांतरित किया जा रहा है ताकि उन्हें बाकी ट्रेनों के बराबर लाया जा सके जिन्हें बाद में डीएमआरसी के फेज-कक औरककक के विस्तार में सेवा में लिया गया था।

कोविड वैक्सीनेशन में बीजेपी शासित राज्यों ने बेहतर प्रदर्शन किया

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी आंकड़ों में दावा किया गया है कि कोविड वैक्सीनेशन में बीजेपी शासित राज्यों ने बेहतर प्रदर्शन किया है और विपक्षी राज्य काफी पीछे हैं। कोविड वैक्सीनेशन में बीजेपीशासित राज्यों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों वाले राज्यों से उनका बेहतर प्रदर्शन रहा है। सरकारी सूत्रों ने आंकड़ों के जरिये ये दावा किया है। सूत्रों के अनुसार, बीजेपीशासित 8 राज्यों ने 50 फीसदी लोगों का पूरा टीकाकरण कर दिया है। उनमें से सात राज्यों ने 90 फीसदी जनसंख्या को टीके की पहली खुराक लगा दी है। सूत्रों ने कहा कि बीजेपी शासित राज्यों के उलट विपक्ष शासित राज्य अब तक पर्याप्त लोगों का टीकाकरण नहीं करा पाए हैं सवाल है कि क्या राजनीति ने इन राज्यों में टीकाकरण अभियान को प्रभावित किया है। बीजेपी ने बार-बार विपक्षी दलों पर वैक्सीनेशन मिशन में राजनीति करने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि भारत में निर्मित दो वैक्सीन को मंजूरी देने पर कुछ विपक्षी नेताओं ने सरकार से सवाल किया था।

पांच नवनिर्वाचित सदस्यों को उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई गई

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होने पर पांच नवनिर्वाचित सदस्यों को उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई गई। राज्यसभा की बैठक शुरू होने पर इन सदस्यों ने शपथ ली। कांग्रेस की रजनी पाटिल ने सबसे पहले शपथ ली। वह उच्च सदन में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करेंगी। रजनी (63) अपने भाई और सदन के सदस्य राजीव सातव (कांग्रेस) का मई में कोरोना वायरस के संक्रमण के बाद उत्पन्न जटिलताओं से निधन होने की वजह से रिक्त हुई सीट पर महाराष्ट्र से उच्च सदन के लिए निर्वाचित हुई हैं। रजनी ने मराठी में शपथ ली। वह 2013-18 के दौरान भी राज्यसभा की सदस्य रह चुकी हैं। महाराष्ट्र में परंपरा रही है कि वर्तमान सांसद का निधन होने पर रिक्त हुई सीट के लिए चुनाव निर्विरोध होता है। इसे देखते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सदस्य संजय उपाध्याय का नाम वापस ले लिया और रजनी उच्च सदन के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुईं। रजनी के बाद द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) के तमिलनाडु से नवनिर्वाचित सदस्य कनिमोझी एन.वी. एन सोमू, के.आर.एन.राजेश कुमार और एम.एम.अब्दुल्ला ने भी शपथ ली।

कानूनों की वापसी, देश के लोकतंत्र और अन्नदताओं की जीत है : श्रीनिवास बी वी

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यालय पर युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी के नेतृत्व में किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों को श्रद्धांजलि अर्पित कि गई और उनके सम्मान में सम्मान सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने कहा कि काले कृषि कानूनों की वापसी, देश के लोकतंत्र और अन्नदताओं की जीत है। कांग्रेस पार्टी हमेशा से किसानों के साथ खड़ी है पर हम ये भी चाहते है की संसद के अंदर इस बात पर भी चर्चा हो की ये तीन काले कृषि कानून किसके लिए लाए गए थे और अब जब वापस लिए जा रहे है तो सरकार यह बताना चाहिए कि इन काले कानूनों की वापसी में सरकार को इतनी देरी क्यों लगी। सरकार को लखिमपुरखिरी में हुए किसान हत्याकांड पर भी विस्तार रूप से चर्चा करनी चाहिए और इसमें सम्मलित सभी आरोपियों पर सक्त से सक्त करवाई होनी चाहिए।

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने यह भी मांग कि किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों की याद में एक शहीद समारक बनना चाहिए जो भविष्य में आने वाली पीढ़ियों के लिए संघर्ष, त्याग और बलिदान का प्रतीक बने। उन्होंने यह भी मांग कि सभी परिवारों को उचित मुआवजा भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। किसानों और मजदूरों की और भी परेशानी हैं। टरढ, कर्ज.माफी आदि लंबी लिस्ट है। उनकी जो मांगें हैं, हम उनका समर्थन करते रहेंगे और किसानों को जब तक न्याय नहीं मिलता तब तक उनके लिए संघर्ष करते रहेंगे।

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा कि युवा कांग्रेस के कार्यालय पर किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की गई और साथ ही साथ किसानों के सम्मान में सम्मान सभा का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर भारतीय युवा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव, राष्ट्रीय सचिव विनीत कंबोज, सरीफा रहमान, मिलिंद गौतम, बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन पटेल, दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष शुभम शर्मा, मो. शमशाद समेत अनेकों युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एक प्रयास ट्रस्ट द्वारा आर्य समाज मन्दिर, विकासपुरी मे एक कार्यक्रम आयोजन किया गया

» जावेद खान, मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। जिसमे समाज के उन लोगों को प्रशस्ति पत्र और पौधे लगे गमले से सम्मानित किया गया जो अलग अलग तरह से समाज की सेवा निस्वार्थ कर रहे हैं । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट की संचालिका श्रीमती अंजू कोहली ने की ।इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथी श्री जितेन्द्र कुमार रऊट(पटेल नगर), श्री नितिन शाक्या रऊट(ठीॖ ऊीह्ण) , श्री संजीव कुमार थानाध्यक्ष , तिलक नगर और मुख्य समाजसेवी श्री यशपाल आर्य और बहुत से अन्य गन्मान्य व्यक्ति भारी संख्या में शामिल रहे । लगभग 28 विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगो को सम्मानित किया गया ।जैसे स्वैच्छिक रक्तदान, वेस्ट मैनेजमेंट, वंचितो को मुफत शिक्षा, कोरोना काल मे निस्वार्थ सेवा आदि। मुख्य अतिथियो ने एक प्रयास ट्रस्ट द्वारा चलाए जा रहे कैम्पेनस जैसे प्रोजेक्ट शिक्षा , वाल आफ काईनडनैस, अभिग्यता (नुक्कड नाटक) और हरित उद्यान की काफी प्रशंसा की। कार्यक्रम मे नुक्कड नाटक के द्वारा बहुत सी सामाजिक समस्याओ पर सुन्दर प्रस्तुति भी की गई। ट्रस्ट की अध्यक्षा का कहना है की जो लोग निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा करते हैं उनका सम्मान होना चाहिए जिस से दुसरों को भी कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलेगी और समाज में एक अच्छा ब्दलाव जरूर आयेगा ।एक प्रयास ट्रस्ट द्वारा कोरोना यौध्दाओं को सम्मानित किया गया।

अलपन बंदोपाध्याय के मामले को दिल्ली स्थानांतरित करने की याचिका पर सुनवाई पूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्य सचिव अलपन बंदोपाध्याय के मामले को दिल्ली स्थानांतरित करने की याचिका पर सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि कोर्ट का फैसला आने तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। दरअसल पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्य सचिव अलपन बंदोपाध्याय के मामले को कैट ने दिल्ली स्थानांतरित करने का आदेश दिया था। कैट के आदेश को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की गई थी।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने केंद्र की याचिका पर सुनवाई करते हुए कैट के आदेश को खारिज करते हुए कहा था कि जब पूरा मामला बंगाल में केंद्रित है तो इस पर सुनवाई दिल्ली क्यों स्थानांतरित की गई है? केंद्र ने हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। यह पूरा मामला केंद्र के द्वारा पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्य सचिव अलपन बंदोपाध्याय से 28 मई को प्रधानमंत्री मोदी की बैठक में शामिल नही होने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछे जाने पर है ।जिसमें उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई शुरू की गई।

शशि थरूर ने छह महिला सांसदों के साथ ट्विटर पर तस्वीर साझा की, विवाद में फंसे

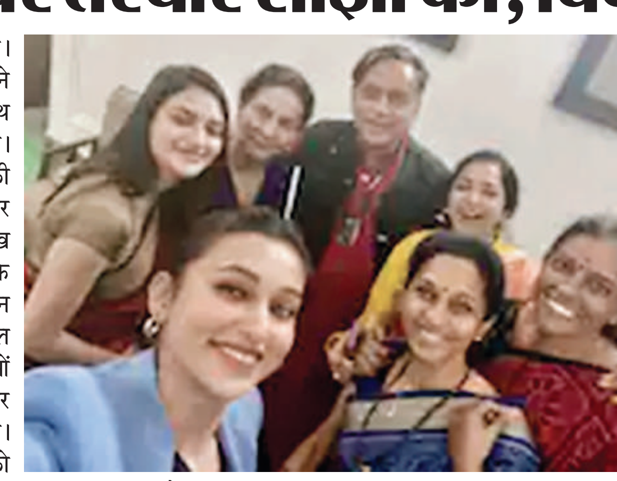

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने छह महिला सांसदों के साथ ट्विटर पर तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में कई दलों की महिला सांसद थीं और थरूर उनके साथ मुस्कराते हुए दिख रहे थे। हालांकि तस्वीर के साथ थरूर ने जो कैप्शन लिखा, उसको लेकर सोशल मीडिया पर वो आलोचनाओं के घेरे में आ गए। शशि थरूर ने इसके बाद माफी मांग ली। उन्होंने लिखा कि तस्वीर को लेकर कुछ लोगों की भावनाएं आहत हुईं, जिसको लेकर वो क्षमा मांगते हैं।

दरअसल यह तस्वीर संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन उन्होंने शेयर की थी। थरूर ने ट्वीट कर कहा, ह्लकौन कहता है कि लोकसभा आकर्षक जगह नहीं है?

इस तस्वीर में थरूर के साथ महिला सांसद सुप्रिया सुले, परनीत कौर, टी थंगपांडियन, मिमि चक्रबर्ती, नुसरत जहां, जोतिमनी सेन्नामलाई शामिल हैं। ये सभी महिला सांसद तस्वीर में थरूर के साथ मुस्कराती नजर आ रही हैं। थरूर ने अपनी सफाई में कहा, सेल्फी का यह पूरा प्रकरण महिला सांसदों की पहल पर किया गया था और बेहद खुशनुमा माहौल में किया गया था। उन्हीं की पहल पर मैंने उसी भावना के साथ इसे ट्वीट किया था। अगर किसी से इसकी भावनाएं आहत हुई हों तो मैं क्षमा मांगता हूं। लेकिन मैं कार्यस्थल पर अपने सहयोगियों के साथ इस पहल में शामिल होने को लेकर खुश हूं।ह्व हालांकि तस्वीर के साथ उनके ट्वीट को लेकर सोशल मीडिया पर हमले शुरू हो गए। सुप्रीम कोर्ट की वकील करुणा नंदी ने लिखा, अविश्वसनीय है कि किसी ने इस मुद्दे को उठाया है, क्योंकि शशि थरूर ने निर्वाचित महिला नेताओं के सिर्फ लुक तक सीमित करने की कोशिश की।

राष्ट्रपति 'चान' संतोखी को भाजपा नेता डॉ. जौली ने अयोध्या राम मंदिर पधारने का निमंत्रण दिया

» स्वतंत्र सिंह भुल्लर मदरलैंड संवाददाता

सूरीनाम देश के प्रवास में भाजपा नेता डॉ. विजय जौली ने सूरीनाम राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद ह्यचानह्ण संतोखी, विदेश मंत्री अल्बर्ट आर. रामदीन व शिक्षा मंत्री सुश्री मारिया एलिजाबेथ पवीरोरेडजा लेवेन्स से राजधानी पारामारिबो में भेंट की। ज्ञात रहे वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. विजय जौली आज कल सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो तथा अमेरिका देश के दौरे पर भारत की ओर से पीपुल टू पीपुल फ्रेंडशिप सशक्त करने हेतु विदेश यात्रा पर हैं। डॉ. जौली संग उनका युवा व्यवसायी पुत्र कबीर जौली भी हैं।

डॉ. जौली के सम्मान में रात्रि भोज का आयोजन प्रसिद्ध भारतीय मूल के उद्यमी विजय जय कृपलानी ने आयोजित किया। सूरीनाम में भारतीय राजदूत महामहिम एस. बालाचंद्रनन से भाजपा नेता डॉ. जौली की शिष्टाचार भेंट वार्ता हुई। ह्यह्यमोदी इंडिया कॉलिंग-2021ह्णह्ण कॉफी टेबल बुक सूरीनाम राष्ट्रपति को रामनवमी दुपट्टा के साथ डॉ. जौली ने भेंट की। और भारत आने का न्योता दिया।

पूर्व उप-राष्ट्रपति अश्विन अधीन, हिन्दू स्वयंसेवक संघ सूरीनाम संघचालक श्री राम अनुज राम औतार सिंह व स्वयंसेवकों तथा प्रसिद्ध भारतीय मूल के व्यवसायी रूड़ी डी सार्डजो के साथ भेंट हुई। सूरीनाम की सत्ताधारी पार्टी ह्यह्यविहिपह्णह्ण कार्यालय में स्वागत के साथ रेडियो व टीवी पर साक्षात्कार कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।

सूरीनाम देश के 46वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित राजकीय चाय आयोजन में डॉ. जौली व उनके पुत्र कबीर को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। तथा उपस्थित मंत्रियों, राजनयिकों, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों व सरकारी अधिकारियों के समक्ष, राष्ट्रपति जी ने सूरीनाम की यात्रा पर पधारे भारतीय मेहमानों का नाम लेकर विशेष रूप से उल्लेख किया। यह डॉ. जौली व भारत के लिए अत्यंत गौरव का विषय रहा।

श्री विष्णु मंदिर स्कूल, श्रीरामचरितमानस केंद्र में कथा वाचकों के दर्शन व आर्य समाज मंदिर में डॉ. जौली ने माथा टेका। इसके साथ सूरीनाम रक्षा मंत्री श्रीमती कृष्णाकोमेरी ह्यकृष्णाह्ण मथोरा, वाणिज्य मंत्री श्रीमती वल्ड्रिंग, श्रम मंत्री श्रीमती कुलदीप सिंह व सूरीनाम संसद के उपसभापति शरमन से भेंट वार्ता द्वारा सूरीनाम देश का भाजपा नेता डॉ. जौली का पॉच दिन का प्रवास सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। संतोखी को भाजपा नेता डॉ. जौली ने रामनवमी दुपट्टा

ओढ़ाया व अयोध्या राम मंदिर पधारने का निमंत्रण दिया(सूरीनाम, 28 नवम्बर 2021ः सूरीनाम देश के प्रवास में भाजपा नेता डॉ. विजय जौली ने सूरीनाम राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद ह्यचानह्ण संतोखी, विदेश मंत्री अल्बर्ट आर. रामदीन व शिक्षा मंत्री सुश्री मारिया एलिजाबेथ पवीरोरेडजा लेवेन्स से राजधानी पारामारिबो में भेंट की।

ज्ञात रहे वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. विजय जौली आज कल सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो तथा अमेरिका देश के दौरे पर भारत की ओर से पीपुल टू पीपुल फ्रेंडशिप सशक्त करने हेतु विदेश यात्रा पर हैं। डॉ. जौली संग उनका युवा व्यवसायी पुत्र कबीर जौली भी हैं।

डॉ. जौली के सम्मान में रात्रि भोज का आयोजन प्रसिद्ध भारतीय मूल के उद्यमी विजय जय कृपलानी ने आयोजित किया। सूरीनाम में भारतीय राजदूत महामहिम एस. बालाचंद्रनन से भाजपा नेता डॉ. जौली की शिष्टाचार भेंट वार्ता हुई। ह्यह्यमोदी इंडिया कॉलिंग-2021ह्णह्ण कॉफी टेबल बुक सूरीनाम राष्ट्रपति को रामनवमी दुपट्टा के साथ डॉ. जौली ने भेंट की। और भारत आने का न्योता दिया।

पूर्व उप-राष्ट्रपति अश्विन अधीन, हिन्दू स्वयंसेवक संघ सूरीनाम संघचालक श्री राम अनुज राम औतार सिंह व स्वयंसेवकों तथा प्रसिद्ध भारतीय मूल के व्यवसायी रूड़ी डी सार्डजो के साथ भेंट हुई। सूरीनाम की सत्ताधारी पार्टी ह्यह्यविहिपह्णह्ण कार्यालय में स्वागत के साथ रेडियो व टीवी पर साक्षात्कार कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।

सूरीनाम देश के 46वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित राजकीय चाय आयोजन में डॉ. जौली व उनके पुत्र कबीर को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। तथा उपस्थित मंत्रियों, राजनयिकों, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों व सरकारी अधिकारियों के समक्ष, राष्ट्रपति जी ने सूरीनाम की यात्रा पर पधारे भारतीय मेहमानों का नाम लेकर विशेष रूप से उल्लेख किया। यह डॉ. जौली व भारत के लिए अत्यंत गौरव का विषय रहा।

श्री विष्णु मंदिर स्कूल, श्रीरामचरितमानस केंद्र में कथा वाचकों के दर्शन व आर्य समाज मंदिर में डॉ. जौली ने माथा टेका। इसके साथ सूरीनाम रक्षा मंत्री श्रीमती कृष्णाकोमेरी ह्यकृष्णाह्ण मथोरा, वाणिज्य मंत्री श्रीमती वल्ड्रिंग, श्रम मंत्री श्रीमती कुलदीप सिंह व सूरीनाम संसद के उपसभापति शरमन से भेंट वार्ता द्वारा सूरीनाम देश का भाजपा नेता डॉ. जौली का पॉच दिन का प्रवास सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

जागरूक नारी शक्ति के तहत साईकिल रैली का नूंह पहुंचने पर स्वागत किया गया

मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवाते जागरूक नारी शक्ति के तहत महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए पंचकुला से चली साईकिल रैली का सोमवार को नूंह पहुंचने पर डीएसपी सुश्री ममता खरब ने यासीन मेव डिग्री कॉलेज में स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज का युग महिलाओं का युग हैं और महिलाऐं हर क्षेत्र में पुरूषों से कंधा से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं तथा सरकार भी महिलाओं के उत्थान व उनके हक के लिए प्रयास कर रही हैं। डीजीपी हरियाणा पी.के. अग्रवाल(आईपीएस) ने 15 नवंबर को इस जागृति रैली को हरी झंडी दिखाकर ए0सी0पी0 पंचकूला श्रीमती ममता सौदा के नेतृत्व में रवाना किया था जो कि 16 पुलिस महिला साईकिलिस्ट, हरियाणा पुलिस की सराहनीय मुहिम के तहत हरियाणा राज्य के सभी 22 जिलों में यह महिला सशक्तिकरण एवं महिला जागृति साईकिल यात्रा 25 दिनों में 1194 किलोमीटर का सफर तय कर करेंगी और महिलाओं, छात्राओं एवं बच्चों को जागृत करेंगी। डीएसपी ममता खरब ने जानकारी दी कि पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा सेवाएं जैसे दुर्गा शक्ति मोबाइल एप्प, महिला हेल्पलाइन नंबर 1091, आपातकालीन नंबर 112, बाल सहायता नंबर 1098, सीडब्ल्यूसी की महत्वता तथा साथ ही प्रत्येक जिले में महिला पुलिस थाना आदि के बारे में भी अवगत करवाया। इस मौके पर निरीक्षक माया देवी, उप-निरीक्षक हीरामणी, उप-निरीक्षक विनीता इंचार्ज महिला सैल नूंह, श्रीमती सीमा सिंगला निवर्तमान नगरपालिका चेयरमैन नूंह, अशरफ हुसैन प्रवक्ता, शाबिर हुसैन अडबर, साहुन खान, फतेह मोहम्मद एस0एम0सी0 चौयरमैन, कुसुम मलिक, नेहा सिंह, सविता प्रवक्ता, कॉलेज एवं स्कूल छात्र – छात्राएं, हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड टीम के बच्चे , अन्य स्टाफ सदस्य व अन्य मौजिज लोग मौजूद रहे ।

बाजारों में ओवरलोडिड वाहन घुसने से सिरफुटवैल के हालत बन जाते हैं

नूंह/मेवाते जिला के नूंह,पुन्हाना,तावडू,फिरोजपुर झिरका पालिका क्षेत्रों में इन दिनों बाजारों के अन्दर नो -इंटरी के अन्दर ओवरलोड वाहनों का बोलबाला होने से बाजारों में अफरातफरी का माहौल बना रहता है। लोगों की माने तो दुकानों का माल इधर-उधर करने, बाहर से माल आने के अलावा भारी लोडिड गाडियां बाजारों में घुसा दी जाती हैं जिससे जाम के हालात बन जाते है। इससे सिर फुटवैल की नौबत बनी रहती हैं। सुरेन्द्र जैन, राजू कटारिया, लोकेश डेडवाल, सचिन कुमार, साकिर हुसैन, डा0 साहिल खेडा, पूर्व पार्ष संजय मनोचा आदि ने बताया कि जिला के नूंह,पुन्हाना,तावडू,फिरोजपुर झिरका पालिका क्षेत्रों में इन दिनों बाजारों के अन्दर नो -इंटरी के अन्दर ओवरलोड वाहनों का बोलबाला होने से बाजारों में अफरातफरी का माहौल बना रहता है। उन्होंने जिला प्रशासन से इस ओर ध्यान देने की फरियाद की है।

यातायात माह में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम

मैनपुरी। शहर के डॉ0 किरन सौजिया सी0से0 ऐकेडमी में दिनांक सोमवार को ह्ययातायात माहह्न के अंतर्गत ह्यसड़क सुरक्षाह्न से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सीओ सिटी अमर बहादुर सिंह यातायात स्पेक्टर अनिल कुमार सिंह के अलावा कई अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आरम्भ माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जवलन तथा माल्यार्पण के साथ हुआ साथ ही अतिथियों को बुके भेंट कर तथा माला व शाल पहनाकर स्वागत किया गया। वही विद्यालय की छात्राओं द्वारा यातायात से संबंधित नुक्कड़ नाटक तथा समूह गान आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर दिए जाने वाले उद्बोधन में यातायात अधिकारियों ने बच्चों को यातायात के नियम व सावधानियों के बारे में जानकारियां देते हुए कहा कि बाइक चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। नींद, नशा और तेज रफ्तार में वाहन न चलाएँ। वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें इस प्रकार यातायात के नियमों का पालन करते हुए अपनी यात्रा सुरक्षित करें। अपने धन्यवाद ज्ञापन में विद्यालय के प्रबंध निदेशक श्री देवकी नन्दन खारिया जी ने अपना अमूल्य समय देने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएँ व शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।

पति ने ठुकराया तो पहुंची पिता के पास, लेकिन पिता ने भी ठुकराया तो पहुंची पुलिस के पास

मैनपुरी/बिछवां। कहते हैं जब बेटी पिता के घर से विदा होकर ससुराल जाती है। तो वह उस ससुराल को ही अपना घर मान लेती है। लेकिन जब उसे ससुराल में प्रताणित किया जाता है। इस स्थिति में बेटियां अपने पिता के पास जाती हैं। जब वह पिता ही ठुकरा दे तो ऐसे में वह कहां जाए। ऐसा ही एक वाक्या उस समय देखने को मिला जब पति ने ठुकराया तो वह अपने पिता के पास पहुंच गई। लेकिन वह शराबी पिता भी बढ़ा ही निर्दयी निकला और उसने भी भला बुरा कहकर अपनी ही बेटी को घर से बेघर कर दिया। ऐसे में वह दोनों जगह से ठुकराई हुई अपनी आपबीती लेकर पुलिस के दरवाजे पर पहुंची और उसने अपनी आपबीती पुलिस को बताई। दरअसल यह पूरा मामला थाना बिछवां क्षेत्र के गाँव जरामई निवासी संध्या पुत्री प्रदीप कुमार ने थाने में दी तहरीर में कहा है कि उसकी शादी थाना कुरावली क्षेत्र के गाँव पहाड़पुर निवासी अनुज कुमार उर्फ कल्लू पुत्र फेरूसिंह के साथ हुई है, जो शराब पीने का आदी है। वह अपने दोस्तों के साथ गलत काम करने के लिए मजवूर करता है। जिसका उसने विरोध किया और अपने मायके पिता के पास आ गई। लेकिन पिता भी शराबी है, जो घर में नहीं रहने देता है। इतना ही नहीं मेरा पिता मुझसे कहता है कि ससुराल में चाहे जो भी कर, लेकिन वहाँ से मेरे लिए पैसे लेकर आ। यदि तू वहां से पैसे लेकर न लाये तो यहां घर मत आ जाना। जिसके बाद मुझे धमकाते हुए घर से निकाल दिया। पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की छानवींन शुरू कर दी है।

ब्रह्मज्ञान से ही परिपक्व हो सकता है ईश्वर पर विश्वास - सत्गुरु माता सुदीक्षा

» अंटू मिश्रा, मदरलैंड संवाददाता

एटा। ह्यकिसी काल्पनिक बात पर तब तक विश्वास नहीं होता, जब तक हम साक्षात वह चीज नहीं देखते। उसी तरह से प्रभु, परमात्मा ईश्वर पर भी हमारा विश्वास तभी परिपक्द्व हो सकता है जब ब्रह्मज्ञान द्वारा उसे जाना जाता है। ईश्वर पर दृढ़ विश्वास रखते हुए जब मनुष्य अपनी जीवन यात्रा भक्ति भाव से युक्त होकर व्यतीत करता है तो वह आनंददायक बन जाती है ह्न

यह बात माता सुदीक्षा महाराज ने वर्चुअल रूप में आयोजित तीन दिवसीय 74वें वार्षिक निरंकारी सन्त समागम के प्रथम दिवस के सत्संग समारोह में कही। सत्गुरू माता ने प्रतिपादन किया कि एक तरफ विश्वास है तो दूसरी तरफ अंध विश्वास की बात भी सामने आती है। अंध विश्वास से भ्रम-भ्रांतियां उत्पन्न होती हैं, डर पैदा होता है और मन में अहंकार भी प्रवेश करता है जिससे मन में बुरे ख्याल आते हैं और कलह-क्लेषों का सामना करना पड़ता है। ब्रह्मांड की हर एक वस्तु विश्वास पर ही टिकी है पर विश्वास ऐसा न हो कि वास्तविक रूप में कुछ और हो और मन में हम कल्पना कोई दूसरी कर लें। आँख बंद करके अथवा असलीयत से आँख चुराकर कुछ और करते हैं तो फिर हम उन अंध विश्वासों की ओर बढ़ जाते हैं। किसी वस्तु की वास्तविकता और उसका उद्देश्य न जानते हुए तर्कसंगत न होते हुए भी उसे करते चले जाना ही अंध विश्वास की जड़ है जिससे नकारात्मक भाव मन पर हावी हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि आसपास का वातावरण, व्यक्ति अथवा किसी वस्तु से अपने आपको दूर करने का नाम भक्ति नहीं। भक्ति हमें जीवन की वास्तविकता से भागना नहीं सिखाती अपितु उसी में रहते हुए हर पल, हर स्वांस में परमात्मा का एहसास करते हुए आनंदित रहने का नाम भक्ति है। भक्ति किसी नकल का नाम नहीं, यह हर एक की व्यक्तिगत यात्रा है। हर दिन ईश्वर के साथ जुड़े रहकर अपनी भक्ति को प्रबल करना है। इच्छाएं मन में होनी लाजमी है पर उनकी पूर्ति न होने से उदास नहीं होना चाहिए। अनासक्त भाव से अपना विश्वास पक्का रखने में ही बेहतरी है। इसी से वास्तविक रूप में इन्सान आनंद की अनुभूति प्राप्त कर सकता है।

समागम के दूसरे दिन सेवादल रैली भी आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न खेल, शारीरिक व्यायाम, शारीरिक करतब के अतिरिक्त मिशन की सिखलाईयों पर आधारित सेवा की प्रेरणा देने वाले गीत एवं लघुनाटिकायें प्रस्तुत की गई।

पुलिस ने ढकेल स्वामी का नाम पूछने भेजा युवक दो पक्षों में विवाद पतरावः दो घायल

» फैजसन भारती, मदरलैंड संवाददाता

● सिकन्दराराऊ बस स्टैंड पर दो पक्षों में मारपीट पोलिंग की बोतलें फेंकी पथराव महिलाओं में अफरा-तफरी

सिकंदराराऊ जीटी रोड बस स्टैंड पर सुबह ढकेल स्वामी का नाम पूछने को लेकर दो दुकानदारों में वाद विवाद हो गया। जिसके चलते दोनों पक्षों ने जमकर शीतल पेय की बोतलों की फिकाई व पथराव हुआ। उसको लेकर बस स्टैंड पर महिलाएं बस का इंतजार कर रही थी तभी पथराव को देखकर अफरा-तफरी मच गई। और सवारियां इधर-उधर भागने लगी जिसमें दो युवक घायल हो गए। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली प्रभारी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर आ गए। इसके बाद सीओ तथा एसडीएम ने मौके पर आ गए जिन्होंने घटना की जानकारी कोतवाल से प्राप्त की। और घटना के आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जानकारी के अनुसार स्थानीय बस स्टैंड पर बर्षो से लगती आ रही ढकेल के स्वामी का वहां पर दुकानदार पक्ष के पास मौजूद एक पुलिस सिपाही द्वारा दुकानदार पक्ष के युवक को भेजकर नाम की पूछताछ की गई। जिसको लेकर ढकेल पक्ष के युवक ने दुकानदार पक्ष पर नाम बताने का आरोप लगाते हुए दोनों दुकानदारों में वाद विवाद हो गया। वही ढकेल पक्ष के समर्थकों ने दुकानदार को जाति सूची गंदी गंदी गाली गलौज के साथ बढ़ गया तथा देखते ही देखते दोनों पक्ष के दुकानदार द्वारा अपने समर्थकों के साथ जमकर कोल ड्रिंक की बोतलों की फिकाई की गई। जिसके चलते वहां पर मौजूद सवारियों में अफरा-तफरी मच गई। वही घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा जिला उपाध्यक्ष बृजेश सिंह चौहान व व्यापार मंडल अध्यक्ष विपिन वार्ष्णेय कोतवाली पर पहुंच गए दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उसके बाद घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सिंह पुलिस व पीएसी बल के साथ मौके पर आ गए जिन्होंने मामले को शांत कराया। उसके बाद सीओ सुरेंद्र सिंह व एसडीएम बेद सिंह चौहान भी घटनास्थल पर आ गए जिन्होंने वहां पर मौजूद कोतवाल से घटना के बाद के बारे में जानकारी प्राप्त की।

जीवन है अनमोल, यातायात नियमों का करें पालन- प्रो. टंकेश्वर कुमार

» विजय कौशिक, मदरलैंड संवाददाता

नारनौले हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में आज सड़क सुरक्षा पर केंद्रित वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की सिविल इंजीनियरिंग, ट्रेंनिंग एंड प्लेसमेंट सेल व राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयुक्त प्रयासों से आयोजित रांग साइड ऑफ द रोड़ विषय पर केंद्रित इस वेबिनार को आईबीएम (स्किल बिल्ड), सीएसआरबीओएक्स के मनोविराज सिंह व एंगेजमेंट एंड पार्टनरशिप एसोसिएट निशा सिंह ने विशेषज्ञ के रूप में हिस्सा लिया। विश्वविद्याय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा के लिए यातायात नियमों की महत्ता से अवगत कराते हुए कहा कि मानव जीवन अनमोल है और यातायात नियमों का पालन कर इसकी सुरक्षा निश्चित की जा सकती है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में सड़क दुर्घटना में होने वाली जान-माल की हानि का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वभर में सड़क दुर्घटना के कारण हर साल भारी संख्या में जाने जाती हैं। इस समस्या के निदान हेतु आवश्यक है कि सड़क पर यात्रा के दौरान निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

विशेषज्ञ वक्ता मनोविराज सिंह व निशा सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देने के साथ-साथ बताया कि किस तरह से इनकी अनदेखी उनके लिए हानिकारक साबित हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना था कि विश्वभर में यातायात नियमों के प्रति सजगता को लेकर विभिन्न प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में इस संदर्भ में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उनका कहना था कि इस कार्य में शिक्षण संस्थान महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विकास गर्ग ने आयोजन में सहभागिता व सहयोग हेतु सह-संयोजक डॉ. जितेंद्र, डॉ. दिनेश चहल व डॉ. अभिषेक जिंदल का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने इस आयोजन में विद्यार्थियों के स्तर पर कार्यरत विद्यार्थी सह-समन्वयक- शिवम ठाकुर व कुश सिन्हा के प्रयासों की भी सराहना की। विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई के संयोजक डॉ. दिनेश चहल ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए सड़क सुरक्षा नियमों के संदर्भ में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. सारिका शर्मा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षणेतर कर्मचारी उपस्थित रहे।

सात समंदर पार से प्रवासी पक्षियों ने झील में आकर डाला डेरा

प्रवासी पक्षियों को भा रही पटना पक्षी विहार की आबोहवा

» मदरलैंड संवाददाता

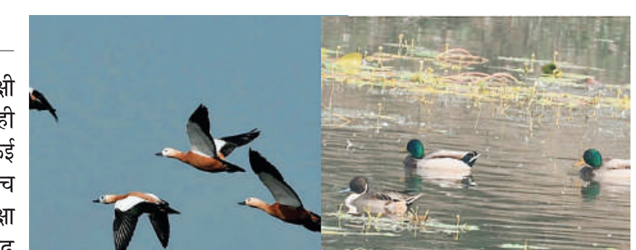

एटा। जलेसर के पटना पक्षी विहार में प्रवासी पक्षियों को भा रही है आवोहवा। सर्दी शुरू होते ही कई प्रजाति के प्रवासी पक्षी यहां पहुंच गए हैं। शांत वातावरण और सुरक्षा पाकर उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। उनकी जरूरत के तौर पर आसपास के खेतों और वेटलैंड (आर्द्रभूमि) से भोजन भी भरपूर मिल रहा है। जलेसर क्षेत्र स्थित इस पक्षी विहार में नवंबर के शुरूआत से हर साल पक्षियों का आगमन शुरू हो जाता है। जो यहां सर्दियों भर डेरा डालते हैं।

कई पक्षी विहारों पर अध्ययन कर चुके पक्षी विशेषज्ञ विराग शर्मा बताते हैं कि इस बार कई प्रवासी पक्षी सबसे पहले पटना पक्षी विहार में देखे गए हैं। यूरोप की मलार्ड डक क्षेत्र में सबसे ज्यादा है। वह बताते हैं कि पटना झील के आसपास बड़ी संख्या में खेत और सिंघाड़े की खेती वाले वेटलैंड हैं। जिनसे पक्षियों को अच्छा भोजन मिल जाता है। आबादी व निर्माण आदि गतिविधियां न होने से पक्षियों के लिए शोरगुल जैसा कोई व्यवधान नहीं होता। शिकार करने जैसी शिकायतें भी नहीं हैं। जिससे पक्षी यहां के वातावरण को ज्यादा पसंद और सुरक्षित महसूस करते हैं। वह बताते हैं कि यूरोपीय देशों में ठंड बढ़ने की वजह से भोजन की उपलब्धता कम होती जाती है और पक्षी हिमालय की ओर से यहां पहुंचते हैं। यहां से दक्षिण की ओर बढ़ जाते हैं।

पटना पक्षी विहार में अधिक प्रवासी पक्षियों के आने की उम्मीद

108 हेक्टेयर क्षेत्रफल में बने पटना पक्षी विहार में इस बार अधिक पक्षियों के आने की उम्मीद है। पिछले साल बरसात कम होने से झील में पानी कम रह गया था। जिसके चलते इस चक्र से गुजरने वाले पक्षी आगे बढ़ते गए थे। इस बार अधिक बरसात हुई, जिससे झील में पानी भरपूर है। पिछले साल नवंबर अंत तक 14-15 हजार पक्षी आए थे। इस बार यह संख्या 35-36 हजार है।

पटना पक्षी विहार में अभी तक साइबेरियन पक्षी ग्रेलेग गूज, पिंटेल, शावलर, गॉडवॉल, कॉटनटील, व्हिसलिंग टील, स्पूनबिल आदि प्रवासी पक्षी देखे जा सकते हैं। इनके अलावा रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, टफ्ट पोचार्ड, नीलसर, सुर्खाव, बार हेडेड गूज आदि प्रवासी पक्षी भी आए हैं। इन सभी प्रवासी पक्षियों की संख्या करीब 20 हजार है। जबकि देश के कई प्रजातियों के करीब 16 हजार पक्षी आ चुके हैं।

वर्जन

फोरेस्ट रेंज ऑफिसर नरेंद्र रावत ने बताया कि इस बार पक्षियों के लिए परिस्थितियां काफी अनुकूल हैं। उम्मीद की जा रही है कि 70 हजार से अधिक पक्षी पहुंचेंगे। पिछले साल करीब 64 हजार पक्षी पहुंचे थे।

हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम ने लाभार्थियों को 585.37 लाख रुपये की वित्तीय सहायता मुहैया करवाई- डा0 बनवारी लाल

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। हरियाणा के अनुसूचित जाति एवं पिछडा वर्ग कल्याण मंत्री डॉ बनवारी लाल ने नूंह में आयोजित एक कार्यक्रम में बताया कि हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम ने चालू वित्त वर्ष के दौरान नवंबर, 2021 तक विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 881 लाभार्थियों को 585.37 लाख रुपये की वित्तीय सहायता मुहैया करवाई है, जिसमें 54.95 लाख रुपये की सब्सिडी तथा 27.06 लाख रुपये मार्जिन मनी के रूप में दिया जाना शामिल है। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि निगम द्वारा अनुसूचित जातियों से संबंधित लोगों को विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत ऋण मुहैया करवाया जाता है ताकि वे अपना कारोबार और स्व-रोजगार स्थापित कर सकें। इन श्रेणियों में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र, व्यापार एवं कारोबार क्षेत्र तथा स्व-रोजगार क्षेत्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की सहायता से लागू योजनाओं के तहत भी उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र के अंतर्गत 522 लाभार्थियों को डेरी फार्मिंग, भेड़ पालन, सुअर पालन और झोटा-बुग्गी के लिए 295.85 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध करवाया गया है। इनमें से 268.27 लाख रुपये बैंक ऋण, मार्जिन मनी 0.27 और 27.31 लाख रुपये सब्सिडी के रूप में जारी किए गए हैं। इसी तरह, औद्योगिक क्षेत्र के लिए 21 लाभार्थियों हेतू 7.87 लाख रुपये बैंक ऋण, मार्जिन मनी 1.04 और 1.44 लाख रुपये सब्सिडी के रूप में जारी किए गए हैं।मंत्री ने बताया कि इसी प्रकार, व्यापार और कारोबार क्षेत्र के अंतर्गत 312 लाभार्थियों को 257.37 लाख रुपये की राशि मुहैया करवाई गई, जिसमें से 205.87 लाख रुपये बैंक ऋण, 25.80 लाख रुपये सब्सिडी और 25.70 लाख रुपये मार्जिन मनी के रूप में जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पेशेवर और स्वंरोजगार क्षेत्र के तहत एक लाभार्थी को 0.50 लाख रूपए की सहायता मुहैया करवाई गई है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अनुसूचित वित्त एवं विकास निगम की सहायता से लघु व्यवसाय योजना के तहत इस अवधि के दौरान दो लाभार्थियों को 1.20 लाख रुपये जारी किए गए। इसमें राष्ट्रीय अनुसूचित वित्त एवं विकास निगम का प्रत्यक्ष ऋण हिस्सा 90 हजार रुपये और हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम का प्रत्यक्ष हिस्सा 10,000 रुपये है। इसके अतिरिक्त, 20,000 रुपये की सब्सिडी भी वितरित की गई।मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त एवं विकास निगम की सहायता से लागू योजनाओं के तहत इस अवधि के दौरान 23 लाभार्थियों को 20.10 लाख रुपये जारी किए गए। इसमें राष्ट्रीय अनुसूचित वित्त एवं विकास निगम का प्रत्यक्ष ऋण हिस्सा 17.78 लाख रुपये और हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम का प्रत्यक्ष हिस्सा 2.22 लाख रुपये है।

भोगांव ब्लॉक शैक्षिक संस्थान केंद्र पर प्री प्राइमरी के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय ईसीसीआई कार्यशाला का आयोजन

» अजय सक्सेना, मदरलैंड संवाददाता

मैनपुरी। जनपद के थाना क्षेत्र भोगांव स्थित ब्लॉक शैक्षिक संसाधन केंद्र पर प्री प्राइमरी शिक्षा के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय ईसीसीआई कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कमल सिंह व खंड शिक्षा अधिकारी अनुपम शुक्ला ने प्रतिभाग किया इस दौरान बीआरसी परिसर मैं ब्लॉक स्तर के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य व अध्यापकों ने टेक्नालॉजी विज्ञान प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया प्रांगण में लगाए गए इंस्टॉल का खंड शिक्षा अधिकारी ने बारीकी से निरीक्षण करते हुए टीचरों से जानकारी ली इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों पर पढ़ रहे बच्चे एवं परिषदीय विद्यालयों में पढ़ रहे कक्षा 1 व 2 के बच्चों के बीच आपस में सामंजस्य बैठाने की जिम्मेदारी हम सब की है। हम सब इस प्रकार से आपस में समन्वय स्थापित करें कि आंगनवाड़ी के बच्चे वह हमारे बेसिक शिक्षा के बच्चों के साथ मिलकर अधिक से अधिक शिक्षा का लाभ उठा सकें। जिस तरह से शिक्षकों द्वारा टी एल एम कार्यक्रम में रुचि दिखाई जा रही है उससे लगता है कि वह बच्चों को टी एल एम के माध्यम शिक्षक बच्चों को अच्छी शिक्षा दे रही है कहा सभी शिक्षक बच्चों को हर संभव हर तरीके से पढ़ाने में उनकी मत करें जिससे बच्चों का भविष्य उज्जवल हो बच्चे जब आगे बढ़ेंगे तो हमारा देश आगे बढ़ेगा बच्चों को अच्छी शिक्षा देना हर शिक्षक का कर्तव्य होता है इस मौके पर मोहम्मद रफीक, नवीन सक्सेना, धीरज कुमार, अख्तर आदिल, आलोक रतन, गौरव शाक्य, जावेद अख्तर, अनूप कुमार आदि के साथ-साथ कई स्कूलों के शिक्षक मौजूद रहे।

डॉक्टर बनवारीलाल ने लघु सचिवालय के सभागार में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक की अध्यक्षता, जिला के तीनों कांग्रेसी विधायकों ने इस बार भी बैठक से किया किनारा

नूंह/मेवात। सहकारिता, अनुसूचित जाति व पिछडा वर्ग कल्याण मंत्री डा0 बनवारीलाल ने फिर दोहराया कि अधिकारी व कर्मचारी लोगों की समस्या समाधान में दिलचस्पी दिखायें। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों को अपने कामकाज के रवैये में तब्दीली लाकर उपभोक्ताओं की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान करें और साथ ही तीखे तेवर दिखाते हुए कहा कि यदि इसके बावजूद उनके पास किसी अधिकारी, कर्मचारी की शिकायत पहुंचती हैं तो उनके खिलाफ कडी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

वह सोमवार सांय लघु सचिवालय सभागार में जिला कष्ट निवारण की बैठक की अध्यक्षता के दौरान यह बात कही। इस दौरान उन्होंने जिला वासियों से कोविड-19 वैक्सीन के छेडे गये अभियान में सहयोग की भी अपील की। उन्होंने बताया कि कोविड-19 वैक्सीन की पहली-दूसरी खुराक लेने से संभावित तीसरी लहर के खतरे से बचा जा सकता है और कोविड-19 वैक्सीन में बेहतर सेवा देने वाले चिकित्सकों, स्टाफ नर्स, वर्कर, अधिकारी व कर्मचारियों को भी प्रशंसा पत्र देकर सम्मान दिया गया। बैठक में नूंह,पुन्हाना व फिरोजपुर झिरका विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक नदारद रहे। जबकि जिला की आधी समझी जाने वाली सीट सोहना से भाजपा विधायक कुंवर संजय सिंह मौजूद रहे।

यहां, यह बताना जरूरी है कि पिछली मासिक बैठक में किसी समस्या को लेकर कांग्रेसी विधायकों ने बैठक के दौरान मंत्री से ठन गई थी और बैठक में मौजूद नूंह से विधायक व सीएलपी के उप नेता आफताब अहमद, फिरोजपुर झिरका से कांग्रेसी विधायक मामन खान ने बैठक का बहिष्कार कर पत्रकारवार्ता में खटटर सरकार पर आरोपों की बौछार लगा दी थी। एक सवाल के जवाब में सहकारिता मंत्री ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कोई मामला उजागर होने पर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जायेगी और साथ ही कहा कि जिला के तीनों कांग्रेसी विधायकों को बैठक की नियमानुसार सूचना भिजवाई गई थी और उनका बैठक में न पहुंचना या पहुंचना उनका निजि फैसला हैं। बैठक में कुल 13 परिवाद पहुंचे और सहकारिता मंत्री ने 10 का मौके पर निपटान कर दिया गया।

इस मौके पर सोहना विधायक कंवर संजय सिंह, उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह, पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला, एसडीएम नूंह सलोनी शर्मा, एसडीएम तावडू सुरेन्द्र पाल, एसडीएम पुन्हाना मनीषा शर्मा, एसडीएम फिरोजपुर झिरका रणवीर सिंह, नगराधीश जयप्रकाश ,भाजपा जिला अध्यक्ष नरेन्द्र पटेल सहित समिति के अन्य गैर सरकारी सदस्य व जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहें। बैठक में मौजूद रहने वाले जननायक जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष तैयब हुसैन घासेडिया का बैठक में न रहना भी चर्चा का विषय बना रहा।

संक्षिप्त समाचार

गन्ना मूल्य बढ़ाए जाने पर जताया सीएम का आभार

मदरलैंड संवाददाता, रूड़की। गन्ना मूल्य 355 रुपए प्रति कुंतल घोषित किये जाने तथा गन्ना क्रय केंद्रों से चीनी मिलों तक का गन्ने का भाड़ा 11 रुपए प्रति कुंतल से घटाकर 9.50 रुपए प्रति कुंतल किये जाने पर भाजपा नेता सुशील राठी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं गन्ना मन्त्री स्वामी यतिश्वरानन्द का देहरादून पहुंचकर आभार व्यक्त किया है ! सुशील राठी ने कहा कि प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं गन्ना मंत्री स्वामी यतिश्वरानन्द द्वारा यह ऐतिहासिक फैसला लिया गया है, इससे निश्चित रूप से किसानों को लाभ मिलेगा, उन्होंने कहा कि धामी सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही और आज गन्ना किसानों को इतनी बड़ी राहत देकर मुख्यमंत्री एवं गन्ना मन्त्री ने बहुत बड़ा कार्य किया है और आने वाले विधानसभा चुनाव में निश्चित रूप से इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा ! ।

विश्व के कल्याण की कामना के साथ श्रीमद भगवत कथा सम्पन्न

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। पुरानी तहसील स्थित ज्योतिष मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का सोमवार को हवन यज्ञ के साथ समापन हो गया। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। ज्योतिषाचार्य कथा व्यास आचार्य पंडित रमेश सेमवाल ने कहा कि भागवत कथा का रसपान करने से व्यक्ति को शांति प्राप्त होती है। इस कलयुग काल में जहां रोग कष्ट दे रहे हैं वहां सत्संग करने से व्यक्ति का मन प्रभु भक्ति से शुद्ध और पवित्र हो जाता है। राष्ट्र कल्याण के लिए 1008 महामृत्युंजय मंत्रों द्वारा यज्ञ किया गया और राष्ट्र व विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना की गई। राष्ट्र ही सर्वोपरि है और विशेष आरती की गई जिसमें सैकड़ों भक्त जनों ने भाग लिया। पंडित रमेश सेमवाल ने कहा की यज्ञ करने से वातावरण की शुद्धि होती है और सत्संग करने से मन की शुद्धि होती है, अच्छे संस्कार प्राप्त होते हैं। इसलिए मनुष्य को निरंतर सत्संग करना चाहिए सत्संग से विवेक प्राप्त होता है। विवेक से बुद्धि प्राप्त होती है बुद्धि प्राप्त होने से शांति प्राप्त होती है इसलिए निरंतर सत्संग करना चाहिए हमारे ऋषि–मुनियों ने सत्संग की प्रशंसा की है सत्संग यानी सत्य का संग कलयुग में सत्संग और भागवत कथा के माध्यम से धर्म के मार्ग पर चलना चाहिए धर्म का मार्ग ही श्रेष्ठ मार्ग है सत्य का मार्ग है सत्संग का मार्ग है। इस अवसर पर कथा में आचार्य नरेश शास्त्री, आचार्य संदीप शास्त्री, सुलक्ष्णा सेमवाल, आदिति सेमवाल, प्रदीप चौहान, महेंद्र भटनागर, पंडित राजकुमार दुखी, अंकित दुबे, राधा भटनागर, चित्रा गोयल, आशा गोयल, गौरव वर्मा, नीरा वर्मा, राम कुमार गुप्ता मौजूद रहे।

भारत में त्यागी समाज को एकजुट करेगा महासंघ

मदरलैंड संवाददाता, रुड़की। भारत में अलग–अलग प्रांतों में विभिन्न नामों से पहचान रखने वाले त्यागी समाज, चितपावन समाज, गालव समाज भूमिहार तथा छीब्बल समाज को एकरूपता देने हेतु अखिल भारतीय ब्रह्मर्षि महासंघ की स्थापना 2 वर्ष पूर्व दिल्ली में की गई थी। स्थापना के 2 वर्ष पूर्ण होने पर 25 एवं 26 दिसंबर को प्रेम नगर आश्रम हरिद्वार में सभी समाज के 2 लाख व्यक्तियों का ब्रह्मऋषि महाकुम्भ अयोजित किया जाएगा। अखिल भारतीय ब्रह्मऋषि महासंघ की राष्ट्रीय महामंत्री डॉ उदिता त्यागी ने , त्यागी विकास एवं कल्याण सभा (रजि.) उत्तराखंड द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में हरिद्वार रोड स्थित होटल में राष्ट्रीय सचिव तरुण त्यागी हरिद्वार का भी स्वागत एवं अभिनंदन किया गया ! त्यागी समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुशील त्यागी ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ, अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर अतिथियों का अभिंदन करते हुए कहा कि हरिद्वार में दिसंबर माह में आयोजित ब्रहमऋषि महाकुंभ उत्तराखंड त्यागी समाज के लिए गौरव का विषय है ! कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु त्यागी समाज उत्तराखंड अग्रणी भूमिका में रहेगा यह आश्वासन प्रदेश अध्यक्ष सुशील त्यागी ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों को दिया। स्वागत समारोह कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री प्रतोष त्यागी करते हुए सभी पदाधिकारियों को आगामी कार्यक्रम की तैयारी हेतु सक्रिय रहने का निवेदन किया। इस दौरान कार्यक्रम में समाज के संरक्षक मास्टर बालिस्टर भवन त्यागी, प्रमोद त्यागी, विकास त्यागी, योगेश त्यागी, अशोक त्यागी, डॉ. अभिषेक त्यागी, नरेश त्यागी, आनंद त्यागी, सनी त्यागी, आयुष त्यागी पार्षद अनुज त्यागी, आदेश त्यागी, मुकेश त्यागी, विशेष त्यागी आदि कार्यकर्ता ने पदाधिकारियों का स्वागत और अभिनंदन किया।

शहर में कैंडल मार्च निकालकर दी बाबा साहेब को श्रद्धांजलि

मदरलैंड संवाददाता , रुड़की ! विश्वरत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर सोमवार को शहर में विशाल कैंडल मार्च का आयोजन किया गया ! इसमें हजारों की संख्या में दलित समाज के लोगों की भीड़ उमड़ी ! शाम 5 बजे डीएवी ग्राउंड शुरू हुआ कैंडल मार्च नगर निगम स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर जाकर सम्पन्न हुआ ! जहां दलित समाज के लोगों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर और कैंडल जलाकर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी ! कार्यक्रम में पहुंचे संगठनों, राजनेताओं और आम नागरिकों ने समाज की एकजुटता के साथ ही बच्चों की शिक्षा पर जोर दिया ! कहा कि बाबा साहेब ने शिक्षित रहो, संगठित रहो, संघर्ष करो की बात बताई है, उनके बताए रास्ते पर चलकर ही समाज तरक्की कर सकता है ! इस अवसर पर बसपा प्रदेश महासचिव आदित्य बृजवाल, मास्टर योगराज सिंह, मास्टर त्रिलोकी नाथ, मास्टर मेघराज सिंह, जीतपाल सिंह, पप्पू ठेकेदार, धीर सिंह मोहनपुरा, तेलूराम आदि मौजूद रहे !

प्रदेश के विकास को कांग्रेस के साथ आए हरिद्वार की जनता: हरीश रावत

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। कांग्रेस के सदस्यता अभियान में विहिप नेता समेत सैकड़ों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली। इसके साथ ही पीपुल्स पार्टी का विलय करते हुए सभी पदाधिकारी और समर्थक कांग्रेस में शामिल हुए! कांग्रेस नेता प्रोफेसर डीपी सिंह और सचिन गुप्ता के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में विहिप के जिला प्रवक्ता रणवीर नागर आदि ने कांग्रेस की सदस्यता ली। इसके साथ ही पीपुल्स पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन जैन ने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ली। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत एवं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने सभी को फूल मालाएं पहनाकर सदस्यता लेने वालों का स्वागत किया। इससे पूर्व कार्यकताओं में दोनों नेताओं का फूल मालाओं से स्वागत किया। चुनाव संचालन समिति अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि कल तक जो कांग्रेस का विरोध करते थे आज वह कांग्रेस में शामिल होने के बाद अब हमारे राजनीतिक विरोधियों का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि एक समय कांग्रेस जिले की सभी 11 सीटों पर जीतती लेकिन पूरी मेहनत के बाद हम तीन पर सिमट गए ! इसका कारण हरिद्वार के लोग सत्ता की अहमियत नही समझ पाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय प्रदेश का सचिवालय और मेरा आवास यहां के लोगों से भरा रहता है कांग्रेस कार्यकर्ता कई लोगों को काम के लिए लाते थे और जहां के लोगों को काम के लिए लाते थे उन्होंने ही मुझे 12 हजार वोटों से हराने का काम किया। कहा कि सरकार में पूरे उत्तरांखण्ड में जितने मंत्री बनाये उसके आधे हरिद्वार जिले से थे कहा कि उसका लाभ चुनाव में नही मिला। कहा कि जिस प्रकार का जोश सभाओं में दिख रहा है उससे तय है कि 11 सीटें जीतेंगे। कहा कि सीट पर टिकट के जितने दावेदार है सभी मिलजुलकर रहें और एक दूसरे से दूरी न बनाएं टिकट मिलने पर सभी प्रत्याशी का साथ दें। कहा कि इस समय कांग्रेस के पक्ष में माहौल है दलित समाज कांग्रेस की ओर आ रहा है कार्यकताओं को उन तक पहुंचना चाहिए। कहा कि विरादरी में नाम पर सम्मान मांगने वाले नेताओं बिरादरी को जोड़कर चलें इस बार इस बात का खास आंकलन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि कांग्रेस के धुर विरोधी संगठनों के लोग कांग्रेस में शामिल हुए हैं यह इस बात का धोतक है कि 2022 में कांग्रेस की सरकार बननी तय है। मंगलौर विधायक काजी निजामुद्दीन ने पार्टी में शामिल हुए सभी लोगों का स्वागत करते हुए 2022 फतेह करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कांग्रेस के सोशल मीडिया वारीरियर्स को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बैंकर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष का सम्मान किया। कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष सलीम खान, पूर्व सांसद राजेंद्र बॉडी, प्रोफेसर डीपी सैनी, सचिन गुप्ता, ईश्वर लाल शास्त्री, रजनीश शर्मा, मुकेश शर्मा, सुधीर शांडिल्य, नासिर परवेज, बिट्टू शर्मा, पंकज सोनकर, जगदेव सिखों, लवी त्यागी, शहजाद अली, बबलु राणा, परवेज अहमद, शानू रसूल, सुखमिंदर बाल्मीकि, सपना बाल्मीकि, वीरेंद्र ठाकुर आदि मौजूद रहे।

अपने ही समाज में आधार नहीं दूसरों को कैसे साधेगें

रुड़की ! प्रदेश में विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही कांग्रेस में जिले की लगभग सभी सीटों पर दावेदारों की फौज खड़ी हो गई है ! इनमें कई जमीन पर है तो कई हवाई बने है ! खानपुर, ज्वालापुर और रुड़की सीट पर कांग्रेस को सबसे ज्यादा दावेदारों का सामना करना पड़ रहा है ! तीनों ही सीटों पर टिकट के बाद बगावत के भी आसार बने है ! जिसे थामना शायद पार्टी नेताओं के भी बस की बात नहीं है ! हालांकि तीनों ही सीटों पर कांग्रेस के सामने 2017 में भाजपा बड़ा रोड़ा रही है ! इस बार खानपुर, ज्वालापुर को छोड़ दे तो रुड़की में 2022 में भी भाजपा ही कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती बनी है ! ऐसे में पार्टी के लिए प्रत्याशी चयन भी सबसे मुश्किल हो गया है ! जानकारों का मानना है कि रुड़की में कांग्रेस के पास वैसे तो कई अच्छे चेहरे है, लेकिन दावेदारी में कई कमजोर मोहरे भी है ! सोमवार को राजनीति के मंझे हुए खिलाड़ी हरदा ऐसे ही कमजोर मोहरे के साथ कार्यक्रम में बने रहे ! हालांकि इस बीच हरदा ने टिकट फाईनल न होने की बात कहकर जमीन से जुड़े दावेदारों की उम्मीदों को बांधे रखने का काम किया ! जिसे हरदा का सबसे बड़ा और सुलझा हुआ राजनीतिक कदम भी कहा जा सकता है ! बता दें कि रुड़की सीट पर कांग्रेस से पूर्व राज्य मंत्री मनोहर लाल शर्मा, पूर्व ग्रह मंत्री के पोते प्रोफेसर डीपी सिंह और सचिन गुप्ता टिकट की दावेदारी में बने हैं, तीनों को ही जमीन पर मजबूत भी बताया जाता है ! हालांकि इनके अलावा रश्मि चौधरी, हंसराज सचदेवा, यशपाल राणा भी टिकट की मांग कर रहे हैं ! लोगों का कहना है कि हंसराज सचदेवा की अपने ही समाज में पकड़ नहीं है तो वह दूसरे समाज को कैसे साधेगें ! वैसे भी हंसराज सचदेवा कभी होटल से बाहर जनता के बीच में दिखाई भी नहीं दिए ! हां उनके साथ लगे कुछ छुटभैया और पाला बदल नेता उन्हें टिकट पक्का होने का आश्वासन जरूर देने में लगे हैं ! इसके बहाने दावतों का भी दौर जारी है !

एसएसडी में मतदाता जागरूकता शिविर में बताया वोट का मतलब

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! एसएसडीपीसी गर्ल्स पीजी कॉलेज, रुड़की में सोमवार को स्वीप (सिस्टमैटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्ट्रोल पार्टिसिपेशन प्रोग्राम) के अंतर्गत विशेष मतदाता जागरूकता शिविर लगाया गया, जिसमें कैंपस एम्बेसडर (स्वीप) छात्राओं द्वारा नए मतदाताओं का रजिस्ट्रेशन कराया गया ! छात्राओं में नए मतदाता बनने को लेकर बेहद उत्साह दिखा ! नोडल ऑफिसर, स्वीप डॉ. किरन बाला ने छात्राओं का हौंसला बढ़ाते हुए उन्हें मतदान और मतदाता के विषय में समझाया ! कहा कि लोकतंत्र में एक-एक वोट का महत्व है ! कई बार एक वोट से ही सरकार गिर जाती है, प्रत्याशी हार जाता है ! इसलिए सभी अपने मत का पूरा प्रयोग करें और अपनी मर्जी की सरकार चुनते हुए लोकतंत्र का हिस्सा बने ! कहा कि कुछ लोग वोट नहीं करते और कुछ अपने मत का प्रयोग नोटा के लिए करते हैं, लेकिन यह दोनों ही तरीके गलत है ! इससे देश और प्रदेश में अपनी मनमानी चलाने वाली गलत सरकार चुनकर आ जाती है ! इसलिए यह किसी भी तरीके से लोकतंत्र के हित में नहीं है ! इस दौरान 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी छात्राओं से मतदाता बनने को फार्म 6 भरवाए गए ! प्राचार्या डॉ. अर्चना मिश्रा ने शिविर की गतिविधियों का जायजा लिया और छात्राओं को नए मतदाता बनने हेतु प्रेरित किया !

संकुल केंद्र दौलतपुर में विद्यालय प्रबंध समिति का प्रशिक्षण सम्पन्न

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! संकुल दौलतपुर में सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण संपूर्ण हो गया है। प्रशिक्षण में कुल पन्द्रह विद्यालय प्रबंधन समितियों के नब्बे प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रत्येक विद्यालय प्रबंधन समिति से प्रधानाध्यापक, सचिव, अध्यक्ष और चार सदस्यों ने भाग लिया। नोडल अधिकारी मो. अखलाख प्रधानाध्यापक रा उ प्रा वि मुकर्रबपुर के सुपरविजन में प्रशिक्षण संपूर्ण हुआ। रा प्रा वि पिरान कलियर प्रथम में वर्तमान संकुल भवन में राजेन्द्र कुमार संकुल समन्वयक दौलतपुर द्वारा प्रशिक्षण व्यवस्था/आयोजित किया गया। प्रतिभागियों को नियमानुसार प्रतिदिन जलपान दिया गया तथा चार्ट स्टेशनरी आदि वितरित की गई। मास्टर ट्रेनर राजेन्द्र कुमार संकुल समन्वयक दौलतपुर व नूर आलम प्रधानाध्यापक राजकीय प्राथमिक विद्यालय पिरान कलियर प्रथम, सुलेमान प्रधानाध्यापक, मो. अखलाख प्रधानाध्यापक द्वारा आहवान मोडल के अनुसार प्रशिक्षण दिया गया। सभी प्रतिभागियों ने रूचिकर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कृषि कानूनों की वापसी पर मनाया कांग्रेसियों ने जश्न

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! कृषि कानूनों की वापसी पर सोमवार को कांग्रेसियों ने जश्न मनाया ! सिविल लाइंस स्थित सचिन गुप्ता के कार्यालय पर कांग्रेसियों ने कृषि कानूनों की वापसी को किसान, मजदूर की जीत बताया ! इस दौरान एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी गई और खुशी जताई गई ! कहा कि कांग्रेस हमेशा से देश के अन्नदाता और मजदूर के साथ खड़ी रही है ! आगे भी कांग्रेस किसान, मजदूर की लड़ाई लड़ती रहेगी ! किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन गुप्ता ने कहा कि भाजपा कभी किसान, मजदूर की हितैषी नहीं रही है, न ही भाजपा ने कभी संविधान में अपनी आस्था रखी ! यही कारण है कि देश की सत्ता में आने के बाद से भाजपा ने कई बार संविधान को बदलने की कोशिश की है, लेकिन कांग्रेस और देश की जनता के विरोध के बीच भाजपा को अपने कदम पीछे खींचने पड़े है ! काले कृषि कानूनों को लेकर भी भाजपा का किसान, मजदूर को खत्म करने का प्रयास सफल नहीं हो सका है ! विपक्ष और किसानों के आंदोलन के चलते भाजपा को बैकफुट पर आना पड़ा और संसद में विधिवत रूप से तीनों कृषि कानूनों को रद्द करने का प्रस्ताव लाने पर विवश होना पड़ा ! कहा कि यह किसानों, मजदूरों और पूरे देश की जनता की जीत हुई है !

प्रदेश सचिव जगदेव सिंह शेखो ने कहा कि काले कृषि कानूनों की तरह ही अब भाजपा को महंगाई, बेरोजगारी पर जनता देश और प्रदेश से विदा करेगी ! कहा कि आम आदमी के खाते से सब्सिडी गायब है और सिलेंडर 900 रुपये के पार है ! डीजल, पेट्रोल, सरसों के तेल की कीमतें भी आम आदमी का दम निकाल रही है ! प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव हाजी नौशाद अहमद ने कहा कि डायन महंगाई ने गरीब, मजदूर ही नहीं मध्यमवर्गीय परिवारों के घरों का चुल्हा ठंडा कर दिया है ! बेरोजगारी ने युवाओं के आइएस, डॉक्टर, इंजीनियर बनने के सपने तोड़ दिए हैं ! बेरोजगारी के बीच युवा वर्ग आज घर चलाने तक की सोच तक सीमित रह गया है ! कहा कि भाजपा न किसान, मजदूर की है और न ही छोटे कारोबारी और युवाओं की ! भाजपा केवल उद्योगपतियों की है ! इसका जवाब अब 2022 में युवा वर्ग, किसान, मजदूर और छोटा कारोबारी भाजपा को देगा ! कहा कि 2022 में प्रदेश से भाजपा विदा होने जा रही है ! इस अवसर पर राजबीर रोड़, बिट्टू शर्मा, पंकज सोनकर, रईस अहमद लवी त्यागी, मनोज जयंत आदि मौजूद रहे !

नन्हेड़ा में बसपा प्रदेश महासचिव ने जानी ग्रामीणों की राय

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की ! बसपा प्रदेश महासचिव एवं झबरेडा विधान सभा प्रभारी आदित्य बृजवाल ने सोमवार को नन्हेडा अनंतपुर गांव में मुकम्मिल ठेकेदार के यहां बैठक कर मुस्लिम समाज एवं गाड़ा बिरादरी के ज़िम्मेदार लोगों से मुलाकात की। इस दौरान आदित्य बृजवाल ने सभी से क्षेत्र के विकास और समस्याओं की जानकारी ली ! बैठक में सभी ने सर्वसम्मती से बहुजन समाज पार्टी का साथ देने का वादा किया। बसपा प्रदेश महासचिव आदित्य बृजवाल ने भी समस्त ग्रामीणों को हर तरह से साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया ! कहा कि 2017 में किन्हीं कारणों से क्षेत्र में गलत विधायक चुनकर आ गए थे, जिस कारण क्षेत्र में भेदभाव की नीति चलती रही, लेकिन 2022 में झबरेडा क्षेत्र के साथ ही प्रदेश में भी परिवर्तन होने जा रहा ! जनता अब भाजपा, कांग्रेस दोनों को ही सबक सिखाने की ठान चुकी है ! कहा कि बसपा सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की नीति पर चलते हुए सभी वर्गों के साथ खड़ी है ! बसपा ही सबको साथ लेकर चल सकती है और सब वर्गों का विकास कर सकती है ! इस अवसर पर आदेश कुमार, अनूप सिंह, अरूण मिर्जा भी मौजूद रहे !

भाजपा को लेकर मुस्लिमों में भ्रम फैला रही कांग्रेस: वहाब

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तराखंड प्रभारी मुफ्ती अब्दुल वहाब कासमी ने कहा कि गैर भाजपाई दलों ने अल्पसंख्यकों के वोट का इस्तेमाल कर छह दशकों तक देश की सत्ता में राज किया, किंतु अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों के लिए कुछ भी नहीं किया। मुफ्ती अब्दुल वहाब कासमी ने नगर निगम सभागार में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए कहा कि छह दशकों तक सभी राजनीतिक दलों ने देश के अल्पसंख्यकों के विकास के लिए कुछ नहीं किया तथा उनका वोट प्राप्त कर देश की सत्ता का सुख भोगा। आज देश का अल्पसंख्याक जागरुक हो चुका है तथा गैर भाजपा दलों को सिरे से नकार चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जो राष्ट्रवाद की विचारधारा को आगे बढ़ा रही है बिना भेदभाव एवं जाति-धर्म से ऊपर उठकर सबका साथ और सबका विकास करने की नीति पर कार्य कर रही है। आज भाजपा देश की ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की एकमात्र ऐसी बड़ी पार्टी बन गई है, जिसके करोड़ों कार्यकर्ता देश सेवा को समर्पित हैं एवं जनता की भलाई के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिनकी विकास की सोच से देश तरक्की की राह में लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक वर्ग अपनी ताकत को पहचानें तथा गैर भाजपाई दलों के बहकावे में ना कर भाजपा को मजबूत करने के लिए सहयोग करें।

अतिथि के रुप में बोलते हुए में मेयर गौरव गोयल ने कहा कि केवल भाजपा ही अल्पसंख्यकों की सच्ची हितैषी है। आज भाजपा के शासन में अल्पसंख्यकों का लगातार विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य दलों ने आज तक अल्पसंख्यकों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया तथा उनके विकास और शिक्षा के बारे में कभी नहीं सोचा, जिस कारण देश का अल्पसंख्यक वर्ग विशेषकर मुस्लिम समाज आज तक की शिक्षा एवं राजनीतिक क्षेत्र में सबसे पीछे है। प्रदेश अध्यक्ष इंतजार हुसैन ने कहा कि भाजपा सभी को साथ लेकर चलती है। केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार सरकार द्वारा अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनका लाभ जनता तक पहुंचे, इसके लिए अल्पसंख्यक मोर्चा कार्यकर्ता कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में सात मोर्चों का गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य अपने-अपने समाज में जाकर पार्टी की नीतियों को पहुंचाना तथा उनका उनके द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। भाजपा कभी भी वर्ग समुदाय के साथ भेदभाव नहीं करती और सबको साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हाजी बहरोज आलम प्रधान ने कहा कि अल्पसंख्यकों को अपने विकास, शिक्षा एवं तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए भाजपा से जुड़ना पड़ेगा। अन्य सभी दलों ने आज तक अल्पसंख्यकों को छला है। जिला महामंत्री राहुल अहमद के संचालन में हुए कार्यक्रम में अतिथिगणों को शाल एवं पुष्प भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अनीश गौड, भाजपा नेता डॉ. रामपाल सिंह, अनीस अहमद, अल्पसंख्यक आयोग सदस्य राव काले खां, इंदर बधान, नरेंद्र जैन शास्त्री, जमील अहमद, अंजुम गौर, राव तैय्यब, अजहर प्रधान, शमशाद अली, हाजी मुस्तकीम अहमद, शफीक अहमद, मोहम्मद इशरत अली, राव शाहबाज, इमरान देशभक्त, इसरार अल्वी मौजूद रहे।

क्रिकेटर मोहम्मद शामी ने चढ़ाई दरगाह में चादर, अमन की दुआएं मांगी

» मदरलैंड संवाददाता

पिरान कलियर। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शम्मी कलियर पहुचे ! जहां उन्होंने दरगाह साबिर पाक में चादर और फूल पेश कर देश में अमनो अमान की दुआ मांगी ! सोमवार को खानपुर विधानसभा में रोड शो करने के बाद मोहम्मद शम्मी अपने परिजनों के साथ पिरान कलियर पहुंचे और दरगाह साबिर पाक में चादर फूल पेश कर देश की खुशहाली और तरक्की की दुआएं मांगी। क्रिकेटर मोहम्मद शमी ने बताया कि उन्हें यहां आकर बड़ा सुकून मिला है और इससे पहले भी वह दरगाह साबिर ए पाक में हाजिरी पेश करने आते रहे हैं और मौका मिलने पर दरगाह में साबीर पाक में हाजिरी पेश करने आए हैं।

उन्होंने कहा कि यहां आकर बड़ा सुकून मिलता है और सच्चे मन से मांगी दुआएं पूरी होती हैं इसलिए जब भी मौका मिलता है वह साबिर पाक की दरगाह पर हाजिरी पेश करने आ जाते है। उन्होंने लोगो से कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को लेकर एहतियात बरतने की सलाह दी और एक दूसरे का सहयोग करने को अपील की। इस दौरान सोनिया शर्मा और उनके परिजन मौजूद रहे।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस 05
नई दिल्ली, मंगलवार, ३० नवम्बर २०२१

संक्षिप्त समाचार

निर्धन बच्चे को दी मुफ्त पाठ्य सामग्री

विनोद कुमार, मदरलैंड संवाददाता, चंडीगढ़। महर्षि दयानन्द पब्लिक स्कूल, दरिया, चंडीगढ़ में निर्धन बच्चे को मुफ्त पाठ्य सामग्री वितरित की गई। यह पाठ्य सामग्री स्कूल प्रबंध समिति द्वारा एनआरआई के हाथों से भेंट की गई। राजा नामक इस बच्चे के माता- पिता कबाड़ बीनने का काम करते हैं। प्रिंसिपल डॉ विनोद कुमार ने बताया कि स्कूल द्वारा प्रतिवर्ष नए सेशन में आर्थिक तौर से कमजोर वर्ग के बच्चों को मुफ्त यूनिफार्म और किताबें व अन्य पाठ्य सामग्री बांटी जाती है।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

मदरलैंड संवाददाता, खेतड़ी। सामाजिक संस्था लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने सोमवार को दिव्यांगों तथा विधवाओं की पेंशन बढ़ाने के लिए उपखंड के बाबू दिनेश कुमार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। ट्रस्ट के तहसील प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि राजस्थान में दिव्यांगों व विधवा महिलाओं की मौजूदा पेंशन 750 रुपए मिल रही है जबकि अन्य पड़ोसी राज्यों में 1800,2000 व 2200 रुपए मिल रही है। दिव्यांगों व विधवा महिलाओं का जीविकोपार्जन के अन्य साधन नहीं होने के कारण इस महंगाई के दौर में घर का खर्चा चलाना बहुत ही कठिन हो रहा है। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगों व विधवा महिलाओं की पेंशन बढ़ाने की मांग 2019 से की जा रही है एक तरफ सरकार दिन हीन की सेवा को प्राथमिकता देने को कह रही है वहीं दूसरी तरफ उनकी उपेक्षा कर रही है ज्ञापन देने वालों में ट्रस्ट प्रभारी सुनील कुमार, उपाध्यक्ष सुनील कुमावत, योग शिक्षक मुकेश कुमार, वार्ड प्रमुख रामेश्वर लाल कुमावत, वार्ड प्रमुख रामकिशन रोहिल्ला, तहसील दिव्यांग अध्यक्ष रेवती प्रसाद सैनी, भूपेंद्र, रामस्वरूप आदि मौजूद रहे।

बसई में फायरिंग कर दहशत फैलाने व लूट करने का आरोपी गिरफ्तार

नरेन्द्र स्वामी, मदरलैंड संवाददाता, खेतड़ी। खेतड़ी पुलिस ने 9 माह पूर्व बसई में फायरिंग कर एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी विनोद सांखला ने बताया कि थाने में 28 फरवरी 2021 को राजकीय अजीत अस्पताल में बसई निवासी परिवादी कमल शर्मा ने पर्चा बयान से मामला दर्ज करवाया कि वह ट्रेक्टर ट्राली से सब्जिया बेचने का धंधा करता है। रात्रि में वह अपने घर के छप्पर में सोया हुआ था। अचानक 15-16 लोग मेरे घर आए तथा गालिया देने लगे तथा बानसूर निवासी रोशन बावरिया ने देशी कट्टे से फायर कर दिया। जिससे मेरे दोनो पैरो में छर्रे लगे। शेष लोगों के हाथों में हथियार थे। मेरी बच्ची की शादी 15 मार्च 21 की है। उसकी शादी के दहेज व सामान के लिए 2 लाख रुपए कमरे में रखे थे वे भी ताला तोड़ कर लूट कर ले गए। इस पर्चा बयान पर थाने में आर्मस् एक्ट, लूट व जानलेवा हमला करने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया। जिला पुलिस अधीक्षक प्रदीप मोहन शर्मा ने जिले में वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं वीरेन्द्र कुमार मीणा व उपअधीक्षक विजय कुमार के निर्देशन में तथा थानाधिकारी विनोद सांखला के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने अनुसंधान करते हुए आरोपी नीमूचाणा (बानसूर) निवासी राजू बावरिया को बापर्दा गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाधिकारी विनोद सांखला, हैड कांस्टेबल ओमप्रकाश, दिनेश कुमार, पंकज कुमार व चौखाराम शामिल थे।

चिड़ावा थानाधिकारी भगवान सहाय मीणा को बेहतरीन सेवाओं के लिए समाज गौरव अवार्ड

मदरलैंड संवाददाता, झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ तहसील में स्थित विख्यात तीर्थराज लोहार्गल में आयोजित मीणा समाज के समारोह में रविवार को चिड़ावा थानाधिकारी भगवान सहाय मीणा को सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूदान बोर्ड के चेयरमैन राज्य मंत्री रामनारायण नागवा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र मीणा, प्रमुख व्यवसाई सलीम चौहान, संयोजक कानसिंह भोजासर, आईआरएस आरसी मीणा, आदिवासी मीणा सेवा संघ के प्रदेश प्रधान सुरेश मीणा किशोरपुरा सहित कई वरिष्ठ जनों ने इंस्पेक्टर भगवान सहाय मीणा को उल्लेखनीय सेवाओं के लिए समाज गौरव अवार्ड से नवाजा है। इंस्पेक्टर सहाय उत्कृष्ट कार्यशैली, सद्व्यवहारी, मनमोहक एवं मजबूत व्यक्तित्व, समाज सेवा की भावना से ओतप्रोत, युवाओं की पसंद, शानदार अभिनय एवं सारगर्भित लेखन शैली के धनी, धरातल से रूबरू, गहरी समझ एवं सकारात्मक सोच रखने वाले बहुमुखी प्रतिभा के धनी है। इससे पूर्व सहाय उदयपुरवाटी, श्रीमाधोपुर, फतेहपुर, पर्यटक पुलिस थाना जयपुर, नाहरगढ़ जैसे नामचीन थानों में थानाधिकारी रह चुके हैं।

असंगठित मजदूरों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कर रहे डेटाबेस तैयार: उपायुक्त कृष्ण कुमार

» मदरलैंड संवाददाता

- ई-श्रम पोर्टल पर 31 दिसंबर तक पलवल के ढ़ाई लाख असंगठित कामगारों का किया जाएगा पंजीकरण
- पंजीकृत मजदूरों का जारी करेंगे ई-श्रम कार्ड, जिससे मिलेगा सरकार की योजनाओं का लाभ
- जागरूकता व पंजीकरण के लिए नियमित रूप से लगा रहे कैंप: दीप्ति मेहरा
- उपायुक्त की अध्यक्षता में ई-श्रम कार्ड निर्माण की समीक्षात्मक बैठक का हुआ आयोजन

पलवल। असंगठित मजदूरों के उत्थान और कल्याण के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर डेटाबेस तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण कार्य पूर्ण करने की तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई है। उपायुक्त कृष्ण कुमार ने यह जानकारी देते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे असंगठित क्षेत्र में आने वाले संबंधित कर्मचारियों का पंजीकरण जरूर करवायें। साथ ही उन्होंने असंगठित कामगारों को भी प्रोत्साहित किया कि वे ई-श्रम पोर्टल पर अपना पंजीकरण अवश्य करवायें।

लघु सचिवालय में सोमवार को ई-श्रम पोर्टल पर असंगठित कामगारों के पंजीकरण कार्य की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त कृष्ण कुमार ने कहा कि असंगठित कामगारों के राष्ट्रीय डेटाबेस के लिए पंजीकरण किया जा रहा है। पलवल जिला में करीब ढ़ाई लाख असंगठित मजदूरों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए बेहतरीन तालमेल और एकजुट प्रयास जरूरी है। सहायक श्रम आयुक्त से मिलकर सभी विभागीय अधिकारियों उनके विभागीय कर्मचारियों का पंजीकरण सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने बताया कि कामगार-श्रमिक-मजदूर-स्व रोजगारियों की विभिन्न श्रेणियों में आने वाले मजदूर ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करवा सकते हैं। इनमें निर्माण श्रमिक, खेतीहर मजदूर, दिहाड़ीदार मजदूर, बढ़ई, प्रवासी मजदूर, मनेरगा वर्कर, ऑटो चालक, आशा वर्कर, आंगनवाड़ी वर्कर व हैल्पर, घरेलू कामगार, दूध बेचने वाले, बिजली मिस्त्री, रेहड़ी-पटरी वाले, रिक्शा चालक, सब्जी विक्रेता, कारीगर, बुनकर, पलंबर व अन्य असंगठित क्षेत्र के मजदूर शामिल हैं।

उपायुक्त कृष्ण कुमार ने कहा कि ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण करवाने वाले असंगठित कामगारों को कई विशेष लाभ मिलेंगे। पंजीकृत कामगारों का ई-श्रम कार्ड पूरे भारत में स्वीकार्य रहेगा, पीएमएसबीवाई के तहत दुर्घटना बीमा कवरेजा मिलेगा, विभिन्न प्रकार के सामाजिक सुरक्षा लाभों का वितरण ई-श्रम के द्वारा किया जायेगा, आपदा या महामारी जैसी कठिन परिस्थितियों में केंद्र व राज्य सरकारों से मदद मिलना आसान होगा तथा दुर्घटना से हुई मृत्यु अथवा स्थाई रूप से दिव्यांग होने पर दो लाख रुपये व आंशिक दिव्यांग होने पर एक लाख रुपये की अनुदान राशि प्राप्त होगी।

उपायुक्त ने जानकारी दी कि पंजीकरण के लिए कुछ शर्तें भी रखी गई हैं, जिसके अंतर्गत कामगार की आयु 16 वे 59 वर्ष के बीच होनी चाहिए, ईपीएफओ तथा ईएसआईसी एवं एनपीएस का सदस्य नहीं होना चाहिए और कामगार आयकरदाता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि ई-श्रम पोर्टल पर स्वयं कामगार भी अपना पंजीकरण कर सकता है। पंजीकरण प्रक्रिया बेहद सरल है, जिसके लिए कामगार नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटरों (सीएससी) एसं अटल सेवा केंद्रों में जाकर निःशुल्क पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड व बैंक अकाउंट पासबुक और मोबाईल नंबर की आवश्यकता रहती है। साथ ही हैल्पलाईन नंबर-14434 पर भी मदद प्राप्त कर सकते हैं।

उपायुक्त कृष्ण कुमार ने सहायक श्रमायुक्त को निर्देश दिए कि वे संबंधित विभागीय अधिकारियों से नियमित रूप से फीडबैक लें। जिला परिषद के सीईओ को निर्देश दिए कि वे इस दिशा में जागरूकता फैलाते हुए मनरेगा के तहत कार्य करने वाले मजदूरों का पंजीकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा ईंट-भट्ठा मजदूरों का पंजीकरण अवश्य किया जाए, जिसके लिए संबंधित एसोसिएशन सहयोग करे। दुकानों पर कार्यरत मजदूरों के पंजीकरण के लिए उन्होंने व्यापारियों व व्यापार मंडल से सहयोग की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि इस दौरान कोविड-19 कोरोना वायरस से बचाव के लिए वैक्सिनेशन अभियान भी साथ-साथ चलाया जा सकता है। कोरोना से संरक्षण के लिए पहली डोज के लक्ष्य प्राप्ति की तिथि भी 31 दिसंबर रखी गई है। जिनको पहली डोज लग चुकी है वे दूसरी डोज अवश्य लगवायें।

इस अवसर पर सहायक श्रम आयुक्त दीप्ति मेहरा ने कहा कि ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण के लिए नियमित रूप से शिविर लगाये जा रहे हैं, जिनके माध्यम से असंगठित कामगारों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से भी विशेष सहयोग की अपील की। साथ ही उन्होंने असंगठित क्षेत्र के मजदूरों से भी अपील की कि वे अपना ई-श्रम कार्ड अवश्य बनवायें, ताकि उन्हें सरकार की जन कल्याकणकारी योजनाओं का पूर्ण लाभ प्राथमिकता के साथ मिले।

इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त उत्तम सिंह, एसडीएम वैशाली सिंह, एसडीएम लक्ष्मीनारायण, सीएमजीजीए अरविंद कुमार, सिविल सर्जन डा. ब्रह्मद्दीप, डीईओ अशोक बघेल, डीडब्ल्यूओ जेपी हुड्डा आदि अधिकारीगण मौजूद थे।

एडवोकेट बिक्रम सिंह सिद्धू के नेतृत्व में टकसाली कांग्रेस परिवार सैकड़ों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

हलका पश्चिम से बड़ी संख्या में लोग भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने को तैयार हैं..अधिवक्ता सिद्धू

लुधियानाः अधिवक्ता बिक्रम सिंह सिद्धू के नेतृत्व में पश्चिम क्षेत्र के किचलू नगर से वासन परिवार अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गया। टकसाली कांग्रेस नेता स्वर्गीय डॉ. अशोक वासन के बेटे निवेश वासन का पंजाब अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी श्री अश्विनी शर्मा ने सिरोपा पहनकर पार्टी में आने का स्वागत किया। इस मौके पर निवेश वासन साथ उनके सैकड़ों समर्थक भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। इस मौके पर पार्टी कार्यकताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा कि पंजाब के लोग पंजाब में विभिन्न स्वार्थी और भटकाव वाली पार्टियों से तंग आ चुके हैं और अब पंजाब में एक स्वच्छ सरकार बनाने की जल्दी में हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में भाजपा की सरकार बनने के बाद पंजाब का चहुंमुखी विकास होगा जो किसी अन्य दल का एजेंडा नहीं है और अश्विनी शर्मा ने कहा कि भाजपा के साथ आने वाले लोगो का पूरा सम्मान सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर बोलते हुए एडवोकेट बिक्रम सिंह सिद्धू सदस्य कार्यकारी समिति भारतीय जनता पार्टी पंजाब प्रदेश ने कहा कि आज हलका पश्चिम लुधियाना में यह पहली शुरूआत है और आने वाले दिनों में हलका पश्चिम लुधियाना से बड़ी और सम्मानित हस्तियां भारतीय जनता पार्टी में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ मजबूत करेंगे। एडवोकेट सिद्धू ने कहा कि पंजाब में लूट, मार-पीट और भ्रष्टाचार की राजनीति खत्म हो रही ह नरेंद्र मोदी के कर कमल से प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी शर्मा के कुशल नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी पंजाब में पूरी तरह से सक्षम सरकार बनाएगी । भाजपा पंजाब के लोगों के विकास और प्रगति के नए इतिहास के साथ पंजाबियों के हर सपने को साकार करेगी। इस अवसर पर बीआरएस नगर जे ब्लॉक से जत्थेदार मनमोहन सिंह मोहानी अध्यक्ष दशमेश सेवा सोसाइटी अपने सहयोगियों के साथ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। उनके साथ बलजीत सिंह रिकी और परमजीत सिंह भी थे। गौतम, काका भाजी, अनु, विक्की, शिबू, रवि, सुजान, मुकेश, उज्जवल, हर्षित, आदित्य, सहित क्लासिक कांग्रेस परिवार के निवेश वासन के साथ जेड ब्लॉक ऋषि नगर और हैबोवाल से बड़ी संख्या में युवाओं ने भाजपा में शामिल होने की घोषणा की। सौरभ, गग्गी, मीता, निक्कू, हैप्पी, नन्नू, आशीष, कुलदीप, फैंसी, शायरी, जग्गा, अखिलेश और घुमार मंडी से अजय, राकेश, रजत भी बीजेपी में शामिल हो गए. पार्टी में शामिल होने वाले इन सभी युवाओं का पार्टी के वरिष्ठ नेता अनिलेश मिश्रा किचलू नागर और लक्की चोपड़ा जिला कार्यालय सचिव ने भी स्वागत किया. जिलाध्यक्ष पुष्पिंदर सिंघल ने भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले युवाओं का स्वागत किया और कहा कि पार्टी में सभी का सम्मान होगा. इस अवसर पर पार्टी महासचिव जीवन गुप्ता, आगर नगर मंडल अध्यक्ष संजीव शेरू, भारत नगर मंडल अध्यक्ष राकेश जग्गी, घुमार मंडी अध्यक्ष संदीप वाधवा, ऋषि नगर मंडल प्रिंस भंडारी, एसबीएस नगर मंडल अध्यक्ष संजीव पुरी और महिला नेता रीता अरोड़ा भी मौजूद थीं. बीबी मनमिंदर कौर भी मौजूद थीं।

जिम्मेदार नागरिक के रूप में कोविड टीकाकरण को मिलकर सफल बनाये: कुलपति राज नेहरू

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में लगभग 100 लोगों ने उठाया कोरोना टीकाकरण का लाभ

» सुरेश गुप्ता, मदरलैंड संवाददाता

कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई के अपने जारी प्रयासों को जारी रखते हुए जे.सी. बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा आज विश्वविद्यालय परिसर में एक विशेष टीकाकरण शिविर का आयोजन किया, जिसमें 18 वर्ष से ऊपर की आयु वर्ग के विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने कोविड-19 टीकाकरण का लाभ उठाया। शिविर के दौरान लगभग 100 लोगों को कोविड वैक्सीन कोविशील्ड का पहला व दूसरा शॉट दिया गया। विश्वविद्यालय द्वारा अब तक कोविड टीकाकरण के पांच शिविरों का आयोजित किया जा चुका है।

इस अवसर पर कुलपति श्री राज नेहरू तथा कुलसचिव डॉ. एस.के. गर्ग ने विद्यार्थियों और कर्मचारियों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित किया। कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र द्वारा चिकित्सा अधिकारी डॉ अंकुर शर्मा की देखरेख में किया गया।

टीकाकरण अभियान के आयोजन पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा कोविड संग्रमण से रोकथाम एवं बचाव के लिए कारगर कदम उठाये जा रहे है, जिनका लाभ विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ आस-पास के लोगों को भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार ने एक केंद्रीकृत मुफ्त टीकाकरण नीति अपनाई है जिसके तहत 18 वर्ष से अधिक उम्र के सभी नागरिकों को मुफ्त कोविड-19 टीका उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण ही कोविड संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में प्रभावी समाधान है। इसलिए, प्रत्येक नागरिक को जिम्मेदारी के साथ टीकाकरण में हिस्सा लेना चाहिए और टीकाकरण अभियान को सफल बनाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे कोविड टीकाकरण के साथ-साथ मास्क लगाने और सामाजिक दूरी बनाए रखने जैसे उपयुक्त व्यवहार का पालन करें।

उदयपुरवाटी नगरपालिका में सुभाष चंद्र पालीवाल ने किया ईओ का पदभार ग्रहण

» कृष्ण स्वामी, मदरलैंड संवाददाता

झुंझुनूं। उदयपुरवाटी कस्बे में नगर पालिका मे पिछले काफी समय से खाली चल रहे ईओ के पद पर सुभाष चंद्र पालीवाल ने नगर पालिका में ईओ का पदभार ग्रहण किया ह्र अपने पदभार ग्रहण के दौरान नवनियुक्त नगर पालिका अधिशासी अधिकारी सुभाष चंद्र पालीवाल ने कहा कि उदयपुरवाटी कस्बे के समस्त वार्डों में चहुंमुखी विकास के लिए सब लोगों को साथ लेकर पूरा करवाया जाएगा आम जनता को किसी तरह की असुविधा नहीं हो इसके लिए नगर पालिका में अधिशासी अधिकारी सभी की समस्याओं को सुनेंगे ह्र उदयपुरवाटी नगरपालिका अध्यक्ष एडवोकेट रामनिवास सैनी नगर पालिका के कर्मचारी एवं पार्षदों की टीम ने नवनियुक्त ईओ का पुष्प हार पहनाकर स्वागत किया ह्रइस दौरान सुभाष चंद्र पालीवाल ने कहा है किसी भी व्यक्ति को अब भटकना नहीं पड़ेगा और उनकी समस्या सुनी जाएगी और समस्या का निराकरण जल्द किया जाएगा।

कोरोना सैम्पलिंग और वैक्सीनेशन बढ़ाने के दिए निर्देश

» सुनील शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

झुंझुनूं। प्रदेश में कोरोना के मरीजों की संख्या में इजाफा होना शुरू हो गया है, जो चिंता का विषय है। इसके लिए हमें अभी से प्रारम्भिक तौर पर तैयारियां पूर्ण करने की आवश्यकता है। जिला कलक्टर उमर दीन खान ने सोमवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक के दौरान चिकित्साविभाग के अधिकारियों से इस संबंध में फिड बैक लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि वे वैक्सीनेशन के कार्य की प्रभावी कार्य योजना बनाकर शहरी क्षेत्रों में लक्ष्य प्राप्ति का कार्य करें। विभाग की टीम को मोटिवेशन देवें और कार्य में पुनः तेजी लाने के दिशा निर्देश जारी करें। जिला कलक्टर ने कहा कि कोरोना का नया वैरियंट ओमिक्रॉन अधिक संकट पैदा करने वाला है। इसके लिए बाजारों से रैंडमली सैम्पल लेने, मास्क पर सख्ती बरतने, सावर्जनिक स्थानों एवं शादी समारोहों में बिना मास्क के प्रवेश नहीं देने के संबंध में टीमें गठित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने आईसीयू बैड़, ऑक्सीजन सप्लाई, घर-घर वैक्सीनेशन मॉनिटरिंग के संबंध में भी चिकित्सा विभाग को दिशा निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने समीक्षा बैठक के दौरान जलदाय, विद्युत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, सावर्जनिक निर्माण विभाग, पशुपालन, कृषि, आरयूआईडीपी, महिला अधिकारिता विभाग के अधिकारियों से विभागीय समीक्षा की। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर जगदीश प्रसाद गौड़ सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सरकार की योजनाओं के तहत निजी बैंक भी करे लोन: जिला कलक्टर

» मदरलैंड संवाददाता

झुंझुनूं। जिले की त्रैमासिक डीसीसी एवं डीएलआरसी बैठक का आयोजन जिला कलक्टर उमरदीन खान की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। जिला कलक्टर ने निजी बैंकों को निर्देश दिए कि वे सरकार की जितनी भी योजनाएं हैं, जिनमे लोन दिया जाता हैं उन पेंडिंग प्रकरणों का जल्द से जल्द निस्तारण करके, लोगों को राहत प्रदान करें, ताकि सरकार की योजना से पात्र व्यक्ति को लाभान्वित किया जा सके और बैंक का टारगेट पूरा हो सके। जिला कलेक्टर ने बैठक में इंदिरा गांधी करेडिड कार्ड योजना, इंदिरा महिला शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना, पशुपालन की केसीसी, आजीविका, स्ट्रीट वेंडर्स के ऋण योजनाओं के तहत लोन में कोताही नहीं बरतने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने स्वीकृति होने के बाद भी आवेदक को लोन की राशि का भुगतान नही होने के प्रकरणों को गंभीरता से लिया और प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिए। भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक महाप्रबंधक रतन सिंह यादव ने निर्देश दिए कि जो बैंक बेवजह उपभोक्ताओं के लोन के प्रकरणों को पेडिंग रख रही है उन पर कार्रवाई की जाए। अग्रणी जिला प्रबन्धक रतन लाल वर्मा ने जिले के बैंकिंग व्यवसाय की प्रगति रिपोर्ट से अवगत करवाया। बैठक के दौरान जिला कलक्टर ने बैंक के आउटरीच कार्यक्रम में शामिल होने वाले बैंकों एवं विभागीय अधिकारियों को प्रतीक चिन्ह भेट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डी.आर.एम. आर.एस.नैन, आर.एम. योगेश कुमार शर्मा, आरएम धर्म सिंह मीणा, पवन कडवासरा, महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक विप्लव न्यौला, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक मो. अशफाक खान, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक रामेश्वर लाल, संजय कुमार सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बी आर एस नगर में ग्रीन बेल्ट एरिया को लेकर हुआ हंगामा

» हरप्रीत सिंह, मदरलैंड संवाददाता

लुधियानाः बी आर एस नगर जी ब्लॉक में लग रही टहल को लेकर उस समय हंगामा हुआ जब इलाका निवासी हरप्रीत सिंह ने आरोप लगाया कि यह ग्रीन बेल्ट एरिया है नगर निगम द्वारा यहां से घास को हटा कर टहल लगाई जा रही है जबकि पर्यावरण को लेकर सरकार दिन प्रतिदिन पेड़ पौधे लगा रही है वहीं दूसरी ओर लगे हुए पेड़ पौधों पर टहल लगाने की मुहिम चला रही है ठेकेदार द्वारा मिट्टी उठाकर ले जा रहे थे कि हरप्रीत सिंह ने जे सी बी मशीन को रोक दिया और पुलिस को बुला लिया हरप्रीत ने आरोप लगाया कि पार्षद हरियाली को खत्म करने में लगा हुआ है नगर निगम के जे ई और ठेकेदार के साथ काफी देर तक तू तू मैं मैं का दौर चलता रहा बाद में ठेकेदार ने अपना काम रोक दिया और वापिस चले गए जे ई से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा कि एक करोड़ रुपए का वार्ड नं 73 में टहल का टेंडर पास हुआ है इलाका निवासियों के कहने पर ही काम शुरू किया था मगर अभी कुछ समय तक रोक दिया गया है दोनो घरों की मीटिंग के बाद फैसला लिया जाएगा जब इलाका पार्षद कपूर से बात की गई तो उन्होंने कहा कि दो घरों को ऐतराज है बाकी सभी से बात करके जल्द इसका हल किया जाएगा

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

कहो तो कह दूँ= 'टमाटर प्यारे' तुम से तो ऐसी 'बेवफाई' की उम्मीद नहीं की थी

चैतन्य भट्ट

टमाटर प्यारे, अचानक से तुम्हें क्या हो गया जो तुम पेट्रोल और डीजल की राह पर चल पड़े। कभी सोचा भी नहीं था कि तुम इस गरीब जनता से इतने खफा हो जाओगे और उसकी थाली से ऐसे गायब हो जाओगे जैसे 'गधे के सर से सींग' लोगों की रसोइयां चीख चीख कर तुम्हें बुला रही हैं एक स्वर में गाना गा रहीं हैं 'आ लौट के आजा मेरे मीत तुझे तेरी रसोईयां बुलाती हैं'। कितनी मोहब्बत थी तुमसे और तुमने भी कम प्रेम नहीं दिखाया था जनता से, खुद कट जाते थे लेकिन सलाद की प्लेट में सज जाते थे, चाकू से तुम्हारे टुकड़े टुकड़े कर दिए जाते थे लेकिन तुम उफ भी नहीं करते थे तुम्हें 'सिल बट्टा' में पीस पीस कर तुम्हारी चटनी बना दी जाती थी लेकिन तुम्हारे चेहरे पर शिकन तक नहीं आती थी तुम्हारी सहलशीलता का कोई मुकाबला नहीं था, तुम्हारा जूस निकाल कर 'सूखा रोग' से पीड़ित बच्चों को पिला दिया जाता था तुम खुद तो शहीद हो जाते थे लेकिन उन बीमार बच्चों को रोग मुक्त कर देते थे। तुम्हारा पूरा रस निकाल कर 'सॉस' भी बना लिया जाता था और तुम हँसते हँसते अपनी जान दे देते थे। लोग बाग तुम्हारे गुणों को बताते नहीं थकते, कहते हैं तुम तो गुणों की खान हो, किसी भी सब्जी में तुम ऐसे घुल मिल जाते हो जैसे 'दूध में पानी'। तुम जिस भी सब्जी में मिल जाते हो उसका स्वाद ही अद्भुत हो जाता है। महिलायें तुम्हे अपने चेहर पर रगड़कर अपना रंग गोरा और स्किन को चिकना और दाग रहित बनाने के उपयोग में भी लाती हैं। तुम्हारे बारे में ये भी सुना है कि तुम 'डायबिटीज' और 'गठिया रोग' को भी दूर करने की ताकत रहते हो, अब तो ये भी सुना है कि हाल ही में जो रिसर्च हुई है उसमें ये कहा गया है कि जो व्यक्ति हफ्ते में दस बार टमाटर खाता है उसको 'कैंसर' का खतरा पैंतालीस फीसदी कम हो जाता है, तुम 'प्रोस्टेंड कैंसर' को भी खत्म करने की ताकत अपने भीतर समेटे हुए हो, बड़ी बूढ़ी दादियां तुम्हारे रस में 'काली मिर्च' मिलाकर बच्चों को देती थी और उनके पेट के कीड़े बिलबिलाकर बाहर आ जाते थे। तुम्हारी तारीफ में और कितने कसीदे कढ़ें, तुम तो सचमुच गुणों का भंडार हो, लेकिन पता नहीं क्या हो गया कि तुम ऐसी बेवफाई पर उतर आये, पेट्रोल डीजल के बारे में तो सरकार ने साफ कह दिया था कि हम कुछ नहीं कर सकते इसके दाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तय होते है लेकिन तुम तो खलिस देसी हो तम्हें अंतरराष्ट्रीय दामों से क्या लेना देना तुम तो भारत की धरती पर पलते पुसते आये हो फिर अपने देश के आम लोगों से इतनी नाराजगी क्यों? कुछ तो सोचो कुछ तो समझो। तुम्हारे न रहने से लोगों के 'कोलोस्ट्रोल' का स्तर बढ़ता जा रहा है उसके चलते हार्ट में ब्लॉकेज भी हो सकता है क्योकि तुम कोलोस्ट्रोल को भी कम करते हो ऐसा डाक्टर लोग कहते हैं। जब से तुम्हारे रेट आसमान पर पंहुचें हैं 'आशिक' भी अब अपने 'महबूबा' के गालों की तुलना तुमसे करने में डरने लगे हैं कि कहीं वो दो किलो टमाटर लाने के लिए न कह दे, आशिक महबूबा के लिए आसमान के तारे तोड़ कर ला सकता है लेकिन दो सौ रुपए में दो किलो टमाटर लाना उसके बूते के बाहर की बात है। माना कि बहुत अत्याचार करते हैं लोग बाग तुम्हारे साथ लेकिन तुम तो 'नेकी कर दरिया में डाल' के सिद्धांत पर जीते आये हो तो फिर अब इस नाराजगी का तो सबब ही समझ से बाहर है, मान जाओ टमाटर प्यारे तुम्हारे बिना न समोसा, न आलू बंडा, न पकोड़ा, खाने में मजा आ रहा है और न ही अकेले प्याज और ककड़ी वाले सलाद को खाने में आनंद आ रहा है, जब तक उस प्लेट में तुम न दिखाई दो मन में अजीब सी अकुलाहट बनी रहती है इसलिए अब नाराजी दूर करो और दस बीस किलो बिकने लगो उसी में हम सबका और तुम्हारा फायदा है समझ गए 'टमाटर लाल'

दार्शनिक मामाजी

आजकल अपने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्रीशिवराजसिंह यानी'जगतमामा' बड़े फॉर्म में हैं चौतरफा उनकी निगाहें हैं और जब से हाल ही में उप चुनावों में उनकी पार्टी ने जीत हासिल की है तब से तो उनका जलवा देखते ही बन रहा है, अब तो मामाजी 'दार्शनिक' भी हो गए है हाल ही में कार्य समिति की भोपाल में हुई बैठक में उन्होंने नेताओं और कार्यकताओं को जीवन का दर्शन समझते हुए कहा की 'किस्मत पर भरोसा रखो, जितना मिलना है उसे कोई छीन नहीं सकता और जो नहीं मिलना है वो कोई दिला नहीं सकता'। ऐसा ज्ञान कृष्ण ने अर्जुन को महाभारत युद्ध के दौरान दिया था कि 'हे पार्थ कर्म करते चलो फल की चिंता मत करो', लेकिन अब जमाना बदल गया है हर कार्यकर्त्ता सोचता है कि वो विधायक बन जाये, विधायक चाहता है कि मंत्री बन जाए, मंत्री की चाहत मुख्यमंत्री बनने की होती है और मुख्यमंत्री चाहता है कि प्रधान मंत्री की कुर्सी उसके नसीब में आ जाये। जब ऐसी आपा धापी चल रही हो तो कौन मामाजी के दर्शन को आत्मसात करेगा। दूसरी बात मामाजी हर कोई आपकी जैसी किस्मत लेकर तो आया नहीं है जो पिछले पन्द्र सत्रह सालों से राजयोग का भोग कर रहे हो, हर कोई चाहता है कि उसका मुकद्दर भी आपके जैसा ही हो जाए लेकिन ऐसा मुमकिन तो है नहीं, बीच में जरूर आपकी कुर्सी डगमगाने लगी थी लेकिन जब किस्मत साथ हो तो किसी के हिलाने डुलाने से कोई फर्क नहीं पड़ता सो उप चुनाव जीतने के बाद आपकी कुर्सी और मजबूती से गड गयी ये दर्शन की बाते तो आप जैसे सफल और 'मुकद्दर के सिकंदर' नेता को ही सूझती है जो बिचारे विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री बनने के इन्तजार में खड़े हैं ये दर्शन उनके सर के ऊपर से निकल जाता है मामाजी।

सुपर हिट ऑफ द वीक

'सुनो जी जरा आलमारी के ऊपर रखा मेरा बैग निकाल दीजिये मेरा हाथ छोटा पड़ रहा हैं' श्रीमती जी ने श्रीमान जी से कहा

'जरा जुबान भी ट्राई कर लो वो तो बहुत लम्बी है' श्रीमान जी का उत्तर था।

संपादकीय

कोरोना की चुनौती

पिछले दो सालों में कोरोना लाखों जानें ले चुका है। कई देशों को यह संक्रमण इतनी बुरी तरह तोड़ चुका है कि उनकी अर्थव्यवस्था चार से पांच साल पीछे खिसक गई है। इस बीच एक बार फिर से कोरोना के नए वैरिएंट ने दुनिया में दस्तक दे दी है, यह नया बी.1.1.529 वैरिएंट दक्षिण अफ्रीका और बोत्सवाना में मिला है। वैज्ञानिकों का कहना है कि म्यूटेशन के मामले में इस नए वैरिएंट ने अब तक के सामने आए सभी वैरिएंट को पीछे छोड़ दिया है। यह नया संक्रमण डेल्टा से भी ज्यादा खतरनाक है और उससे कहीं ज्यादा संक्रामक है। कोरोना संक्रमण के काबू में होने के बाद धीरे-धीरे सभी देशों ने अपने-अपने दरवाजे अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए खोलने शुरू किए थे। इस बीच नए वैरिएंट ने एक बार फिर से दुनिया को डरा दिया है। दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और बोत्सवाना में सामने आए नए वैरिएंट के बाद ब्रिटेन ने छह दक्षिण एशियाई देशों की यात्रा को अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया है। कोरोना के इस नए वैरिएंट के संक्रमण का अंदाजा सिर्फ इस बार से लगाया जा सकता है कि भारत ने भी इसको लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। भारत सरकार की ओर से सभी राज्यों को निर्देश जारी किए गए हैं कि दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और बोत्सवाना से आने वाले सभी यात्रियों की कड़ी जांच व परीक्षण किया जाए। कोरोना महामारी से निजात को लेकर अभी भी बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं क्योंकि खतरे का स्तर अभी भी कम नहीं हुआ है। वैश्विक स्तर पर सबसे चिंताजनक स्थिति यूरोपीय देशों की है। गौरतलब है कि यूरोप के कई देश महामारी की पहली लहर के समय से ही काफी चुस्ती और एहतियात से काम लेते रहे हैं। इसके लिए उनकी हर तरफ प्रशंसा भी हुई। हालांकि जर्मनी और रूस सहित कई देशों में बाद के दिनों में यह चुस्ती ढीली भी पड़ी। इस बीच, कोरोना विषाणु के नए स्वरूप आते जाने से भी चिंता बढ़ी है। यूरोप में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रसार पर डब्ल्यूएचओ भी चिंता जता चुका है। ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि टीकों की पर्याप्त आपूर्ति के बावजूद यूरोप महामारी का केंद्र बना हुआ है। बहुत सारे टीके उपलब्ध हो सकते हैं, लेकिन वहां टीकों का उपयोग समान नहीं रहा है। इसलिए कोरोना मामलों की संख्या फिर से करीब-करीब रेकार्ड स्तर तक बढने लगी है। करीब 53 देशों में कोरोना संक्रमण की वजह से अस्पताल में भर्ती होने की दर अगर एक हफ्ते की तुलना में दोगुनी से अधिक हुई है तो आशंका यही है कि यह महामारी की नई लहर का संकेत है। यदि ऐसा ही चला तो इस क्षेत्र में अगले साल फरवरी तक पांच लाख लोगों को इस महामारी के कारण जान गंवानी पड़ सकती है। यूरोपीय देशों की स्थिति भारत जैसे देशों के लिए भी सबक है जहां एक तरफ बड़ी आबादी है, वहीं दूसरी तरफ स्वास्थ्य सुविधाओं का आनुपातिक आभाव है। टीकाकरण और जरूरी एहितियात के जरिए ही इस महामारी को कारगर तरीके से रोका जा सकता है। यह समझ यूरोप सहित दुनिया के लिए तो जरूरी है ही, विश्व समाज को भी समझ की इस दरकार पर पक्के तौर पर खरा उतरना होगा। भारत में महामारी को लेकर हाल-फिलहाल आए आंकड़े थोड़ी राहत वाले कहे जा सकते हैं। पहला तो यही कि देश में रोजाना संक्रमण के मामले घट कर अब 10 हजार से भी नीचे आ गए हैं।

ब्रह्माकुमारी विमला दीदी जिनका था ईश्वर से सीधा नाता !

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

ईश्वर की मदद, साथ और उसे अपना बना लेना ही जीवन सफल करना है। जितना हो ,उतना साइलेंस का अभ्यास बढ़ाओ, क्योंकि साइलेंस की पावर सबसे बड़ी पॉवर होती है।ऐसी सबकी स्नेही, तपस्वी, शिव बाबा के सानीदय में ब्रह्माबाबा के कमल हस्तो से पली, रुड़की सेवाकेन्द्र की संचालिका बीके विमला दीदी ने गत 23 नवम्बर को दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर अपना पुराना शरीर त्यागकर ईश्वरीय गोद ली है ` उनका अन्तिम संस्कार 24 नवम्बर को उनकी देह को भव्य रथ में सजाकर रुड़की शहर की परिक्रमा के बाद, मालवीय चौक रुड़की मे ईश्वरीय विधि विधान के साथ किया गया`देहरादून सेवा केंद्र प्रभारी बीके मंजू दीदी ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनकी शारीरिक आयु 84 वर्ष की थी `उन्होंने लगभग 60 वर्षों से अधिक समय तक ईश्वरीय सेवा की। विमला दीदी ने देहरादून, नाहन, डाकपत्थर, ऋषिकेश, हरिद्वार,अम्बाला, पटियाला, बरेली, लखनऊ आदि अनेक सेवाकेन्द्रों पर अपनी सेवाए दीं वे लगभग 40 वर्षों से रुड़की सेवाकेन्द्र पर वे अपनी सेवाए दे रही थी

एक दशक से भी कम समय हुआ है मुझे ईश्वरीय ज्ञान से जुड़े हुए।जब तक मेरे लौकिक माता पिता रहे तब तक मुझे ब्रह्माकुमारीज संस्था के बारे में कोई जानकारी नही थी।लेकिन जब मेरी लौकिक मां प्रकाशवती ने सन 2012 में 13 फरवरी को इस दुनिया से विदाई ली तो मां के प्रति बेहद के लगाव ने मुझे बीमार बना दिया था।बहुत से डॉक्टरों को दिखाया लेकिन कोई ज्यादा लाभ नही हुआ ,उल्टे कुछ डॉक्टर गम्भीर बीमारी की आशंका दर्शाकर डराने भी लगे थे।इसी बीच ब्रह्माकुमारीज के रुड़की सेवा केंद्र पर बीके तारा दीदी के माध्यम से मेरा जुड़ाव व परिचय प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से हुआ।हालांकि संस्था सबसे पहले जो भी संस्था से जुड़ता है ,उन्हें सात दिन का राजयोग पाठ्यक्रम कराती है,लेकिन मुझे बिना पाठ्यक्रम व संस्था की समुचित जानकारी दिए बिना ही केंद्र इंचार्ज बीके विमला दीदी ने माउंट आबू में हो रहे नेशनल मीडिया कांफ्रेंस में भेज दिया।मेरे साथ मेरी युगल सुनीता जिन्होंने राजयोग का सात दिवसीय पाठ्यक्रम पूरा कर लिया था,भी गई।वही मेरे पत्रकार साथी एसएस सैनी व उनकी युगल सुनीता सैनी जो अब इस दुनिया मे नही है ,भी साथ मे गए थे,लेकिन मैं उक्त पाठ्यक्रम से अनजान ही रहा।वही उन्होंने हमारे साथ कोई गाईड भी नही भेजा।जब हम मीडिया कांफ्रेंस में सफलता पूर्वक भाग लेकर लौटे तो हमने अपना अनुभव मुरली क्लास ,जो ब्रह्माकुमारीज की नियमित ईश्वरीय पढाई है,में सुनाया।अनुभव सुनकर विमला दीदी बहुत खुश हुई और हमसे बोली, अब आप परमात्मा शिव बाबा के बच्चे बन गए हो ,बाबा ने आपका हाथ पकड़ लिया है,इस हाथ को कभी मत छुड़ाना।तब से ही मैं मुरली क्लास में जाने लगा।कभी कभी विमला दीदी स्वयं भी मुरली सुनाती थी,लेकिन ज्यादातर क्लास में सबसे पीछे बैठकर कौन आया है,कौन नही आया,नही आया तो क्यो नही आया ?यह सब ध्यान रखती थी।कोई भाई या बहन तीन चार दिन क्लास में न आए तो उन्हें फोन कराकर क्लास में न आने का कारण पता करवाती थी।विमला दीदी हर भाई बहन के दुःख सुख की ऐसी साथी थी कि सब उनके सामने अपने मन की बात कह देते थे।विमला दीदी सबको एक बड़ी बहन और एक मां की तरह पालना देती थी।कभी क्लास में और कभी कभी मुझे व्यक्तिगत रूप में भी शिव बाबा व ब्रह्माबाबा से जुड़े अपने अनुभव सुनाती थी।विमला दीदी जब मुझे गोपाल भाई कहकर पुकारती तो लगता था मेरी दूसरी रूहानी मां मुझसे बतिया रही है।वह ईश्वरीय सेवा में कैसे समर्पित हुई यह किस्सा उन्होंने कई बार सुनाया।वे बताया करती कि वे पहली बार जब माउंट आबू व्यक्त ब्रह्माबाबा के सामने गई तो उन्हें आबू रोड से बैलगाड़ी में बैठकर माउंट आबू जाना पड़ा था।

कई भाई बहन तो उस समय पैदल ही आबू रोड़ से माउंट आबू आते जाते थे।26 किमी के इस पहाड़ी व बहुत ऊंचाई के रास्ते मे आने जाने के साधन कम ही थे और पांडव भवन यानि ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय भी ज्यादा बड़ा नही था।ब्रह्माबाबा सभी भाई बहनों का भरपूर खयाल रखते थे।वे सबसे बाद में सोते थे और सबसे पहले उठ जाते थे।विमला दीदी को बाबा जब बच्ची कहकर बुलाते तो वे खुशी के मारे झूम उठती। ब्रह्माकुमारी विमला दीदी का जीवन राजयोग की जीती-जागती मिसाल रहा। उन्होंने राजयोग के अभ्यास से खुद को इतना परिपक्व, शक्तिशाली, महान और आदर्शवान बना लिया था कि उनका एक-एक वाक्य महावाक्य हो जाता था।उन्होंने योग से मन इतना संयमित, पवित्र, शुद्ध और सकारात्मक बना लिया था कि वह जिस समय चाहें, जिस विचार या संकल्प पर और जितनी देर चाहें, स्थिर रह सकती थी।विमला दीदी बताती थी कि राजयोगी वही है जिसके बोल सदा मीठे रहे, जिसे परमात्मा से प्यार हो और जीवन में जिनके दिव्य गुण हों। वे भगवान को साथी बनाने की प्रेरणा देती थी। उनका मानना था कि अपने आपको ईश्वरीय सेवा के प्रति समर्पित कर दो सब समस्याएं स्वतः खत्म हो जाएंगी।वे कहती थी कि कुछ भी हो जाए इंसान को अपनी सच्चाई नहीं छोड़ना चाहिए। उनका कहना था कि ईश्वर की मदद, साथ और उसे अपना बना लेना ही जीवन सफल करना है। जितना हो ,उतना साइलेंस का अभ्यास बढ़ाओ, क्योंकि साइलेंस की पावर सबसे बड़ी पॉवर होती है।ऐसी सबकी स्नेही, तपस्वी, शिव बाबा के सानीदय में ब्रह्माबाबा के कमल हस्तो से पली, रुड़की सेवाकेन्द्र की संचालिका बीके विमला दीदी ने गत 23 नवम्बर को दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर अपना पुराना शरीर त्यागकर ईश्वरीय गोद ली है ` उनका अन्तिम संस्कार 24 नवम्बर को उनकी देह को भव्य रथ में सजाकर रुड़की शहर की परिक्रमा के बाद, मालवीय चौक रुड़की मे ईश्वरीय विधि विधान के साथ किया गया`देहरादून सेवा केंद्र प्रभारी बीके मंजू दीदी ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनकी शारीरिक आयु 84 वर्ष की थी `उन्होंने लगभग 60 वर्षों से अधिक समय तक ईश्वरीय सेवा की। विमला दीदी ने देहरादून, नाहन, डाकपत्थर, ऋषिकेश, हरिद्वार,अम्बाला, पटियाला, बरेली, लखनऊ आदि अनेक सेवाकेन्द्रों पर अपनी सेवाए दीं वे लगभग 40 वर्षों से रुड़की सेवाकेन्द्र पर वे अपनी सेवाए दे रही थीं` उन्होंने अपनी बीमारी पर हर बार विजय पाई ,यहां तक की कोरोना को भी हराया।लेकिन अंततः जहां सबको जाना ही है वहां के लिए उनका बुलावा भी आ गया और वे बिना किसी कष्ट के सहज रूप से देह त्याग कर परमधाम के लिए प्रस्थान कर गई।राजयोग की वरिष्ठ शिक्षिका बीके विमला दीदी का जीवन सदैव रूहानियत में रहा, वे देह अभिमान से सदा दूर रही और सबको चरित्र निर्माण की सीख देती रही।ऐसी हम सबकी प्यारी विमला दीदी को शत शत नमन।

पौधों में जीवन सिद्ध करने वाले महान वैज्ञानिक थे जगदीशचंद्र बसु

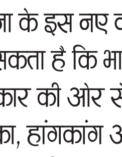

विवेक कुमार पाठक

पेड़ पौधों में भी जान होती है इस तथ्य को अपने वैज्ञानिक प्रयोगों द्वारा सिद्ध करने वाले जगदीश चंद्र बसु भारत के महान वैज्ञानिक थे। परतंत्र भारत में जन्म लेने वाले श्री बसु ने कम संसाधनों के बाबजूद विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम किए और भारत का नाम अंतर्राष्ट्रीय जगत में सम्मान के साथ स्थापित कराया। उनकी द्वारा स्थापित की गई वैज्ञानिक अवधारणाएं एवं वैज्ञानिक आविष्कार उनकी व्यापक प्रतिभा के चिन्ह मात्र हैं।30 नवंबर को उनकी जयंती उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को नमन करने का पावन दिवस है।

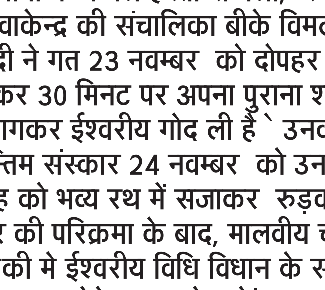

भारत के संबंध में यह आम धारणा काफी प्रचलित है कि भारत का इतिहास, कला , संस्कृति में बंगाल का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है। यहां से रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, ईश्वरचंद्र विद्यासागर, , बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जैसे लेकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे अमर बलिदानी निकले हैं। जगदीशचंद्र बसु जी का जन्म उसी विद्वानों की पावन भूमि बंगाल प्रांत में मुशीगंज जिले के विक्रमपुर गांव में हुआ था। यह गांव स्वाधीनता के बाद पहले पूर्वी पाकिस्तान और अब बांग्लादेश का हिस्सा है। बसु जी के परिवार का अपनी भाषा के प्रति अगाध लगाव था इसलिए परतंत्र भारत में बसुजी की प्रारंभिक शिक्षा एक बंगाली विद्यालय में ही. हुई,

उनके पिता का नाम भगवान चंद्र बसु और मां का नाम बामासुंदरी था। वे बचपन से ही प्रतिभावान थे। आगे चलकर उनका दाखिला कलकत्ता के जेवियर कॉलेज में हुआ। उन्होंने लंदन में भी पढ़ाई की। वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में उच्च अध्ययन के लिए भी गए जहां उनके वैज्ञानिक मानस का चौतरफा विकास हुआ। यहां उन्हें दुनिया भर में विज्ञान के क्षेत्र में हो रही नयी खोजों के बारे में जानकारी मिली वहीं उनके स्वयं के दृष्टिकोण का विकास हुआ और उसे कई आयाम मिले। दुनिया के कई महान वैज्ञानिकों से इस दौरान उन्हें मेलजोल का अवसर मिला। महान वैज्ञानिक उनकी वैज्ञानिक प्रतिभा एवं ज्ञान से प्रभावित हुए जिसके बाद बसुजी का दुनिया के महान वैज्ञानिकों से आगे सतत संपर्क रहा। सन 1885 में जगदीशचंद्रजी भारत आए। उन्हें कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में भौतिकी के प्रोफेसर के रुप में नियुक्ति मिली।

वे एक वैज्ञानिक होने के साथ नागरिक अधिकारों एवं समानता की बात रखने में पीछे नहीं रहते थे। उन्हें जब कोलकाता में नियुक्ति दी गई तो उन्हें निर्धारित वेतन से आधा ही तय किया गया जिसका उन्होंने अपने कार्यकाल में कड़ा विरोध किया। वे यूरोपीय और भारतीय प्रोफेसरों के बीच इस तरह के भेदभाव के विरोधी थे। उन्होंने अपने विरोध स्वरुप बिना वेतन के काम किया जिसका व्यापक प्रभाव पढ़ा। अंत में हार मानकर ब्रिटिश प्रशासन को उन्हें तीन साला का वेतन एक साथ देने को तैयार होना पड़ा। कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज में उन्होंने समानता की बात को विभिन्न मंचों पर उठाया जिससे भेदभाव के वातावरण में पूर्व की तुलना में कमी आती गयी।

नागरिक अधिकारों की बात करते हुए, छात्रों के बीच अध्यापन करते हुए बसु साहब ने विज्ञान के क्षेत्र में निरंतर आविष्कार किए। उन्होंने रेडियो और माइक्रोवेव ऑप्टिक्स नाम के वैज्ञानिक यंत्र का आविष्कार किया। उन्होंने विद्युत चुम्बकीय तरंगों के संबंध में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक तथ्य स्थापित किए।

वे भौतिकी के प्रोफेसर थे मगर उनको जीवविज्ञान एवं वनस्पति विज्ञान सहित विज्ञान की अन्य धाराओं के प्रति भी बहुत आकर्षण था। उन्होंने पौधों में जीवन के संबंध में तथ्य स्थापित करते हुए महत्वपूर्ण शोध किया। उन्होंने पेड़ पौधों की वृद्धि के मापन के लिए क्रेस्कोग्राफ नामक यंत्र का आविष्कार किया। इस विचार के आधार पर उन्होंने पादप कोशिकाओं पर इलेक्ट्रिकल सिग्नल के प्रभाव पर शोध किया जिससे साबित हुआ कि पेड़ पौधों में भी हम इंसानों की तरह जान होती है। वे भी हमारी तरह सांस लेते हैं बस अंतर सिर्फ इतना रहता है कि पेड़ पौधे मनुष्यों से उलट कार्बनडाइ ऑक्साइड ग्रहण करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते है,

बसु जी के इन महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रयोगों एवं आविष्कारों के लिए उन्हें कई पुरस्कार और उपाधियों से विभूषित किया गया। अंग्रेजी सरकार ने पहले जहां उनकी उपेक्षा की वहीं बाद में उनके ज्ञान एवं वैज्ञानिक प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें नाइट सहित कई उपाधियों से सम्मानित किया। निसंदेह वे मानवीय संवेदनाओं से भरे भारत के महान वैज्ञानिक थे जिनकी वैज्ञानिक अवधारणाएं एवं आविष्कार आज के विज्ञान की धरोहर हैं। उनकी जयंती पर उनके महान वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं भारत का मान बढ़ाने के लिए उन्हें बारंबार नमन वंदन। निसंदेह वे हमेशा भारत के गौरव रहेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

बरियारपुर पश्चिमी गांव से तीन पियक्कड़ गिरफ्तार, गया जेल

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। खोदावन्दपुर पुलिस रविवार की रात गुप्त सूचना के आधार पर बरियारपुर पश्चिमी गांव में छापामारी कर तीन पियक्कड़ को गिरफ्तार कर लिया.गिरफ्तार पियक्कड़ बरियारपुर पश्चिमी गांव निवासी जनार्दन चौधरी के पुत्र नवीन कुमार चौधरी, जयकांत पासवान के पुत्र बबलू कुमार एवं राम प्रकाश महतो के पुत्र प्रमोद कुमार के रुप में की गयी.जिसे पुलिस ने उत्पाद अधिनियम के तहत मामला थाना कांड संख्या- 260/2021 दर्ज कर सोमवार को तीनों पियक्कड़ को न्यायिक अभिरक्षा में बेगूसराय भेज दिया.इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष सुदीन राम ने कहा कि गुप्त सूचना मिली कि बरियारपुर पश्चिमी गांव में देशी शराब का अवैध धंधा किया जाता है.उक्त सूचना के आधार पर छापामारी की गयी, परंतु कुछ भी सामग्री बरामद नहीं हो सका. लेकिन नशे की हालत में तीन पियक्कड़ को गिरफ्तार कर लिया है. तथा तीनों को मेडिकल एवं कोरोना जांच कर जेल भेज दिया गया है।

नौतन प्रखंड में कड़ी चौकसी के बीच संपन्न हुआ मतदान

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। नौतन नौवें चरण के मतदान प्रखंड के 19 पंचायतों में पंचायत चुनाव का मतदान सुबह 7:00 बजे से शुरू हो गया प्रखंड के 260 बूथों पर कड़ी चौकसी के बीच चुनाव की प्रक्रिया शुरू की गई साथ ही पेट्रोलिंग कर कड़ी निगरानी प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा रखी जा रही थी बड़ी संख्या में वोटरों नेबुथो पर पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया जिस में महिलाओं की भागीदारी बढ़ चढ़कर देखी गई जिला परिषद सदस्य मुखिया पंचायत समिति सदस्य वार्ड सदस्य सरपंच एवं पंच के 2086 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम एवं बक्से में बंद हो गया जबकि एक सौ प्रत्याशी निर्विरोध चुने जा चुके हैं इन सभी बूथों पर कड़ी सुरक्षा के बीच निर्धारित अवधि के अंतर्गत मतदान कर्मियों द्वारा मतदान कराया गया इस संबंध में निर्वाचित पदाधिकारी सह वीडियो निभा कुमारी ने बताया किइसके लिए सेक्टर मजिस्ट्रेट दंडाधिकारी की गई पूरे प्रखंड में शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव की प्रक्रिया कराई गई।

खोदावंदपुर में डीएपी का हाहाकार, ऊंचे कीमत पर बिक रहा मिक्सचर खाद

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। संपूर्ण खोदावंदपुर प्रखंड क्षेत्र में डीएपी और पोटाश बाजार से लगातार गायब है.मिक्सचर खाद अर्थात फास्फेटिक उर्वरक, जिसके गुणवत्ता की कोई गारंटी नहीं है.किसानों को बेच रहे हैं.मजबूर किसान इस खाद को खरीदकर गेंहू, मकई समेत अन्य फसलों की बुआई कर रहे हैं.पदाधिकारियों का आश्वसन कोड़ा कागज साबित हो रहा है.रविवार को खोदावंदपुर बाजार स्थित खाद दुकान पर खाद खरीद रहे मटिहानी गांव निवासी संजीव कुमार ने बताया की गेहूं की बुआई करना है, डीएपी खाद खरीदना था. लेकिन दुकानदार ने कहा डीएपी नहीं है, एनपीके है.यह एनपीके खाद हमारे बाध में काम नहीं करता है.डीएपी का दाम 1200 और पोटाश की किमत 900 रुपये है, जो नहीं मिलता है.अगर किन्हीं दुकानदार के पास खाद है भी तो वह रात्रि के अंधेरे में मनमानी किमत पर देते हैं.और एनपीके 1650-1800 लिखा हुआ है.वह काम नहीं करता है.यह सब खेला सरकारी हाकिम और व्यवसायी के नापाक गठजोड़ का हिस्सा है.प्रत्येक वर्ष बुआई के समय में डीएपी और मिक्सचर खाद तथा पटवन के समय में यूरिया खाद बाजार से गायब हो जाता है तथा कालाबाजारी कर रात के अंधेरे में खूब मिलता है.किसान लोग बेचारा है, इनकी कौन सुनेगा। वहीं प्रखंड के सभी किसान यही हालात से गुजर रहे हैं. मात्र दिखावे के लिए शुक्रवार की शाम कृषि उपनिदेशक कृष्ण बिहारी तथा जिला कृषि पदाधिकारी राजेश प्रताप सिंह, खोदावंदपुर में एक खाद बीज के दूकान पर छापेमारी किया था.मौके पर मौजूद किसानों ने उनके खाद के कमी और अधिक मूल्य लेने संबंधित पदाधिकारी को शिकायत किया था.डीएओ ने लोगों को आश्वासन दिया था कि हमारे कृषि कर्मी दुकान पर मौजूद रहेंगे.आधार कार्ड दिखाने और किसानों को डीएपी और मिक्सचर खाद दिया जाएगा.अबतक यहां ऐसा कुछ भी व्यव्यस्था नहीं किया गया.दुकानदारों का मनमानी और किसानों का शोषण अनवरत जारी है, डीएपी और पोटाश बाजार से गायब है।

घर में बने मंदिर में बाहरी लोग पूजा करते हैं तो उसे माना जाएगा सार्वजनिक मंदिर

टना, एजेंसी। अगर आपके घर में मंदिर बना है और उसमें बाहरी लोग भी पूजा-अर्चना करने आते हैं तो उस मंदिर को सार्वजनिक माना जाएगा। बिहार सरकार ऐसे सभी मंदिरों पर चार प्रतिशत टैक्स लगाने की तैयारी कर रही है। बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अनुसार राज्य के सभी सार्वजनिक मंदिरों से टैक्स वसूलेगी। इसके लिए सभी सार्वजनिक मंदिरों को धार्मिक न्यास बोर्ड के तहत रजिस्ट्रेशन कराने की अपील की गई है। रजिस्ट्रेशन होने के बाद सभी मंदिरों का संचालन न्यास बोर्ड के नियमों के अनुसार होगा और सभी को चार प्रतिशत टैक्स देना होगा। सभी मंदिर जो किसी के घर के अंदर बने हों और यदि वहां बाहरी लोग भी वहां बड़ी संख्या में पूजा-पाठ करने आते हों तो सरकार के अनुसार उसे सार्वजनिक मंदिर कहा जायेगा। धार्मिक न्यास बोर्ड के अनुसार ऐसे सभी सार्वजनिक मंदिरों का रजिस्ट्रेशन करवाया जाएगा और उस पर टैक्स लगेगा। इसके लिए मंदिरों से अपील की गई है कि वो खुद इसका रजिस्ट्रेशन करवाएं। बिहार में मंदिरों का संचालन बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड द्वारा किया जाता है। वर्तमान में राज्य में केवल 4,500 के लगभग ही मंदिरों ने न्यास बोर्ड के तहत अपना रजिस्ट्रेशन करवाया है। अभी भी ऐसे हजारों मंदिर हैं जिनका रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। इनमें कई बड़े मंदिर भी शामिल हैं। धार्मिक न्यास बोर्ड अब इन मंदिरों को रजिस्ट्रेशन के दायरे में लाना चाहता है। बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड बिहार के मंदिरों का संचालन करती है लेकिन उसकी अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं है। कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण कार्यालय और भवन जर्जर हो गए हैं।

अध्यक्ष, झारखंड राज्य खाद्य आयोग, श्री हिमांशु चौधरी की अध्यक्षता में प्रेसवार्ता का आयोजन....

» मदरलैण्ड संवाददाता

देवघर। झारखंड राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री हिमांशु शेखर चैधरी की अध्यक्षता में आज दिनांक- 29.11.2021 को देवघर परिसदन सभागार में पत्रकार संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मीडिया कर्मियों से बात करते हुए श्री हिमांशु शेखर चैधरी के द्वारा कहा गया कि छ्थ्ै। के तहत संचालित विभिन्न योजनाएं यथा- च्क्वैए प्क्वैए डक्डए डज्ब (कुपोषण उपचार केन्द्र) को जमीनी स्तर पर सही ढंग से क्रियान्वित करने हेतु झारखंड राज्य खाद्य आयोग कृत संकल्पित है एवं हमारा यह प्रयास है कि इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। उन्होंने आगे कहा कि छ्थ्ै। के तहत संचालित सभी योजनाएं वास्तव में उन जरूरतमंदों के लिए हैं, जिन्हें इनका लाभ मिलना अत्यंत आवश्यक है। यदि इस प्रकार के लोगों को समय पर इनका लाभ न मिले तो उनकी स्थिति दयनीय हो सकती है। ऐसे में आवश्यक है कि सभी लोग मानवता के सेवा भाव के साथ कार्य करें एवं इन गरीबों को उनका हक दिलाने में अपना सहयोग करें।

इसके अलावे प्रेसवार्ता के दौरान उनके द्वारा आगे बतलाया गया कि छ्थ्ै। के तहत संचालित योजनाओं के पर्यवेक्षण हेतु प्रत्येक जिला में नोडल ऑफिसर बनाये गये हैं, जो कि क्ळत्० (क्पेजतपबज ळतपमअंदबम त्मकतमेंस व्पििबमत) होते हैं एवं सभी जिलों में अपर समाहत्र्ता पदेन क्ळत्० (क्पेजतपबज ळतपमअंदबम त्मकतमेंस व्पििबमत) होते हैं। उनके द्वारा आगे कहा गया कि छ्थ्ै। के तहत संचालित किन्हीं भी योजनाओं से संबंधित किसी व्यक्ति को यदि कोई शिकायत/समस्या हो तो वे अपने जिला के क्ळत्० के समक्ष जा कर अपने समस्या का समाधान पा सकते हैं। यदि क्ळत्० से भी कोई संतुष्ट नहीं हो पाते हैं तो उनके द्वारा झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग में अपने शिकायतों से संबंधित अपील की जा सकती है। इसके लिए आयोग के वाह्टस एप्प नंबर 9142622194 पर वाह्टस एप्प कर शिकायत की जा सकती है। उनके द्वारा आगे कहा गया कि आयोग द्वारा अपना इंटरेएक्टिव वेबसाईट तैयार की जा रही है एवं जल्द हीं आयोग का टॉल फ्री नंबर भी जारी किया जायेगा। वर्तमान में छ्थ्ै। के उल्लंघन संबंधी कोई भी मामला यदि दिखता हो या इससे संबंधित कोई भी शिकायत हो तो लोग उपर वर्णित वाह्टस एप्प नंबर पर साक्ष्य सहित अपनी शिकायतों को भेज सकते हैं एवं उनके शिकायतों पर की गयी कृत कार्रवाई से अवगत हो सकते हैं।

इस दौरान उनके द्वारा कहा गया कि कभी-कभी छ्थ्ै। के उल्लंघन संबंधी शिकायतें सक्षम प्राधिकार के पास इसलिए भी नहीं आ पाती है क्योंकि लोगों को ही अपने अधिकार के बारे में पूरी जानकारी नहीं होती है, जिस वजह से वे अपने समस्याओं को उपर तक नहीं पहंचा पाते हैं। ऐसे में आवश्यक है कि लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाय एवं उन्हें बतलाया जाय कि किस राशन कार्ड के तहत उन्हें कितना अनाज मिलना है एवं किस तारीख को वे अपने जन वितरण प्रणाली दुकानों से अनाज प्राप्त कर सकते हैं। साथ हीं लोगों को यह भी बतलाया जाय कि पीडीएस डीलर के द्वारा दिये जाने वाले च्व्ै रसीद का मिलान किस प्रकार किया जाना है आदि। उनके द्वारा आगे जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि यदि किसी पीडीएस डीलर को किसी कारणवश सस्पेंड किया जाता है तो उसके पूर्व यह सुनिश्चित किया जाए कि उक्त पीडीएस दुकान में जितने भी लाभुक संबद्ध हैं, उन्हें यह बतलाया जाय कि इस अवधि में उन्हें उनका राशन कहां से प्राप्त होगा। साथ हीं उनके द्वारा अपर समाहर्ता-सह- डी०जी०आर०ओ० को निदेशित किया गया कि अधिक से अधिक लोगों को इस संबंध में जागरूक करने हेतु पंचायत स्तर से लेकर जिला मुख्यालय तक छ्थ्ै। के तहत जितनी योजनाएं संचालित हैं, उन सभी के विस्तृत जानकारी का उल्लेख करते हुए तत्सम्बन्धी होर्डिंग-फ्लैक्स का अधिष्ठापन व दीवार लेखन का कार्य कराया जाय तथा हाट-बाजारों में माईकिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए उन्हें उनके अधिकारों के बारे में बतलाया जाय।

इस मौके पर उपरोक्त के अलावा अपर समाहत्र्ता श्री चन्द्र भूषण प्रसाद सिंह, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री अमित कुमार, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी श्री रवि कुमार, सहित विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

मझौलया पुलिस ने एक ट्रक अंग्रेजी शराब के साथ चालक को किया गिरफ्तार

दिल्ली से मोतिहारी जा रहा था शराब जांच के बाद उजागर होगा, कौन कौन शामिल हैं जनाब

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेतिया। मध निषेध टीम पटना व मझौलिया पुलिस के सहयोग से अहले सुबह बेतिया मोतिहारी मुख्य पथ नेयाज मियाँ के चिमनी के पास एन एच 727 पर मद्य निषेध टीम पटना और मझौलिया पुलिस के द्वारा वाहन जांच के दौरान दिल्ली से आ रही ट्रक जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर W B 73GY 0567 पर डी जी जरनेटर के चार खोखा में करिब 400 कार्टून करीब आठ हजार 954 अग्रेजी शराब के बोतल, कुल 3061.08 लीटर, करिब 1200000 लाख की अंग्रेजी शराब बरामद हुआ।

ट्रक के चालक हुआ गिरफ्तार। जिसमें शराब की प्रकार क्लासिक फिसली रॉयल स्टाइल , मैगडोल नम्बर वन एक ट्रक अंग्रेजी शराब चालक सहित बरामद हुआ। यह जानकारी इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष अशोक कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि इनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आरोपितों के विरुद्ध छापेमारी शुरू कर दी है। बरहाल यह शराब का खेप दिल्ली से मोतिहारी जा रही थी।

पटना एयरपोर्ट का विंटर सीजन फ्लाइट शेड्यूल जारी, 58 की जगह अब केवल 48 जोड़ी उड़ानों का किया जाएगा संचालन

पटना, एजेंसी। पटना एयरपोर्ट प्रबंधन ने सर्दी के सीजन के लिए फ्लाइट शेड्यूल जारी कर दिया है। नए शेड्यूल के मुताबिक पटना एयरपोर्ट से 58 की जगह केवल अड़तालीस जोड़ी फ्लाइटें ही संचालित की जाएंगी। यह शेड्यूल एक माह के लिए जारी किया गया है। इस दौरान एक दिसंबर से पटना-चंडीगढ़ की फ्लाइट बंद कर दी जाएगी। नए विंटर शेड्यूल में एक दिसंबर को पटना एयरपोर्ट से सुबह 8.05 बजे पहली फ्लाइट गुवाहाटी के लिए रवाना होगी।

वहीं, इसके बाद सुबह 8.35 बजे अमृतसर के लिए यहां से फ्लाइट उड़ान भरेगी। दिल्ली के लिए पटना एयरपोर्ट से पहली उड़ान स्पाइसजेट की होगी जो सुबह नौ बजे जाएगी और 9.30 बजे वापस रवाना होगी। वहीं, पटना एयरपोर्ट से दिन की आखिरी फ्लाइट मुंबई के लिए स्पाइसजेट की होगी जो रात 10.10 बजे यहां से टेकऑफ करेगी। नया शेड्यूल जारी होने के बाद दिल्ली के लिए विमानों की संख्या घट कर सत्रह रह जाएगी जो अभी इक्कीस है।

दिल्ली के लिए दिन की आखिरी फ्लाइट भी स्पाइसजेट की ही होगी जो रात 8.45 बजे उड़ान भरेगी। इसी तरह मुंबई और बेंगलुरु के लिए सात-सात के बजाए छह-छह, कोलकाता और हैदराबाद के लिए पांच-पांच की जगह चार-चार और चेन्नई के लिए तीन की जगह दो फ्लाइट्स उड़ान भरेंगी। पटना एयरपोर्ट से रात में उड़ानों पर रोक का मुख्य कारण धुंध को बताया जा रहा है। दिसंबर-जनवरी माह में इसकी वजह से पटना एयरपोर्ट के आस-पास सुबह और देर रात में विजिबिलिटी काफी घट होती है जिससे फ्लाइट ऑपरेशन बाधित होते हैं। इससे बचने के लिए नये शेडयूल में अहले सुबह और देर रात की फ्लाइटों को बंद कर दिया गया है।

जिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना के तहत जिले के विभिन्न गांव का हुआ चयन....

» मदरलैण्ड संवाददाता

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना के तहत किए जाने वाले कार्यों और गांवों के चयन को लेकर बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा जानकारी दी गई योजना के तहत 50 प्रतिशत एसटी-एससी संख्या व 500 की आबादी वाले गांवों को चिन्हित किया गया, ताकि इन पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों का विकसित किया जा सके। साथ ही उन्होंने कहा कि जनजातीय विकास के लिए विशेष केंद्रीय सहायता योजना अंतर्गत सांसद आदर्श ग्राम योजना में चयनित सभी 70 गाँव का चहुँमुखी विकास किया जा सके।

इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त ने योजना से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा दिये गए सुझावों से अवगत हुए। वही बैठक के दौरान पालोजोरी प्रखण्ड अन्तर्गत श्रीरामपुर, बिराजपुर पंचायत के सितलडीह चांदपुर, बाघाडीह पंचायत के जयनगर, बगदाहा पंचायत घोरादाहा, मटियारा पंचायत के अम्बाटांड़, कसराडीह पंचायत के खरको, कचुआसोली पंचायत के दलदली एवं नावाडीह, बिराजपुर के कोयरीडीह, कुंजोरा पंचायत के रामपुर एवं पालोजोरी, भुरकुण्डी के चलबली एवं भुरकुण्डी, कुंजबाना पंचायत के कोलगी, धावा पंचायत के फाराम एवं डुमरिया, बघनाडीह पंचायत के गड़ी, बिराजपुर पंचायत के महेशबथान, महुआडाबर पंचायत के बैजनाथपुर, दुधानी पंचायत के बिराजपुर, कांकी पंचायत के सोनाटांड़, सिमलगढ़ा पंचायत के सिमलगढ़ा एवं जीवनाबांध पंचायत के जीवनाबांध ग्राम शामिल हैं।

इसके अलावे देवीपुर प्रखण्ड अन्तर्गत महुआटांड़ पंचायत के मानुसमारी ग्राम शामिल है। साथ ही मारगोमुण्डा प्रखण्ड अन्तर्गत पिपरा पंचायत के टिको पहाड़ी, मारगोमुण्डा पंचायत के बरसतिया, गिरीनजोरी, सलमंद्रा व परसिया, बाघमारा पंचायत के बाघमारा, सुग्गापहाड़ी पंचायत के कोगरी व सुग्गापहाड़ी ग्राम शामिल है। आगे

करौं प्रखण्ड अन्तर्गत रानीडीह पंचायत के लालापोखर, कसैया पंचायत के ढकवा एवं धवना गांव शामिल है।

मोहनपुर प्रखण्ड अन्तर्गत घुटिया बड़ाअसहना पंचायत के नागादह एवं ठड़ीयारा पंचायत के ठड़ीयारा ग्राम शामिल है। इसके अलावे देवघर प्रखण्ड अन्तर्गत ग्वालबदिया पंचायत के सावतल बदिया एवं धरवाडीह पंचायत के धरवाडीह ग्राम शामिल है। साथ ही मधुपुर प्रखण्ड अन्तर्गत मिसरना पंचायत के बदिया गांव शामिल है।

योजना के तहत गांवों का विकास करना होगी प्राथमिकता....

इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजंत्री द्वारा जानकारी दी गई की योजना के तहत विलेज डेवलपमेंट प्लान के तहत मुख्य रूप से चार वर्गों (व्यक्तिगत विकास, मानव विकास, आर्थिक विकास और सामाजिक विकास) को बढ़ावा देना प्राथमिकता होगी। इसके तहत स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कौशल विकास, बुनियादी सुविधाएं, सामाजिक न्याय व सुशासन आदि कार्यों को शामिल किया गया है।

इस दौरान उपरोक्त के अलावे स्थानीय विधायक श्री नारायण दास, माननीय सांसद दुमका के प्रतिनिधि, एसटी-एससी से मनोनीत सदस्य, अपर समाहर्ता श्री चंद्रभूषण प्रसाद सिंह, जिला कल्याण पदाधिकारी श्री परमेश्वर मुंडा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

एसडीएम के निर्देश पिपरासी के गन्ना कांटा की हुई जांच

» मदरलैण्ड संवाददाता

● किसानों ने घटतौली का किया था शिकायत, जांच पाया गया सत्य

बेतिया। बगहा चीनी मिल का क्रय केंद्र परसौनी में कांटा क्लर्क के द्वारा किसानों के गन्ने में घटतौली करने की शिकायत मिली। भिलोरवाटोला के किसान अशोक कुशवाहा की गंन्ना लदी टेलर तौल की गई। तौल के बाद किसान को कुछ शक हुआ। उसके बाद उसी ट्रैक्टर को फिर से तौल की गई। जिसमें पहले तौल कर रजिस्टर में 32.75 क्विंटल दर्ज किया था। और दोबारा तौल हुई तो 34.90 वजन हुई। इस प्रकार 2.15 कुंटल का अंतर आया। इसकी सूचना किसानों ने एसडीएम को दिया। एसडीएम दीपक कुमार मिश्रा के द्वारा पिपरासी बीसीओ को इसकी जांच करने का निर्देश दिया।

एसडीएम के निर्देश पर बीडीओ ने जांच का जिम्मा बीसीओ शत्रुघ्न प्रसाद को सौंपा। बीसीओ ने बताया कि जांच कर इसकी रिपोर्ट एसडीएम को भेजी जा रही है। उधर गन्ना किसान इस संदर्भ में एक आवेदन पिपरासी थाने में भी दिया है। तब तक करीब 3 घंटा क्रय केंद्र बाधित रहा। गन्ना प्रबंधक अरुण सिंह मौके पर पहुंचकर मामले को समझा-बुझाकर किसानों को शांत कराया। कांटा क्लर्क आरएन शर्मा को हटाया गया। और उसके विरूद्ध जांच की जा रही है। उसके ऊपर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की वर्दी में अपराधियों ने कोलकाता के व्यवसायी से लूटे 20 लाख रुपए

छपरा, एजेंसी। बिहार के सारण जिले के छपरा के गरखा में केवानी मोड़ के पास बीती रात पुलिस की वर्दी में कोलकाता के आभूषण व्यवसायी से 20 लाख रुपए लूट लिए। बताया जाता है कि आभूषण व्यवसाई छपरा से पैसा लेकर कोलकाता लौट रहे थे। इस दौरान केवानी मोड़ के पास पुलिस के वर्दी पहने अपराधियों ने चेकिंग के नाम पर उन्हें रोक लिया और उनके पास रखे कैश को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिसवाले बने अपराधियों ने जांच के नाम पर व्यवसायी से उनकी गाड़ी की चाबी, कागज और मोबाइल फोन ले लिया।

बाद में उन्हें एहसास हुआ कि अपराधी उन्हें चकमा देकर कैश लेकर फरार हो गए हैं। पीड़ित व्यवसायी की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) संतोष कुमार ने बताया कि पुलिस की वर्दी पहन कर लूटपाट करने की वारदात किसी संगठित गिरोह का हाथ होने का इशारा करती है। उन्होंने कहा कि आशंका है कि व्यवसायी के पीछे अपराधी छपरा से ही लगे होंगे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस संबंध में एसआईटी का गठन किया गया है। पुलिस पीड़ित व्यवसायी से पूछताछ कर अपराधियों की तलाश में जुट गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों की धर-पकड़ के लिए कार्रवाई की जा रही है। इसके बावजूद इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। पुलिस पीड़ित व्यवसाई का नाम नहीं बता रही है। सूत्रों के मुताबिक व्यवसाई का नाम नीपन दास है और वह यहां आकर छोटे दुकानदारों के साथ बिजनेस करते हैं।

सोनापुर: एसडीओ के औचक निरीक्षण से खाद विक्रेताओं में मचा हड़कम

होगी कार्रवाही रद्द होगी अनुज्ञप्ति

नरपतगंज: कालाबाजारी, जमाखोरी, तस्करी एवं निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्यों में खाद बेचने कि शिकायत को लेकर सोमवार को अनुमण्डल पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार अलवेला प्रखण्ड क्षेत्र के सोनापुर पंचायत स्थित सभी लाइसेंस धारी खाद दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्टॉक लिस्ट, बेचने की पद्धति भंडारण एवं विक्री मूल्यों का किया गया। अनुमण्डल पदाधिकारी पहले पत्थरदेवा बॉडर स्थित श्री राम ट्रेडर्स संचालक रंजीत कु० भगत ला०सं० 41/2019-2020 पर पहुँचे। लेकिन आने कि भनक लगते ही दुकान संचालक बंद कर भाग खड़े हुवे। एस डी ओ ने दुकान पर आए किसानों एवं ग्रामीणों से खाद के तस्करी व कालाबाजारी के बारे में जानकारी ली। किसानों के असंतुष्ट जबाब सुन कर एस डी ओ साहब काफी सक्रिय नजर आये। बॉर्डर पर स्थित सभी खाद विक्रेताओं के दुकानों का निरीक्षण किये। एसडीओ सुरेंद्र कुमार अलबेला ने कहा कि बॉर्डर पर जितने भी दुकान है उनके लाइसेंस कि जाँच की जाएगी साथ ही जो अवैध खाद विक्रेता होंगे उसके लाइसेंस की रद्द करने की प्रक्रिया के साथ कार्यवाही की जाएगी किसी भी परिस्थिति में खाद की जमाखोरी कालाबाजारी नहीं करने दी जाएगी और ना ही मूल्य से अधिक कीमत लिया जाएगा। वही मौके उपस्थित नीरज यादव ने एसडीओ साहब को एस एस बी बीओपी से पत्थरदेवा तक सड़क निर्माण में आ रही समस्याओं से अवगत करवाया।

नरपतगंज विधायक ने लिया मामले में संज्ञान

लोकप्रिय जननायक विधायक जयप्रकाश यादव जी ने कहां की खाद विक्रेताओं की मनमानी नहीं चलेगी जो खाद विक्रेता कालाबाजारी करते हैं और किसानों का शोषण करते हैं उनको बख्शा नहीं जाएगा। किसान भाइयों से अपील है कि यदि कोई खाद विक्रेता अधिक मूल्य आपसे लेता है तो आप तुरंत मुझे इसकी जानकारी दे या मेरे व्हाट्सएप नं +91 89358 94840 वीडियो या फोटो भेजे उस खाद विक्रेता पर कार्रवाही करवा कर जेल भेजेंगे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध किरासन तेल का चल रहा है गोरखधंधा

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। अमदाबाद प्रखंड की सीमा समीपवर्ती राज्य पश्चिम बंगाल से लगने का अवैध फायदा कई लोग उठा रहे हैं एवं पश्चिम बंगाल से प्रशासन से छुपकर चोरी-छिपे किरासन तेल लाकर बिहार में खपाने का गोरख धंधा लंबे समय से किया जा रहा है बताते चलें कि इस कारोबार से जुड़े लोगों के लंबे चैन है एवं आए दिन प्रशासन से छिपकर यह लोग पश्चिम बंगाल से बड़ी मात्रा में किरासन तेल लेकर बिहार आते हैं यहां के विभिन्न गांव में से खपाते हैं इस अवैध कारोबार से जुड़े लोगों का कार्य लंबे समय से फल फूल रहा है यह लोग बंगाल से नाव द्वारा महानंदा नदी से तेल पार करते हैं प्रशासन से छिपकर इस तेल को लेकर निकल जाते हैं बताया जाता है कि सिंचाई के कार्य में डीजल की जगह लोग केरोसिन तेल का भी इस्तेमाल करते हैं ऐसे ही लोगों के पास यह लोग केरोसिन तेल बेचते हैं सूत्रों से पता चलता है कि बिहार की तुलना में बंगाल में इन्हें कम दाम में केरोसिन तेल उपलब्ध हो जाता है बंगाल से सटे होने के कारण इस कार्य से जुड़े कई लोग इस अवैध कारोबार में लगे हुए हैं क्षेत्र के लोगों ने पुलिस प्रशासन से इस पर अंकुश लगाने की मांग की है किया स्थानिय प्रसासन मिट्टी तेल की काला बाजारी करने वाले पर रोक लगाने में नाकाम साबित हो रहे है।

विकास करना होगी पहली प्राथमिकता नव निर्वाचित जिला परिषद अब्दुस सलाम

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। आजमनगर प्रखंड में आठवें चरण में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला परिषद क्षेत्र संख्या28से जीत दर्ज करने वाले प्रत्याशी अब्दु सलाम ने कई धुरंधरों को कड़ी शिकस्त देते हुए अपनी जीत दर्ज की है।अब्दु सलाम ने मदरलैंड संवाददाता तुषार शांडिल्य से बात चीत में कहा क्षेत्र संख्या28के सातों पंचायतों में विकास कार्य को लेकर आगे की रणनीति क्या होगी किस तरह विकास कार्य होगा मामले पर नव निर्वाचित जिला परिषद अब्दु सलाम ने कहा विकास कार्य को गति देना क्रमशःसालमारी बाजार में अस्पताल के आगे जल जमाव की समस्या को दूर करना,बाजार में सामुदायिक शौचालय की व्यवस्था करना,लंबी दूरी के ट्रेनों का ठहराव सालमारी मुकुरिया में कराना,सड़कों पर वाहन जांच के नाम पुलिस की ज्यादती को रोकना पहली प्राथमिकता होगी।

कटाव से प्राचीन काढ़ागोला गंगा तट के अस्तित्व पर मंडरा रहा खतरा

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। बरारी प्रखंड के प्राचीन काढ़ागोला गंगा तट कटाव के कारण अपना अस्तित्व खोता नजर आ रहा है,स्पर संख्या 8 से 9 के बीच एवं स्पर 9 से स्पर 1ड के बीच कटाव से किसानों की जमीन गंगा में रोजाना समा रही है वहीं श्रद्धालुओं को गंगा स्नान ध्यान में कटाव के कारण दलदल या पानी का अंदाजा नही रहने के कारण खतरा बना रहता है जिसके कारण शवदाह हो,नाव से दियारा जाना हो आदि में आमजनों की परेशानी के साथ खतरा मंडराते रहता है, जल संसाधन विभाग का प्रमंडलीय कार्यालय काढ़ागोला में रहते हुए कार्यपालक अभियंता को स्पर 8,9,1ड के मध्य खाली कटावग्रस्त जमीन गंगा किनारे करीब एक किमी लम्बाई में जीओ बैग की पैकिंग कर किनारे लगा दिया जाय तो कटाव को रोका जा सकता है ,साथ हीं गंगा किनारे की सुन्दरता व स्वच्छता को भी बचाया जा सकता है, यह कार्य जनहित में काफी जरूरी है,गंगा किनारे वर्तमान में गंदगी का अंबार है,साफ सफाई की कोई व्यवस्था नही है ऐसे में गंगा का विरल होना नामुमकिन है, गंगा किनारे जब तक कटाव को रोकने का कार्य काढ़ागोला घाट पर जल्द नही किया गया तो गंगा घाट का अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा ।देखना है जलसंसाधन विभाग कब जागता है ।

बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू

पटना, एजेंसी। बिहार विधानमंडल का शीतकालीन सत्र शुरू हो गया है। इस सत्र के काफी हंगामेदार रहने की उम्मीद है। विपक्ष खासकर राजद और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के जो तेवर हैं, उससे लग रहा है कि संसद का माहौल काफी गर्म रहेगा। सत्र के पहले ही दिन कम्युनिस्ट विधायकों ने उर्वरकों की कमी, जहरीली शराब से मौत, रोजगार जैसे मसलों पर प्रदर्शन किया। इधर, राजद भी सरकार को रोजगार और शराबबंदी के साथ ही कानून व्यवस्था के मसले पर घेरने को तैयार है। सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधासनसभा अध्यक्ष विजय सिन्हा को गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। सदन के शुरू होने से पहले नेता प्रतिपक्ष सीधे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर लगातार हमलावर हैं। अगर उनका यह अंदाज सदन में जारी रहता है तो जाहिर है कि सरकार में शामिल दलों जदयू और भाजपा के नेता भी चुप नहीं बैठेंगे। ऐसे में विधानसभा अध्यक्ष विजय सिन्हा और विधान परिषद में सभापति अवधेश नारायण सिंह पर सदन को शांतिपूर्ण ढंग से चलाने की चुनौती बड़ी होगी।

ओमीक्रोन स्वरूप को लेकर नीतीश ने बिहार के स्वास्थ्य अधिकारियों को किया आगाह

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के मद्देनजर राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। नीतीश कुमार ने बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान कोरोना वायरस के नए स्वरूप को लेकर चर्चा की और अपने विचार साझा किए। उन्होंने अधिकारियों को विदेश से राज्य में आने वाले लोगों पर कड़ी नजर रखने और किसी में भी लक्षण दिखने पर नमूनों की त्वरित जांच करने के निर्देश दिए। कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के मामले प्रमुख रूप से दक्षिण अफ्रीका के अलावा ब्रिटेन और बेल्जियम में सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों के कोविड-19 रोधी टीकाकरण पर जोर देते हुए कहा कि महामारी अभी खत्म नहीं हुई है, इसलिए लोगों को कोविड संबंधी मानदंडों और नियमों का पालन करना चाहिए।

जल-जमाव से लोगों को आया नया IDEA: केले की पैदावार बाढ़ से हुई बर्बाद, मखाना से लोग बदल रहे किस्मत

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कटिहार के 5 प्रखंडों में किसानों ने आपदा को अवसर में बदल दिया है। यहां पारंपरिक तौर पर किसान केले की खेती करते थे, लेकिन बाढ़ की वजह से खेतों में पानी भर गया। केले की खेती पूरी तरह से बर्बाद हो गई। इसके बाद किसानों के लिए केले की खेती करना मुश्किल हो गया। इस समस्या से निपटने के लिए किसानों ने मखाना की खेती करने का निर्णय लिया। मखाना को काला हीरा भी बोला जाता है। अन्य राज्यों के साथ-साथ विदेशों तक इसकी सप्लाई की जाती है।

किसानों की बदल रही किस्मत

बरारी प्रखंड क्षेत्र में मखाना की खेती की ओर यहां के किसान तेजी से बढ़ रहे हैं। कई पुराने गहरे और ऊंची जमीन को समतल कर मखाना की खेती कर रहे किसानों की तकदीर बदल रही है। किसानों ने सैकड़ों हेक्टेयर की जल जमाव वाली जमीन को भी उपजाऊ बना दिया है। पिछले वर्ष मखाना में उछाल और बजार भाव तेज रहने एवं इस वर्ष अधिकतर निचले इलाके में पानी भरा रहने से किसानों ने इस बार मखाना की खेती पर ज्यादा जोर दिया है। कटिहार जिले के बरारी, फलका, कोढ़ा ,प्राणपुर व हसनगंज में मखाना की खेती ज्यादा होती है।

खेतों में पानी भरने की वजह से केले की जगह मखाना की खेती करने लगे किसान।

मखाना की बढ़ रही कीमत

मखाना की खेती वैसी जगहों पर होती है, जहां पानी तीन से चार फीट लगा होना चाहिए। किसान मखाना की खेती फरवरी से शुरू कर देते हैं, लेकिन इसकी तैयारी नवंबर से ही की जाती है। पटवन, खाद, कीटनाशक छिड़काव के बाद जुलाई से मखाना (काला हीरा) निकलना शुरू हो जाता है। एक एकड़ में लीज पर खेती करने पर अगर बारिश का साथ मिले तो 25 से 30 हजार का खर्च आता है, अगर बारिश नहीं हो तो 35 से 40 हजार की लागत आती है। पिछले साल मखाना की बढ़ती कीमत और लावा के चढ़ते दाम ने मखाना किसानों को इसकी खेती के लिए किसानों को प्रेरित किया है।

केले की खेती के लिए मशहूर था इलाका।

क्या बोले किसान

किसानों का कहना है, 'एक समय बरारी प्रखंड केले की खेती के लिए मशहूर था। यहां से केला दूसरे राज्य को भेजते थे, लेकिन पीलिया की बीमारी और बारिश की वजह से कई एकड़ केले का खेत बर्बाद हो गया।' किसान संजय यादव ने बताया, 'अभी भी निचले इलाकों में पानी भरा रहने के कारण खेती नहीं कर पा रहे हैं। इस वजह से भी मखाना की खेती करने का आइडिया आया है।'

मखाना की बढ़ रही मांग

वहीं, बरारी प्रखंड के काढ़ागोला रेल से मखाना महानगरों में भेजा जाता है। यहां का मखाना दिल्ली, मुम्बई, कानपुर,अमृतसर, ग्वालियर भी भेजा जाता है। व्यापारी बताते हैं, 'आने वाले समय में देश-विदेश से मखाना की और मांग बढ़ेगी, क्योंकि मखाना की खपत प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। शहरों में लोग नाश्ता में मखाना पसंद करते हैं। इसमें प्रोटीन, मिनरल और कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। जिस वजह से लोगों में इसका डिमांड बहुत तेजी से बढ़ रही है।

श्रीराम की याद में बक्सर में लगता है अनोखा मेला, महाप्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है लिट्टी-चोखा

बक्सर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा पर स्थित बक्सर में लगने वाला वार्षिक लिट्टी-चोखा मेला रविवार को समाप्त हो गया। रामायण में वर्णित भगवान राम के अहिल्या उद्धार और महर्षि विश्वामित्र के आश्रम के लिए मशहूर बक्सर में लगने वाला यह सालाना मेला, आम लोगों के बीच लिट्टी-चोखा मेले के रूप में जाना जाता है। बक्सर के चरित्रवन घाट पर लाखों की तादाद में सत्तू, आटा और अन्य सामग्री लेकर आने वाले श्रद्धालु मुख्य तौर पर लिट्टी-चोखा बनाते हैं, जिसे महाप्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है।

इस बार भी अपनी तरह का अनोखा यह मेला पूरे देसी अंदाज के साथ मनाया गया। बक्सर के चरित्रवन में लगने वाले पंचकोसी परिक्रमा मेले की समाप्ति यूं तो रविवार को हो गई, लेकिन इस बार मेले की रौनक कुछ ज्यादा दिखी। इसकी वजह कोरोना प्रोटोकॉल में मिली छूटे रहीं, क्योंकि इस महामारी का संक्रमण रोकने के मद्देनजर पिछले साल मेले के आयोजन में बाधाएं आई थीं।

बक्सर के अहिरौली में स्थित अहिल्या मंदिर से पारंपरिक तरीके से इस मेले की शुरूआत होती है। मान्यता है कि भगवान राम ने यहीं पर गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या को उनके श्राप से मुक्ति दिलाई थी। भगवान राम की इसी महिमा का गुणगान करने के लिए श्रद्धालु जुटते हैं और पुआ-पकवान बनाकर रात्रि विश्राम करते हैं। मेले के दूसरे दिन आकर्षण का केंद्र यहां से करीबन कोसभर दूर नदांव गांव होता है, जहां खिचड़ी और चोखे का प्रसाद का भोग लगाया जाता है।

मेले का तीसरा दिन श्रद्धालु भार्गव ऋषि आश्रम यानी भार्गवेश्वर महादेव का दर्शन कर चूड़ा-दही खाते हैं और इसके बाद बक्सर के बड़का नुआंव में स्थित ऋषि उद्दालक के आश्रम में चौथा दिन बीतता है। पंचकोसी मेले के अंतिम दिन आकर्षण का केंद्र बक्सर का चरित्रवन घाट होता है, जहां एक विशाल मैदान में लाखों की तादाद में श्रद्धालु जमा होते हैं और लिट्टी-चोखा का महाप्रसाद बनाते हैं। मान्यता है कि महर्षि विश्वामित्र ने ताड़का का वध करने वाले राम-लक्ष्मण को यहीं पर दिव्य अस्त्र प्रदान किए थे।

काढ़ागोला रेल समपार पर हो रही दुघर्टनाएं

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बरारी - प्रखंड का व्यस्तम काढ़ागोला रेलवे समपार फाइब बी को पार करते वक्त कब किसकी गाड़ी किससे टकरा कर लोग दुघर्टना का शिकार हो जायें कोई नही जानता, रोजाना इस रेल समपार से हजारो लोग पैदल,बाईक,ऑटो,कार,ट्रक सहित ठेला रिक्सा का पार करते वक्त अगली गाड़ी निकलने का इंतजार करना पड़ता है ,इसका मुख्य कारण है रेलवे समपार की करीब तीस फीट चौड़ाई में आधी समपार ट्रेक पर ढालानुमा सिमेंट का प्लेट बैठाकर बाकी जगहों को छोड़ दिया है जिससे एक बड़ी या छोटी गाड़ी ही एक बार में पास कर सकती है,ट्रेक पर समतल होने के बजाय उबड़ खाबड़ रहने से कई बार गाड़ी पीछे की तरफ खिसकने से पीछे बाईक से टक्कर हो जाती है जिससे विवाद होता रहता है, जबकि रेलके ढाला सम्पर्क सड़क भी काफी जर्जर है, गाँधी स्मृति भवन संस्था परिवार एवं सेन्ट्रल सिख वेलफेयर सोसाईटी ने महाप्रबंधक पूर्व मध्य रेल हाजीपुर , डीआरएम सोनपुर को पत्र लिखकर रेल की विभागीय लापरवाही से जनजीवन को जोखिम में डालने का मामला विस्तारपूर्वक भेजकर कार्रवाई करते हुए समपार को समतल करते हुए रेल सड़क का जिर्णोद्धार कराने की अपील की है ।

प्राकृतिक सौदर्य कम रंग बिरंग पक्षि हो रहे विलुप्त

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। वर्षों पहले वो वक्त था जब कई तरह के रंग बिरंगे पक्षियों की चाव-चाव की आवाज सुनकर लोग सुबह मीठी नींद से जगते थे। मेहमान पक्षियों के कलरव, काव-काव से घर-आंगन गुलजार हो जाता था। परिवर्तन मौसम में मेहमान पक्षी आते थे। गांव घर के बड़े-बुजुर्ग पक्षियों को दिखा कर बच्चों को कहानियां सुनाया करते थे। मेहमान पक्षियों की बात कहे तो पहले खेतों में हल चलाते व सिचाई के समय किसानों के मित्र कहे जाने वाले हजारों सफेद रंग के बगुले और मैना कीड़े-मकोड़े चुनते किसानों के पीछे उड़ते चाव-चाव करते दिख जाया करते थे। खाश कर बदलते मौसम में हर तरफ से कोयलों की मीठी कूक हमारे कानों में मीठा रस घोला करती थी, परंतु इसे अब दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि आज के वक्त में न वो लागभग पक्षी रहे और न उनकी मीठी आवाज।

स्थानीय कई ग्रामीणों की मानो तो प्राकृतिक सौंदर्य में चार चांद लगाने वाले अधिकांश प्रजातियों के पक्षी विलुप्त हो चुके हैं और जो बचे हैं, ओ भी कभी कभार दिखाई पड़ती है। क्षेत्र से परोकी, गोरैया, ढोखर, फुटकी, बगुला, तोता, मैना आदि पक्षियां गायब हो गए हैं। वहीं आब अनुकूल मौसम में आने वाले परदेशी पक्षी भी नहीं पहुंचते हैं। कुछ गिने-चुने पक्षी ही इन क्षेत्रों में दिखाई दे हैं।

प्रखंड कृषि विभाग के अधिकारी ने कहा कि किसान अपने खेतों में अपनी फसल को बचाने के लिए कीटनाशक दवाई अधिक मात्रा में दे रहे हैं। जिसके कारण दवाई खाकर पक्षी की सख्या घट जा रहा है। आजकल देखा जा रहा है कि किसान अपने खेतों में दवाई को मुड़ी, चावल आदि में मिक्स कर छिड़काव कर रहे है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अधिक वातावरण गर्म व नदी नाला सूख जाने के कारण भी पक्षी पहाड़ी क्षेत्र की ओर पलायन कर रहे हैं।

नवें चरण का मतदान को लेकर कदवा में शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव होआ सम्पन्न

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कदवा प्रखंड में नवें चरण का पंचायत चुनाव में होने वाले मतदान को लेकर चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया ।कहीं से कोई अप्रिय घटना या झड़प की कोई सूचना नहीं मिली ।प्रशासनिक आलम पूरे क्षेत्र में दौड़ लगता रहा ।वहीं समाचार प्रेषण तक 57 प्रतिशत मतदान होने की खबर है ।यद्यपि कई बूथों पर लंबी कतारें लगी हुई थी ।हर बूथ पर एएसआई स्टार के पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारी की नियुक्ति देखी गयी,जबकि क्रिटिकल बुथों पर एसआई को भी देखा गया ।वहीं इस दौरान एसडीओ राजेश्वरी पांडे,नोडल पदाधिकारी डॉ० राकेश कुमार सहित सभी अधिकारी पूरे क्षेत्र में मतदान का जायजा लेते देखे गए ।कहीं भी भीड़ नजर आती दिखी,पुलिस उस भीड़ को हटाती रही ।ड्यूटी पर तैनात सभी पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी करते देते गए ।बायोमेट्रिक की व्यवस्था में कहीं भी किसी प्रकार की करबरी नहीं देखी गई ।मतदान को लेकर यहां हर बुथों पर बायोमेट्रिक के साथ कर्मी उपस्थित नहीं देखे गए ।कहीं टावर की समस्या बनी रही ।जहां टावर सही था,वहां तो तुरंत,तुरंत काम हो रहा था,परंतु कहीं कहीं कुछ देर तक टावर की समस्या देखी गई ।सुबह सात बजे से ही मतदान केंद्र पर पहुंचने लगे थे।

गांव की सरकार बनने को लेकर मतदाताओं में गजब का उत्साह दिखा ।लोग सुबह सात बजे से ही लाइन में लग गए थे ।हर गांव में ऐसा लग रहा था कि कहीं कोई उत्सव हो तथा उसमें महिलाएं रंग-विरंगे परिधानों में घरों से निकलती दिखी ।इसमें क्या जवान,क्या बूढ़ा,हरकोई शामिल था ।बैशाखी के सहारे हो या फिर ह्वील चेयरब पर हरकोई जिस अवस्था मे था वह मतदान केंद्रों की ओर बढ़ता चला जा रहा था ।प्रखंड के कई बुथों पर देर शाम तक मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गई ।महम्मदपुर,कुम्हड़ी,सागरथ,गेठौड़ा, कदवा सहित कई जगहों पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था देखी गई ।प्रखंड क्षेत्र में प्रशासन के द्वारा पुख्ता इंतजाम देखी गई ।वहीं पुलिस अविर निरीक्षक मुकेश कुमार प्रखंड क्षेत्र में मोटरसाइकिल गस्ती करते दिखे ।वहीं इस दौरान कदवा विधानसभा से पूर्व प्रत्याशी रहे डॉ० चंद्रभूषण ठाकुर ने कदवा में शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव सम्पन्न होने को लेकर खुशी जाहिर करते हुए प्रशासन एवं मतदाताओं का धन्यवाद ज्ञापन किया।

कांग्रेस ने बढ़ती मंहगाई के खिलाफ कटिहार में आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन किया

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कांग्रेस ने आसमान छूती महंगाई और बढ़ती बेतहाशा कीमतों के खिलाफ देशव्यापी जन जागरूकता जनसंपर्क जन जागरण अभियान के तहत कटिहार में आक्रोश पूर्ण प्रदर्शन किया ।कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्षप्रेमरायनेकिया ।जिलाध्यक्ष प्रेम राय ने बताया कि कटिहार नगरपालिका से होते हुए शहीद चौक कटिहार तक मार्च निकाला गया। इस अवसर पर कांग्रेसियों ने मोदी तेरे शासन में आग लगी है। राशन में जो सरकार महंगाई कम ना कर सके। वह सरकार निकम्मी है,जो सरकार महंगाई कम ना कर सके। वह सरकार बदलनी है। सोनिया राहुल जिंदाबाद कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद एवं मोदी सरकार के विरुद्ध जमकर गगनचुंबी नारे भी लगाए।

मौके पर मुख्य रूप से बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पूर्व विधायक पूनम पासवान मौजूद रहीं। पूर्व विधायक पूनम पासवान ने इस अवसर पर कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था की बबार्दी तेजी से गहराती मंदी ने करोड़ों देशवासियों को बेरोजगारी के गर्त में ढकेल दिया है। गरीबी और भुखमरी बेकाबू रफ्तार से बढ़ती जा रही है। आसमान छूती महंगाई और रोजमर्रा की जरूरत के सामानों की बढ़ती कीमतों ने जहां लोगों का जीना दूभर कर दिया है वही उनका रोजी रोजगार खत्म होता जा रहा है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रेम राय ने कहा कि डीजल पेट्रोल के बढ़ते बेतहाशा कीमत का असर रोजमर्रा की जरूरत के सामानों पर पड़ा है। खाद्यान्न तेल दलहन सब्जी के दाम आसमान छू रहे है। जब तक पेट्रोल डीजल को जीएसटी के दायरे में नहीं लाया जाएगा। तब तक लोगों को राहत मिलने वाली नहीं है। इस अवसर पर मसरूर आलम, तबरेज आलम, राजेश मंडल, नितिन सिन्हा, कमरुल हक, अमरजीत यादव,मो. आलमगीर, पिंटू चंद्रवंशी, अनित सिन्हा, उपेंद्र पासवान, शेख मल्लिक, विश्वजीत पोद्दार, मो. इमरान, मो. वसीम,मो.साबिर, अशोक कुमार, अमरकांत तिवारी, मो० बबलू, मो. सज्जाद, संजय कुमार, इमरान आलम, मो. साबिर, मरगूब हैदर, सियाराम सिंह, अमन सिंह, कुलदीप मंडल, मो. शाहनवाज, रंजन राय सहित सैकड़ों कांग्रेसी मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता ने बरारी विधानसभा क्षेत्र के पंचायतों का दौरा कर नव निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को किया सम्मानित

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। सोमवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुनील कुमार यादव ने बरारी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों का दौरा किया। दौरे के क्रम में उन्होंने बरारी विधानसभा क्षेत्र के सुखासन, दुगार्पुर, जगदीशपुर, शिशया,सूजापुर सहित कई अन्य पंचायतों में नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों से मिलकर उन्हें बधाई देते हुए फूल माला पहनाकर अभिनंदन किया। उन्होंने नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधि एवं प्रत्याशियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि बरारी प्रखंड के नवनिर्वाचित पंचायत प्रत्याशी एवं प्रतिनिधि जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे और क्षेत्र का विकास करेंगे और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमानमेंहमारेबिहारमेंमहंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। ऐसे में हम तमाम पंचायत के प्रतिनिधि एवं प्रत्याशियों से अपील करेंगे कि वह सभी अपनी जनता की की आवाज बनकर अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं को दूर करने का हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करेंगे की तमाम पंचायत के प्रतिनिधि एवं प्रत्याशी की पहली प्राथमिकता जनता की सेवा करना और क्षेत्र में सड़क, बिजली, नाला, बेहतर शिक्षा, सहित तमाम क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों पर काम करेंगे । इस मौके पर जनप्रतिनिधि फूरकुन निशा, मोहम्मद आलम, हबीबु रहमान, राजीना परवीन, अंबाला खातून, पूर्व मुखिया अब्दुल रहमान, मोहम्मद मजहर, हारून रशीद, अनिल यादव, मंजूर आलम, मोहम्मद मिकाइल, मौसम कुमार, विनय कुमार, मनोज कुमार समेत सैकड़ों स्थानीय लोग कांग्रेस के कई नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

सऊदी अरब ने दो जनवरी से लागू होंगे नए कानून, नहयान ने दी कानूनी सुधार को मंजूरी

सऊदी अरब, एजेंसी। सऊदी अरब के कानून को बेहद सख्त माना जाता है। अब यहां इतिहास का सबसे बड़ा कानूनी सुधार किया गया है। सऊदी अरब ने अपने कानून में कई बदलाव किए हैं, ताकि कानूनी सिस्टम को अधिक मानवीय बनाया जा सके। संयुक्त अरब अमीरात के प्रेसिडेंट शेख खलीफा बिन जायेद अल नहयान ने इन कानूनी सुधारों को मंजूरी दे दी है।

नए कानून 2 जनवरी 2022 से लागू हो जाएंगे। माना जा रहा है कि नए कानून लागू होने के बाद आर्थिक और व्यावसायिक अवसरों में मजबूती, सामाजिक स्थिरता में बढ़ोतरी आएगी और व्यक्तिगत व संस्थागत अधिकारों को सुनिश्चित किया जा सकेगा। इन कानूनी सुधारों में सबसे अहम प्रावधान यह है कि यह कानून किसी भी व्यक्ति पर लागू होगा जो सऊदी अरब के किसी नागरिक की पूर्वनियोजित हत्या करता है या इसमें शामिल होता है। चाहे अपराध देश

के बाहर ही क्यों न हुआ हो। इसके अलावा इन कानूनों के जरिए ऑनलाइन अपराधों पर लगाम लगाई जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया पर गलत खबरें, अफवाहों को रोकना और व्यक्तिगत निजता व अधिकारों को संरक्षण दिया जाएगा।

कानूनी सुधारों में फेक न्यूज और गलत खबरों को लेकर विभिन्न प्रावधान शामिल हैं। इसके तहत कानून कोर्ट को डिवाइस, सॉफ्टवेयर और कंटेंट को जब्त करने की शक्ति देता है। इसमें ऑनलाइन गलत और भ्रामक विज्ञापन व प्रमोशन के बारे में कार्रवाई का अधिकार है। इसके अलावा गैरकानूनी तरीके से क्रिप्टोकरेंसी में ट्रेडिंग और मेडिकल प्रॉडक्ट्स व सप्लीमेंट से संबंधित कानून भी शामिल हैं। नए कानूनों में सार्वजनिक स्थानों या अनाधिकृत स्थानों पर एल्कोहल का सेवन गैरकानूनी माना जाएगा।

सऊदी अरब में 21 वर्ष से कम आयु वाले लोगों के द्वारा शराब की बिक्री और सेवन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सऊदी अरब में स्थानीय और प्रांतीय स्तरों पर चर्चा के बाद इन नए कानून को लाया गया है। इन कानूनों को तैयार करने के लिए पिछले 5 महीनों में 50 प्रांतीय और लोकल अथॉरिटी में काम करने वाले 540 विशेषज्ञों और विद्वानों की राय ली गई है।

यूएनओ ह्यूमन विशेषज्ञ ने कृषि कानून निरस्त करने के निर्णय का स्वागत किया

जिनेवा, एजेंसी। वैश्विक निगरानी की शीर्ष संस्था संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) के एक शीर्ष मानवाधिकार विशेषज्ञ ने विवादित तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने के भारत सरकार के फैसले का स्वागत किया और आशा जताई कि कृषि सुधारों के संबंध में भविष्य में लिए जाने वाले फैसले देश की मानवाधिकार प्रतिबद्धताओं के अनुरूप होंगे और किसानों, समुदायों तथा संघों के साथ सकारात्मक बातचीत के बाद लिए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु नानक जयंती, 19 नवंबर, के अवसर पर देश को संबोधित करते हुए घोषणा की थी कि उनकी सरकार ने तीनों कृषि कानूनों को निरस्त करने का फैसला लिया है। गौरतलब है कि किसान इन कानूनों के खिलाफ पिछले एक साल से आंदोलन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने घोषणा करने के साथ ही किसानों से अपने-अपने घर लौटने का भी आह्वान किया था। मोदी ने इस बात पर जोर दिया था कि ये कानून किसानों के हित में थे और सरकार साफ दिल और साफ नियत होने के बावजूद यह बात किसानों के एक धड़े को नहीं समझा सकी।

भोजन के अधिकार मामलों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत माइकल फाखरी ने कहा, ह्यइन कानूनों के कारण भारत की पूरी खाद्य व्यवस्था दांव पर लगी थी। आशा करते हैं कि कृषि सुधारों के संबंध में भविष्य में लिए जाने वाले फैसले देश की मानवाधिकार प्रतिबद्धताओं के अनुरूप होंगे और किसानों, समुदायों तथा संघों के साथ सकारात्मक बातचीत के बाद लिए जाएंगे ह्ल उन्होंने शुक्रवार को कहा, ह्यमैं कानून बनाने के लिए पूरी की गई लंबी प्रक्रिया की इज्जत करता हूं, लेकिन पिछले एक साल में जो भी हुआ है वह सैकड़ों हजारों लोगों के भीतर के गहरे असंतोष को दशार्ता है ह्ल उन्होंने कहा, यह दशार्ता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोगों को प्रदर्शन और शांतिपूर्ण विरोध के माध्यम से नीतगत बदलाव को प्रभावित करने के लिए सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण हथियार है।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया पहुंचे दो विदेशी यात्री नए वेरिएंट ओमीक्रोन से संक्रमित पाए गए

सिडनी, एजेंसी। कोरोना के नए वेरिएंट ओमीक्रोन की दहशत के बीच ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने रविवार को पुष्टि की कि सिडनी पहुंचे दो विदेशी यात्री कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमित पाए गए हैं। ये दो यात्री 14 अन्य लोगों के उस समूह का हिस्सा हैं जो शनिवार को दक्षिणी अफ्रीका से ऑस्ट्रेलिया पहुंचा। उनमें बीमारी के लक्षण नहीं थे और दोनों ने कोविड-19 रोधी टीके की खुराक ले रखी है। बाकी के 12 लोगों को पृथक रखा गया है। न्यू साउथ वेल्स में स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि संक्रमित यात्री उन नौ अफ्रीकी देशों में से एक से आए हैं जहां से सिडनी में आने पर एक होटल में पृथकवास करने की आवश्यकता है। ये देश दक्षिण अफ्रीका, लेसोथो, बोत्सवाना, जिम्बाब्वे, मोजाम्बिक, नामीबिया, इस्वातिनी, मलावी और सेशेल्स हैं।

जापानी पीएम किशिदा ने चीन में मानवाधिकारों के मुद्दों पर जताई कड़ी चिंता

टोक्यो, एजेंसी। जापानी पीएम फुमियो किशिदा ने करीब 50 एशियाई और यूरोपीय देशों के नेताओं की आभासी बैठक में अपनी बोलते हुए चीन में मानवाधिकारों के मुद्दों पर कड़ी चिंता व्यक्त की। समाचार के अनुसार किशिदा ने दो दिवसीय शिखर सम्मेलन से इतर हांगकांग के साथ-साथ उत्तर-पश्चिमी चीन के झिंजियांग क्षेत्र में मानवाधिकारों की स्थिति के बारे में अपनी चिंता जताई। इसके अलावा जापान के प्रधान मंत्री ने यह भी कहा कि वह दक्षिण चीन समुद्र को लेकर पूर्व में यथास्थिति को बदलने के एकतरफा प्रयासों का कड़ा विरोध करते हैं और जाहिर तौर पर चीन के सैन्य निर्माण की आलोचना करते हैं। यूरोपीय देशों के नेताओं ने गुरुवार को शिखर सम्मेलन के पहले दिन मानवाधिकारों और अन्य मुद्दों पर चीन और अन्य देशों के बीच घर्षण के बारे में भी चिंता व्यक्त की। नेताओं ने म्यांमार की स्थिति पर चिंता जताई जहां सेना ने इस साल फरवरी में आंग सान सू की के नेतृत्व वाली एक नागरिक सरकार को गिराने के बाद सत्ता पर कब्जा कर लिया था। दूसरी ओर एएसईएम नेताओं ने सत्ताधारी जनता से आग्रह किया कि वह दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ, जो देश में हितधारकों के बीच मध्यस्थता करने वाले उनके एक विशेष दूत को स्वीकार करे। जापानी प्रकाशन ने आसियान स्रोत के हवाले से बताया कि यह बताए जाने के बाद कि केवल एक 'गैर-राजनीतिक प्रतिनिधि' ही भाग ले सकता है, म्यांमार ने एएसईएम शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लिया। एएसईएम समूह में एशिया और यूरोप के लगभग 50 देश शामिल हैं। बैठक के दौरान, विशेष रूप से क्षेत्रीय विवादों का उल्लेख करने के बजाय दक्षिण चीन सागरनेताओं ने अंतरराष्ट्रीय कानून और नौवहन की स्वतंत्रता पर आधारित संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के महत्व का उल्लेख किया।

दुनिया ख्यात फैशन डिजाइनर वर्जिल अबलोह का निधन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दुनिया के ख्यात फैशन डिजाइनर वर्जिल अबलोह का कैंसर की लंबी बीमारी के बाद इस दुनिया को अलविदा कह गए। वह 41 वर्ष के थे। लक्जरी समूह एलवीएमएच (लुई वटोन मोएट हेनेसी) और अबलोह के अपने ऑफ-व्हाइट लेबल ने रविवार को अबलोह के निधन की जानकारी दी। ऑफ-व्हाइट लेबल की स्थापना अबलोह ने 2013 में की थी। एलवीएमएच के अध्यक्ष बर्नार्ड अर्नाल्ट ने एक बयान में कहा, 'यह खबर सुन हम स्तब्ध हैं। वर्जिल एक बेहतरीन डिजाइनर ही नहीं, बल्कि एक बेहद अच्छे शख्स और बुद्धिमान इंसान थे।' अबलोह के परिवार ने डिजाइनर के इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक बयान जारी कर उनके निधन की जानकारी दी। अबलोह दो साल पहले 'कार्डियक एंजियोसारकोमा' की चपेट में आए थे, जो एक दुर्लभ किस्म के कैंसर का एक प्रकार है, जिसमें हृदय में ट्यूमर होता है। बयान में कहा गया, ह्य2019 में कैंसर से पीड़ित होने के बाद उन्होंने दुनिया को बताए बिना अकेले इससे लड़ने का फैसला किया, कई चुनौतीपूर्ण उपचार करावाएं.. साथ ही फैशन की दुनिया में अपना काम भी जारी रखा।' अबलोह 2018 में, फ्रांसीसी डिजाइन हाउस के इतिहास में लुई वटोन में पुरुषों के परिधान को डिजाइन करने वाले पहले अश्वेत शख्स थे। वह पहले घाना अमेरिकी थे, जिनकी मां ने उन्हें सिलाई करना सिखाया।

कोरोना जैसी महामारियों के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने में जुटा डब्लयूएचओ

जिनेवा, एजेंसी। कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रोन से दुनियाभर में चिंता पैदा होने के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) कोरोना जैसी महामारियों के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने सदस्य देशों का एक विशेष सत्र आयोजित कर रहा है। विशेष विश्व स्वास्थ्य सभा में मसौदा प्रस्ताव एक महामारी संधि या कानूनी रूप से बाध्य व्यवस्था की दिशा में काम करने का आह्वान करेगा, जो किसी नई महामारी से पहले अंतराष्ट्रीय स्तर पर तैयारियों को गति प्रदान करेगा। यूरोपीय आयोग के सदस्य देशों व अन्य देशों ने कवायद को संधि नाम देने की मांग की है लेकिन अमेरिका और कुछ अन्य देशों ने कहा है कि इस जैसे दस्तावेज का नामकरण करने से पहले किसी संधि की विषयवस्तु पर काम करने की जरूरत है।

ह्यसंधि एक कानूनी बाध्यकारी समझौता होगी जिसके लिए अनुमोदन करने की जरूरत होगी और इससे कुछ देशों को घरेलू राजनीतिक अड़चन का सामना करना पड़ सकता है। जिनेवा में ब्रिटेन के राजदूत साइमन मैनले ने मसौदे की प्रति ट्वीट की जिसपर आम सहमति बनी है, जो डब्ल्यूएचओ नियमों के तहत इस तरह के मुद्दों पर जरूरी है। उन्होंने ट्वीट में लिखा है, ओमीक्रोन स्वरूप ने एक बार फिर प्रदर्शित किया है कि क्यों हमें महामारी के प्रति तैयारी व मुकाबला करने के लिए साझा सहमति की जरूरत है।सोमवार को तीन दिवसीय बैठक डिजिटल रूप से शुरू हुई।

गाजा में इजरायली हवाई हमले के बाद अल जवाहरा टॉवर के मलबे को उठाते हुए श्रमिक।

चीन में लॉकडाउन हटा तो एक दिन में 6 लाख से ज्यादा मिलेंगे कोरोना केस

बीजिंग, एजेंसी। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच चीन ने ज्यादातर हिस्सों को दुनिया के लिए बंद कर दिया है। इस बीच चीन में कोरोना वायरस महामारी को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। एक अध्ययन के मुताबिक अगर वहां लॉकडाउन हटाया गया, तो एक दिन में ही 6 लाख 30 हजार से ज्यादा कोरोना के केस सामने आ सकते हैं। यह अध्ययन बीजिंग विश्वविद्यालय के मैथ्स शोधकताओं ने किया है।

अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक-चीन में फुल वैक्सीनेशन के बाद ही ट्रैवल बैन हटाना चाहिए। टीम ने नतीजों के लिए अमेरिका, ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस और इजराइल के अगस्त के आंकड़ों के आधार पर अध्ययन किया है। बीजिंग विश्वविद्यालय के गणितज्ञों की रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर चीन अन्य देशों की तरह यात्रा प्रतिबंध हटा देता है और कोराना वायरस संक्रमण के प्रसार को कतई बर्दाश्त नहीं करने के रुख को छोड़ देता है, तो देश में रोजाना 6,30,000 से ज्यादा मामले सामने आ सकते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया आकलन में खुलासा हुआ है कि भंयकर प्रकोप की संभावना है जिसका बोझ मेडिकल सिस्टम नहीं उठा सकता। चीन में शनिवार को कोविड-19 के 23 नए मामले सामने आए जिनमें से 20 मामले अन्य देशों से आए और बीजिंग सहित अन्य शहरों में संक्रमण के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। कोरोना महामारी शुरू होने से पहले चीन के वुहान शहर में वर्ष 2019 के अंत में कोविड-19 का पहला मामला आया था। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक, चीन में अबतक कोविड-19 के 98,631 मामले आए हैं, जबकि 4,636 मरीजों की मौत हुई है। इस समय 785 मरीज इलाज करा रहे हैं।

इंसानों की तरह खुद को तेजी से बदल लेता है ओमिक्रॉन, डेल्टा से 6 गुना ज्यादा म्यूटेशन

रोम, एजेंसी। दुनिया कोरोना के डेल्टा वेरिएंट से उबरने की कोशिश में जुटी थी कि एक उससे भी ज्यादा खतरनाक नए स्ट्रेन ओमिक्रॉन ने दस्तक दे दी है। साउथ अफ्रीका में मिले इस नए वेरिएंट ने एक बार फिर से दुनियाभर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है। ओमिक्रॉन वेरिएंट में डेल्टा वेरिएंट की तुलना में ओमिक्रॉन में 6 गुना ज्यादा म्यूटेशन हो रहे हैं।

इसकी पुष्टि ओमिक्रॉन पर हुए रिसर्च में हुई है। कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन की पहली तस्वीर रोम के प्रतिष्ठित बैम्बिनो गेसू अस्पताल ने प्रकाशित की है। रिसर्च में कहा गया है कि यह वेरिएंट इंसानों की तरह खुद को बदल रहा है। नए वेरिएंट ओमिक्रॉन पर रिसर्च कर रही टीम ने कहा ओमिक्रॉन को तीन आयामों से देखने के बाद कहा जा सकता है कि यह डेल्टा वेरिएंट से ज्यादा म्यूटेशन कर सकता है। यह वेरिएंट लगातार खुद को इंसानों के मुताबिक बदल रहा है।

प्रोटीन म्यूटेशन के साथ यह मानव कोशिकाओं पर प्रभाव डालता है। शोधकताओं का कहना है कि ये नतीजे इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचे हैं कि यह म्यूटेशन अधिक खतरनाक हैं। उनका कहना है कि नया वेरिएंट खुद को मानव प्रजातियों के अनुकूल बना रहा है, लेकिन हमें इस पर और रिसर्च की जरूरत है। ताकि पता चल सके कि यह खतरनाक है या नहीं।

चिंता की बात ये है कि पहचाने जाने के सिर्फ दो दिन में ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ओमिक्रॉन को वेरिएंट ऑफ कंसर्न घोषित कर दिया है।

दुनिया में सबसे ज्यादा तबाही मचाने वाले डेल्टा वेरिएंट को भी पहले इस श्रेणी में घोषित किया गया था। कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन का पहला केस 24 नवंबर 2021 को साउथ अफ्रीका में मिला था। साउथ अफ्रीका के अलावा यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, इटली, बेल्जियम, बोत्सवाना, हांगकांग और इजराइल में भी इस वेरिएंट की पहचान हुई है। इस वेरिएंट के सामने आने के बाद दुनिया के कई देशों ने दक्षिणी अफ्रीका से आने-जाने यात्रियों पर रोक लगा दी है।

चीन ने ब्रिटेन के प्रभाव वाले 42 राष्ट्रमंडल देशों में किया 913 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया के छोटे देशों में अपनी चौधराहट स्थापित करने के लिए चीन तेजी सक्रिय है। दरअसल, ड्रैगन ने ब्रिटेन से जारी तनाव के बीच बोरिस जॉनसन सरकार को बड़ा झटका देने की तैयारी कर ली है। चीन ने पिछले 16 साल में ब्रिटेन के प्रभाव वाले 42 राष्ट्रमंडल देशों में 913 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश किया है। राष्ट्रमंडल देशों में चीन की बढ़ती दिलचस्पी को लेकर ब्रिटेन सकते में है। ब्रिटेन और चीन के बीच हॉगकॉग, उइगुर और ताइवान को लेकर पहले से ही विवाद है। राष्ट्रमंडल में वे देश शामिल हैं, जो कभी न कभी ब्रिटेन के उपनिवेश रहे हैं। वाशिंगटन डीसी स्थित थिंक टैंक अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट ने आंकड़ों के आधार पर बताया है कि चीन ने 2005 से अब तक 42 राष्ट्रमंडल देशों में 913 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। इसमें कैरिबियाई देश बारबाडोस और जमैका भी शामिल हैं। सोमवार को गणतंत्र बनने के लिए तैयार बारबाडोस में चीन ने 667 मिलियन डॉलर जबकि पड़ोसी जमैका में 3.4 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले सोलह वर्षों में, चीन ने बारबाडोस में सड़कों, घरों, सीवरों और एक होटल में लगभग 667 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। जमैका में चीन ने 3.4 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। जमैका की जीडीपी 21.8 बिलियन डॉलर की है। जिससे कैरिबियाई देशों में चीनी निवेश के मामले में जमैका पहले स्थान पर पहुंच गया है। ब्रिटेन के विदेश सचिव लिज ट्रस ने बुधवार को कॉमनवेल्थ डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट के साथ बदलने की योजना की घोषणा की। उन्होंने आशा जताई कि नई बॉडी 2025 तक राष्ट्रमंडल देशों में प्रति वर्ष निवेश में 10 बिलियन डॉलर की राशि प्रदान करेगा। यह बॉडी प्राइवेट सेक्टर और दूसरे पश्चिमी देशों को राष्ट्रमंडल देशों में अधिक निवेश के लिए प्रोत्साहित करेगा।

आलोचकों का कहना है कि उन्हें आश्चर्य है कि ब्रिटेन को ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट पर कदम उठाने में इतना समय क्यों लगा। प्राग में सिनोप्सिस प्रोजेक्ट के एक सीनियर नॉन रेजीडेंट फेलो दीदी कर्स्टन टैटलो ने कहा कि हम दशकों से एक ही ढर्रे पर चल रहे हैं। हमने मूल रूप से गलत समझा कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी क्या है, और वह क्या चाहती है। हमने इस परिदृश्य में गलती की है। उन्होंने कहा कि वे अपने काफी वित्तीय संसाधनों का उपयोग समाज में रणनीतिक निर्भरता बनाने के लिए कर रहे हैं। चीन जहां भी ऐसा कर सकता है वह उस देश में कर भी रहा है। इस तरह आप दुनिया को नियंत्रित करना शुरू करते हैं। इससे अधिनायकवाद के फैलने का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है क्योंकि देश इसके बारे में कुछ भी करने का जोखिम नहीं उठा सकते हैं।

दक्षिण अफ्रीका में शेवाने यूनिवर्सिटी बना ओमीक्रोन का हॉटस्पाट, कुछ परीक्षाएं स्थगित

प्रिटोरिया, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना मामलों के हुई नवीनतम बढ़ोतरी में शेवाने यूनिवर्सिटी (टीयूटी) ऑफ टेक्नोलॉजी एक ह्यहॉटस्पॉटह्ल के तौर उभरा है।विश्वविद्यालय में कई छात्र के संक्रमित होने पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने कुछ परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। अधिकारी विशेष तौर पर कम आयु के लोगों में टीकाकरण पर अधिक जोर दे रहे हैं,जिससें इसकी गति धीमी थी। टीयूटी में अधिकतर छात्रों को टीका नहीं लगा है। दक्षिण अफ्रीका में 18 से 34 वर्ष के लोगों में में से केवल 22 प्रतिशत को टीका लगाया गया है। इस आयु के लोगों में से कुछ अब टीके लेने पर पुनर्विचार कर रहे हैं।

हालांकि,विश्वविद्यालय का टीकाकरण केंद्र सप्ताहांत के लिए बंद था। टीके की एक खुराक ले चुके छात्र ने कहा कि वह साथी सहपाठियों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करने वाले है।छात्र ने कहा, मैं उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रहा हूं, ताकि वे टीका लें। इससे वे कोरोना से दूर रह सकते हैं। महामारी से लोग मर रहे हैं और संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है।कोरोना महामारी को लगभग दो साल बीत चुके हैं। दुनिया कोविड-19 के नये स्वरूप के संक्रमण को रोकने के लिए संघर्ष कर रही है, जिसकी पहले दक्षिण अफ्रीका में पहचान की गई थी।

कई देश द.अफ्रीका के यात्रियों पर प्रतिबंध लगा रहे हैं, जो कि अफ्रीकी सरकार के लिए निराशाजनक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वायरस के नये स्वरूप को ओमीक्रोन नाम दिया है और इसे एक चिंता वाले स्वरूप के रूप में वगीर्कृत किया है,जो अत्यंत संक्रामक है। हालांकि, इसके वास्तविक जोखिमों को अभी तक समझा नहीं गया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि शुरूआती सबूत बताते हैं कि इससे जोखिम बढ़ गया है कि जिन लोगों को पहले से ही कोविड-19 हो चुका है, उन्हें यह फिर हो सकता है।

यह जानने में हफ्तों लग सकते हैं, कि क्या मौजूदा टीके इसके खिलाफ कम प्रभावी हैं। फिर भी, कुछ विशेषज्ञ इस लेकर आशावादी हैं, कि टीके गंभीर बीमारी और मृत्यु को रोकने में कम से कम कुछ हद तक प्रभावी है। उन्होंने लोगों को टीका लगाने के लिए प्रोत्साहित करना जारी रखा है।

फेक न्यूज के प्रसार पर पाबंदी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से समाधान संभव

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। संचार क्रांति के इय युग में युद्ध और सैन्य रणनीति में दुष्प्रचार किया जाता रहा है। क्योंकि ये संचार प्रौद्योगिकियां किसी भी सूचना को कहीं भी पहुंचाने के लिए अपेक्षाकृत कम लागत वाला, कम-अवरोधक तरीका प्रदान करती हैं। ऐसे में बड़ा प्रश्न यह है कि क्या तकनीकी कारणों से पैदा हुई इस विशाल पैमाने और पहुंच की समस्या को प्रौद्योगिकी का उपयोग करके हल किया जा सकता है? दरअसल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसे नए तकनीकी समाधानों का निरंतर विकास कुछ हद तक इसका समाधान प्रदान कर सकता है। प्रौद्योगिकी कंपनियां और सोशल मीडिया उद्यम प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, मशीन लर्निंग और नेटवर्क विश्लेषण के माध्यम से नकली समाचारों का स्वतः पता लगाने पर काम कर रहे हैं। विचार यह है कि एक ऐसी एल्गोरिदम या प्रणाली विकसित की जाए जो ह्यफर्जी समाचारह्ल के रूप में किसी भी सूचना की पहचान करेगा और इसे कमतर बताकर उपयोगकताओं को इसे न देखने के लिए हतोत्साहित करेगा। मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से, एक ही जानकारी के बार-बार संपर्क में आने से किसी के लिए उस पर विश्वास करना अधिक संभव हो जाता है। जब एआई सूचना के फर्जी होने की पहचान कर लेगा तो वह इसके बार बार सामने आने की संभावना को कम करता है। इससे वह प्रबलित सूचना खपत पैटर्न के चक्र को तोड़ सकता है।

हालांकि, एआई का किसी सूचना के फर्जी होने का पता लगाना अभी भी अविश्वसनीय है। पहले तो, वर्तमान पहचान इसकी विश्वसनीयता निर्धारित करने के लिए पाठ (सामग्री) और उसके सामाजिक नेटवर्क के आकलन पर आधारित है। स्रोतों की उत्पत्ति और फर्जी समाचारों के प्रसार पैटर्न को निर्धारित करने के बावजूद, मूलभूत समस्या यह है कि एआई सामग्री की वास्तविक प्रकृति को कैसे सत्यापित करता है। सैद्धांतिक रूप से, यदि प्रशिक्षण डेटा की मात्रा पर्याप्त है, तो एआई-समर्थित वर्गीकरण मॉडल यह व्याख्या करने में सक्षम होगा कि किसी लेख में फर्जी समाचार हैं या नहीं। फिर भी वास्तविकता यह है कि इस तरह के भेद करने के लिए प्रणाली में राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक ज्ञान, या सामान्य ज्ञान की व्यापक आवश्यकता होती है, जो कि प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण एल्गोरिदम में अभी भी कम है। इसके अलावा, फर्जी समाचारों को जब जान बूझकर ह्यवास्तविक समाचारोंह्ल के रूप में पेश करना होता है तो इन्हें अत्यंत बारीकी से तैयार किया जाता है, लेकिन इसमें झूठी या जोड़-तोड़ वाली जानकारी होती है, जैसा कि प्री-प्रिंट अध्ययन से पता चलता है।

वर्गीकरण विश्लेषण भी विषय से काफी प्रभावित होता है- एआई अक्सर इसकी प्रामाणिकता निर्धारित करने के लिए मुद्दे की सामग्री के बजाय विषयों को अलग करता है। उदाहरण के लिए, कोविड-19 से संबंधित लेखों को अन्य विषयों की तुलना में फर्जी समाचार के रूप में लेबल किए जाने की अधिक संभावना है। एक समाधान यह होगा कि सूचना की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए लोगों को एआई के साथ काम करने के लिए नियुक्त किया जाए। उदाहरण के लिए, 2018 में, लिथुआनियाई रक्षा मंत्रालय ने एक एआई प्रोग्राम विकसित किया, जो ह्यप्रकाशन के दो मिनट के भीतर दुष्प्रचार को चिह्नित करता है और उन रिपोर्टों को आगे के विश्लेषण के लिए मानव विशेषज्ञों को भेजता है ह्ल कनाडा में भी गलत सूचनाओं से निपटने के लिए एक राष्ट्रीय विशेष इकाई या विभाग स्थापित करके या फर्जी समाचारों के लिए एआई समाधानों पर शोध करने के लिए थिंक टैंक, विश्वविद्यालयों और अन्य तीसरे पक्षों को बढ़ावा देकर इसी तरह का दृष्टिकोण अपनाया जा सकता है।

केएफसी की नई एक्सप्रेस पिक-अप सेवा

चंडीगढ़ : जरा याद कीजिए उस वक्त को जब आप दिन में भी अपनी पसंदीदा केएफसी चिकन बकेट के सपने देखा करते थे, और सोचते थे कि काश आपको वह फौरन मिल जाए। आपकेइन्हीं सपनों कोन सिर्फ साकार करते हुए,बल्कि उन्हें जल्द साकार करते हुए केएफसी इंडिया ने अपनी नई एक्सप्रेस पिक अप सर्विस पेश की है। यानी आपका टेकअवे ऑर्डर अब सिर्फ 7 मिनट में तैयार हो जाएगा।7 मिनट मेंसुरक्षित तरीके से पैकहोके, पिक-अप के लिए तैयार और बिल्कुल गरमागरम और स्वादिष्ट भी होगा। है न अविश्वसनीयम ! आप अपना ऑर्डर रेस्टॉरेंट में या केएफसी एप अथवा वेबसाइट के जरिए प्लेसकर सकते हैं,जो कि ह्यतेजह्नरफ्तार से तैयार होगा और केएफसी के भरोसे के अनुरूप आपको मिलेगा ह्यअमेजह्नटेस्टसे भरपूर। और जब हमकहते हैं 7, तो हमारा मतलब हैवाकई में7 मिनटे ऐसा नहीं कर पाने पर आपको मिलेगा एक हॉट एंड क्रिस्पी चिकनपीस बिल्कुल मुफ्त। तोअगर केएफसी चिकनआपके ख्यालों में है, तो झटपट अपने नजदीकी केएफसी रेस्टॉरेंट जाएं और केएफसी एक्सप्रेस पिक-अप चुनकर उन ख्यालों को साकार करें !केएफसी की तलब का जवाब है केएफसी की एक्सप्रेस स्पीड जिसके बारे में समीर मेनन, प्रबंध निदेशक, केएफसी इंडिया, कहते हैं, आज सभी के पास समय की किल्ल्त है और उस पर हमें सब तुरंत चाहिएहोता है। ऐसे में केएफसी क्यों पीछे रहे। हमारा मानना है कि आपकी केएफसी बकेट और आपके बीच कुछ भी नहीं आना चाहिए, यहां तक कि आपके ऑर्डर के लिए प्रतीक्षा समय भी नहीं। और बस यही ध्यान में रखकर हमने अपनी 7-मिनट एक्सप्रेस पिक-अप सर्विस शुरू की है, जो तेजी से आपको केएफसी के जबर्दस्त स्वाद का मजा दिलाती है । केएफसीऔर इसकी विभिन्न पेशकशों को अपने ग्राहकों तक अधिक आसानी से उपलब्ध करवाने के साथ-साथ, केएफसी का सिग्नेचर स्वाद सुनिश्चित करना हमेशा से हमारी प्राथमिकता रही है। इससे पहले केएफसी टू योर कार/बाइक जैसे इनोवेटिव चैनल्स पेश करने के अलावा हमने डिलीवरी और डाइन-इन को अपने कॉन्टैक्टलैस सर्विस से मजबूत बनायाहै। और अब हमारी एक्सप्रेस पिक-अप सर्विस हमारे ग्राहकों के लिए एकदम नया, स्वाद से भरपूर और एक्सप्रेस अनुभव लेकर हाजिर हुई है। तो अब आपको अपनी केएफसी की तलब को सिर्फ 7 मिनटोंके लिएरोककर रखना होगा !

सैमसंग आईआईटी, अन्य शीर्ष कॉलेजों से 1,000 इंजीनियरों को भर्ती करेगी

चंडीगढ़ : सैमसंग देश में अपने तीन आरएंडडी सेंटर्स के लिए मौजूदा भर्ती सत्र में भारत में 1,000 से अधिक इंजीनियरों को नियुक्त करने की योजना बना रहा है। ये युवा इंजीनियर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, आईओटी, डीप लर्निंग, नेटवर्क, इमेज प्रोसेसिंग, क्लाउड, डेटा एनालिसिस, ऑनडिवाइस एआई के साथ-साथ कैमरा टेक्नोलॉजी जैसे अत्याधुनिक डोमेन पर काम करेंगे।बेंगलुरू, नोएडा और दिल्ली में अपने तीन आरएंडडी सेंटर्स के लिए सैमसंग दिल्ली, कानपुर, मुंबई, मद्रास, गुवाहाटी, खड़गपुर, बीएचयू, रुड़की जैसे नए आईआईटी कैंपस से लगभग 260 इंजीनियरों को नियुक्त करेगी, जबकि बाकी नियुक्तियां अन्य शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे बिट्स पिलानी, आईआईआईटी और एनआईटी, आदि से की जाएंगी। सैमसंग ने खास भारत से जुड़ी चुनौतियों के इनोवेटिव सॉल्यूशन तैयार के अपने प्रयासों को मदद पहुंचाने के लिए कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, गणित एवं कंप्यूटिंग, इंस्ट्रुमेंटेशन एवं सूचना प्रौद्योगिकी सहित कई स्ट्रीम्स के छात्रों को नौकरी देने की योजना बनाई है। समीर वधावन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रमुख, मानव संसाधन, सैमसंग इंडिया ने कहा, सैमसंग भारत में 25 वर्षों से अधिक समय से मौजूद है और भारत में हमारे आर एंड डी सेंटर कोरिया के बाहर स्थापित सबसे बड़े आर एंड डी सेंटर हैं। भारत में आर एंड डी सेगमेंट पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुआ है और हमने उन भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित किया है जो हमें भविष्य के लिए इनोवेशन करने और खास सॉल्यूशन तैयार करने में मदद करती हैं। हमारे प्रतिभाशाली इंजीनियर आगे भी दुनिया भर की टीमों के साथ काम करती रहेंगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय अनुभव और उचित परामर्श मिले। इस साल, हमने 1,000 से अधिक इंजीनियरों को नौकरी देने की योजना बनाई है और पहले ही आईआईटी और अन्य शीर्ष संस्थानों में इंजीनियरों को 250 पीपीओ पेश कर चुके हैं।

संक्षिप्त समाचार

एचडीएफसी एर्गो ने किसानों के लिये एक वेब-बेस्ड सेल्फ-हेल्प पोर्टल पेश किया

शिमला। निजी क्षेत्र में भारत की प्रमुख गैर-जीवन बीमा कंपनी एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस ने किसानों के लिये एक वेब-बेस्ड सेल्फ-हेल्प पोर्टल पेश किया है। इस पोर्टल से किसानों को कंपनी में अपने स्थानीय एवं फसल के बाद के दावों की सूचना करने में मदद मिलेगी। एचडीएफसी एर्गो एक प्रमुख कंपनी है, जो भारत सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाय) के अंतर्गत 6.9 मिलियन से ज्यादा किसानों को बीमा कवरेज प्रदान करती है। सेल्फ-हेल्प पोर्टल पेश करने पर अपनी बात रखते हुए, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी के डिप्टी एमडी श्री अनुज त्यागी ने कहा, ह्लसारे दावों की प्रोसेसिंग करना और ग्राहकों के सवालों का समाधान करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और एक डिजिटल-फर्स्ट बीमा प्रदाता होने के नाते, हम सुनिश्चित करते हैं कि हमारे सभी समाधानों में टेक्नोलॉजी शामिल हो। अपने सभी कामों में टेक्नोलॉजी को मिलाकर हम सुनिश्चित करते हैं कि ग्राहकों को दावे के निपटान का त्वरित टर्नअराउंड टाइम मिले। इस यूजर-फ्रैंडली पोर्टल को लॉन्च कर हमने किसानों के लिये दावों की सूचना और ट्रैकिंग की प्रक्रिया को आसान और व्यवस्थित बनाया है।ह्व पीएमएफबीवाय के परिचालन सम्बंधी दिशा-निर्देशों में किसानों को खेत में जल-भराव होने, ओलावृष्टि और भूस्खलन के कारण हुई हानियों पर दावे करना जरूरी होता है। हालिया समय तक यह दावे या तो एचडीएफसी एर्गो के कॉल सेंटरों, शाखार्स या पीएमएफबीवाय के पोर्टल/ एप्लीकेशन के माध्यम से किये जाते थे। लेकिन पीएमएफबीवाय के लिये नाम लिखाने वाले किसानों की बढ़ती संख्या और बीमा पर जागरूकता बढ़ने के साथ, कई किसान अपने दावे दर्ज नहीं करवा पा रहे थे, जिससे उन्हें असंतोष हो रहा था।

एक दिसंबर से महंगी होने वाली हैं माचिस समेत कई रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजें

नई दिल्ली, एजेंसी। साल के आखिरी माह यानी दिसंबर के शुरू होने में अब चंद दिन बचे हैं। नए महीने में आम लोगों को महंगाई की मार झेलनी पड़ेगी। दरअसल, माचिस समेत रोजमर्रा से जुड़ी कई चीजें महंगी होने वाली हैं। आइए जानते हैं कि 1 दिसंबर से क्या कुछ महंगा हो जाएगा। एक दिसंबर से माचिस के दाम 1 रुपए बढ़ जाएंगे। इस बढ़ोतरी के बाद माचिस की नई कीमत 2 रुपए होगी। करीब 14 साल बाद कीमत में बढ़ोतरी हुई है। आखिरी बार साल 2007 में माचिस की कीमत में 50 पैसे की बढ़ोतरी हुई थी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने बचत खाताधारकों को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, सेविंग्स अकाउंट की ब्याज दरों में कटौती की गई है। अब सालाना ब्याज दर 2 ।90 फीसदी से घटकर 2 ।80 फीसदी हो गई है। नई दरें 1 दिसंबर से लागू होंगी। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो 1 दिसंबर से झटका लगने वाला है। एसबीआई की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक हर खरीदारी पर 99 रुपए और टैक्स अलग से देना होगा। यह प्रोसेसिंग चार्ज होगा। दिसंबर महीने में एलपीजी गैस की कीमत में भी बदलाव हो सकता है। इस बात की आशंका है कि एक बार फिर एलपीजी के दाम बढ़ सकते हैं। इसके अलावा एटीएफ यानी जेट ईंधन भी महंगा हो सकता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में सतत गिरावट के बाद ही देश में घटेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोल-डीजल की आसमान छूती कीमतों पर अंकुश लगाने में अक्षम सरकार की ओर से ताजा बयान आया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के दाम यदि कुछ और दिन तक निचले स्तर पर बने रहते हैं, तभी देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें नीचे आएंगी। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि घरेलू स्तर पर खुदरा कीमतें 15 दिन के रोलिंग औसत के आधार पर तय की जाती हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कीमतों में सतत गिरावट के बाद ही यहां दाम घटेंगे। वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें नवंबर में (25 नवंबर तक) मोटे तौर पर लगभग 80 से 82 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में रही हैं। गत शुक्रवार को कच्चे तेल का दाम करीब चार डॉलर प्रति बैरल और घट गया था। उसके बाद ब्रेंट वायदा में बिकवाली से लंदन के आईसीई में इसकी कीमत छह डॉलर और घटकर 72.91 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुई। सूत्रों ने कहा कि यह कोविड के नए स्वरूप ओमीक्रोम की वजह से पैदा हुए डर की तत्काल प्रतिक्रिया लगती है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनिया इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) दैनिक आधार पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संशोधन करती हैं। लेकिन यह संशोधन पिछले पखवाड़े में औसत बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय दरों के हिसाब से होता है। इसलिए रविवार की कीमत पिछले 15 दिन के औसत से तय होगी। एक सूत्र ने कहा, शुक्रवार को दरों में गिरावट से स्वाभाविक रूप से यह उम्मीद बन रही थी कि पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल के दाम घटेंगे। लेकिन खुदरा कीमतें ऐसे तय नहीं होतीं। चूंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें नवंबर के अधिकांश दिनों में सीमित दायरे में रही हैं, ऐसे शुक्रवार को आई गिरावट से औसत मूल्य पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा।

आईआईटी संस्थानों में 1 दिसंबर से प्लेसमेंट सीजन वर्चुअली शुरू होगा

मुंबई, एजेंसी। आईआईटी बॉम्बे में पिछली बार महामारी के कारण प्लेसमेंट की रफ्तार धीमी रही थी लेकिन इस बार उम्मीद की जा रही है कि आईआईटी बाम्बे में प्लेसमेंट बढ़ सकता है। माना जा रहा है कि अमेरिका की आईटी कंपनी कोहेसिटी और पहली बार रिक्रूट करने जा रही ग्लीन प्लेसमेंट सीजन के पहले दिन टॉप पैकेज के साथ अमेरिका में नौकरी का ऑफर दे सकती हैं। सभी प्रमुख आईआईटी संस्थानों में 1 दिसंबर से सालाना प्लेसमेंट सीजन वर्चुअली शुरू होगा। माना जा रहा है कि कोहेसिटी सबसे बड़ा ऑफर दे सकती है। कंपनी प्लेसमेंट के पहले दिन 1.46 करोड़ रुपए (करीब 1,95,000 अमेरिकी डॉलर) का सबसे बड़ा ऑफर दे सकती हैं। इसके बाद ग्लीन का ऑफर सबसे बड़ा हो सकता है। कंपनी 1.12 करोड़ रुपए (1,50,000 डॉलर) का पैकेज दे सकती है। इस पैकेज में इंसेंटिव और स्टॉक ऑप्शंस भी शामिल हैं। क्लाउड डेटा मैनेजमेंट कंपनी रुब्रिक भी अमेरिका में नौकरी के लिए 75 लाख रुपए (1,00,000 डॉलर) का पैकेज ऑफर करेगी लेकिन ही लैब्स ने अब तक इसकी पुष्टि नहीं की है। सॉफ्टवेयर कंपनियां सबसे ज्यादा कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग के छात्रों को लेती हैं। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक छात्रों का नंबर आता है। अमेरिका में नौकरी दे रहीं कुछ कंपनियां कैंपस से रिक्रूटमेंट की योजना बना रही हैं।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च किया नया सोलारियम क्यूब प्लस वॉटर हीटर, अब परफेक्ट हॉट वॉटर के साथ सर्दियों में नहाने के डर को दूर भगाएं !

चंडीगढ़ : सर्दियां आ गई हैं। ऐसे में सेहत और साफ-सफाई का ज्यादा ध्यान रखना पड़ेगा। अब हम ठंडे पानी से नहाने की जगह गर्म पानी से नहाने लगे हैं। सर्दियों में इससे बढ़कर कुछ सुकून नहीं होता कि आपके शरीर का तापमान आदर्श लेवल पर रहे, जिससे आपको दिन भर अपना काम मुस्तैदी से करने की ऊर्जा मिलती रहे या आप अपने दिन के अंत में परफेक्ट गर्म पानी से नहाएं। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड क्वालिटी, भरोसे और आधुनिक तकनीक के मामले में भारत का सबसे पसंदीदा ब्रांड है। लोगों की जरूरतों के अनुसार नए-नए इनोवेशन करने और अत्याधुनिक खूबियों के साथ इसकी 75 से ज्यादा सालों की बेहतरीन प्रदर्शन की विरासत रही है। कंपनी ने नया सोलारियम क्यूब प्लस वॉटर हीटर लॉन्च किया है। अपनी उच्च रेटिंग एवं बेहद प्रशंसित सोलारियम सीरीज के साथ, यह नया वॉटर हीटर बेहतरीन हीटिंग परफॉर्मेंस, स्मार्ट एनर्जी मैनेजमेंट और एक समकालीन डिजिटल डिस्प्ले के साथ मिलता है, जिससे आपको परफेक्ट हॉट वॉटर पाने में मदद मिले।क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड में अप्लायंस बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री सचिन फर्तियाल ने कहा, ह्लक्रॉम्पटन में हम प्रॉडक्ट में नए-नए इनोवेशन करते रहते हैं, जिससे उपभोक्ताओं को रोजमर्रा के जीवन में सुविधा मिलती है। आज सर्दियों का मौसम आ गया है तो वॉटर हीटर एक ऐसा घरेलू उपकरण बन गया है, जिसे घर के सभी सदस्य पहले से ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। हम आधुनिक तकनीक से बदलाव लाकर परंपरागत वॉटर हीटर का डिजिटलीकरण करना चाहते है, जिसे यह सभी पीढ़ियों के लोगों के लिए सुविधाजनक और परेशानी रहित हो सके। हमारा लक्ष्य लगातार प्रॉडक्ट्स में नए-नए फीचर जोड़ना है। सोलारियम क्यूब प्लस निरंतर सुधार करने, नवाचार करने और ग्राहकों की जानकारी पर काम करने का हमारा उल्लेखनीय नतीजा है। हम उम्मीद करते हैं कि इस नए युग के वॉटर हीटर से सर्दियां ज्यादा आरामदायक और स्वस्थ ढंग से बीतेंगी। इससे हमारे उपभोक्ताओं को बिना किसी शक के परफेक्ट हॉट वॉटर हासिल करने में मदद मिलेगी।ह्व यह रेंज 15 लीटर और 25 लीटर की कैपेसिटी में आती है। इनके दाम क्रमशः 14,000 रुपये और 16200 रुपये है। यह भारत के सभी बाजारों में उपलब्ध है।

हरियाणा सरकार ने एटीएफ पर घटाया वैट

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने विमानों में उपयोगी ईंधन (एटीएफ) पर लागू मूल्य-वर्द्धित कर यानी वैल्यू एडेड टैक्स (वैट) में कटौती कर एक प्रतिशत कर दिया है। सिविल एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हरियाणा सरकार के इस कदम की सराहना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का यह कदम अन्य राज्यों के समक्ष एक उदाहरण पेश करेगा।सिंधिया ने अपने ट्वीट में कहा कि विमान ईंधन पर वैट की दर को एक प्रतिशत करने से हरियाणा में हवाई संपर्क एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही हरियाणा कर दरों में कटौती करने वाले अंडमान एवं निकोबार, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और त्रिपुरा की लिस्ट में शामिल हो गया है। नागर विमानन मंत्री लगातार राज्यों से विमान ईंधन पर टैक्स रेट में कटौती का अनुरोध करते रहे हैं। किसी भी एयरलाइन की परिचालन लागत का एक बड़ा हिस्सा विमान ईंधन का होता है। अगर यह घट जाता है तो विमानन कंपनियों के लिए विमान ईंधन सस्ता हो जाएगा और उड़ानों की संख्या में इजाफा होगा। साथ ही इससे हवाई टिकट का दाम घट सकता है।सिंधिया ने हाल में देश के सबसे बड़े राज्य यूपी से भी एटीएफ पर वैट में कटौती करने की अपील की थी। उनका कहना है कि यूपी सरकार में मंत्री सतीश महाना और नंद गोपाल गुप्ता नंदी को उत्तर प्रदेश सरकार की अगली कैबिनेट मीटिंग में इसे हटाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील करनी चाहिए। सिंधिया ने यूपी के कानपुर-बेंगलुरु फ्लाइट लॉन्च के मौके पर यह बात कही थी।

स्कोडा कोडिएक 2022 अगले साल जनवरी में लांच होगी

डिजाइन में बदलाव कर बनाया गया है इसे आकर्षक

नई दिल्ली, एजेंसी। स्कोडा की नई अपडेटेड स्कोडा कोडिएक 2022 अगले साल जनवरी में लांच होगी। 7 सीटर इस एसयूवी के बोनट, ग्रिल, बम्पर्स, हैडलाइट्स और पीछे की लाइट्स के डिजाइन में बदलाव कर इसे और अधिक आकर्षक बनाया गया है। भारत में पिछले साल अप्रैल से ही स्कोडा कोडिएक की बिक्री बंद है।अप्रैल 2020 से कोडिएक की भारत में बिक्री बंद है। 2022 कोडिएक के डिजाइन में बदलाव कर इसे आकर्षक बनाने की कोशिश की गई है।देश में बीएस-6 इमिशन नॉर्म लागू होने के कारण स्कोडा को अपनी इस एसयूवी की बिक्री रोकनी पड़ी थी। स्कोडा कोडिएक 2022 एक नए लुक में भारत में एंट्री करने को तैयार हो रही है। नई कोडिएक की एक्स शोरूम कीमत करीब 33 लाख रुपए होने की संभावना है। हालांकि कंपनी ने अभी कीमत को लेकर कोई घोषणा नहीं की है। अगर हम इंजन की बात करें तो 2022 कोडिएक में दो लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन लगा है। कोडिएक के नए मॉडल में डीजल इंजन का ऑप्शन नहीं होगा।

एसयूवी में 7-स्पीड डीएसजी गियरबॉक्स होगा। साथ ही ऑल व्हील ड्राइव मोड होगा।2022 कोडिएक डिजाइन में पुरानी कोडिएक से अलग नजर आएगी। फ्रंट ग्रिल, बोनट, हेडलाइट्स और बम्पर में बदलाव किए गए हैं। इसमें एलईडी मैट्रिक्स हेडलैंप्स दिए गए हैं। टेललैंप्स में हल्का लेकिन प्रभावी बदलाव किया गया है। इसी तरह आगे और पीछे के बम्पर्स को भी भी नया लुक दिया गया है। 2022 कोडिएक में नए डिजाइन किए गए अलॉय व्हील लगाए गए हैं। ये काफी आकर्षक हैं और कंपनी को उम्मीद है कि ये युवाओं को को बेहद पसंद आएंगे। स्कोडा कोडिएक के इंटीरियर लेआउट में ज्यादा बदलाव नहीं किया गया है। इसमें 10.25 इंच वर्चुअल कॉकपिट इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 10 स्पीकर केंटोन साउंडसिस्टम तथा ऑटोमेटिक क्लाइमेंट कंट्रोल जैसे फीचर दिए गए हैं।

कोडिएक के पुराने मॉडल में 8 इंच टचस्क्रीन इन्फोटेन्मेंट सिस्टम लगा था। उम्मीद की जा रही है कि इसे बदलकर 9.2 इंच का किया जा सकता है। यही सिस्टम ग्लोबल स्पेस मॉडल में अभी कंपनी दे रही है।कोडिएक के अपडेटेड मॉडल में टू-स्पोक स्टिरिंग लगाया गया है। सीट के डिजाइन को थोड़ा बदला गया है। इलेक्ट्रिक्ली एडजस्टेबल लेदर सीट लगाई गई है। केबिन के ज्यादा फीचर पुराने वाले मॉडल के ही रखे गए हैं।

शार्क टैंक के पहले सीजन को होस्ट करेंगे रणविजय सिंघा

चंडीगढ़ : उद्यमिता के सपनों को हकीकत में बदलने के उद्देश्य के साथ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन विश्व के मशहूर बिजनेस रियलिटी शो शार्क टैंक का भारतीय संस्करण लेकर आ रहा है। 20 दिसंबर को शुरू हो रहा शार्क टैंक इंडिया ऐसे उभरते एंटरप्रेन्योर्स को एक सुनहरा मौका और एक मंच देगा, जिनके पास दिलचस्प बिजनेस आइडियाज हैं ।इस रोमांच को दोगुना करते हुए सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन ने दिलकश एक्टर और पॉपुलर यूथ आइकॉन रणविजय सिंघा को इस शो के होस्ट के रूप में चुना है ।जहां सभी शार्क्स भारत के उद्यमिता तंत्र को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, वहीं होस्ट रणविजय दर्शकों के लिए गाइड का काम करेंगे। शार्क टैंक इंडिया होस्ट करने को लेकर अपना उत्साह जताते हुए रणविजय सिंह ने कहा, ह्लशार्क टैंक इंडिया जैसे क्रांतिकारी शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव है। मैं पिछले कई वर्षों से शार्क टैंक इंडिया के ग्लोबल वर्शन का जबर्दस्त फैन हूं और मैंने हमेशा अपनी फैमिली के साथ इस शो को एंजॉय किया है। मुझे हमेशा से यह विश्वास रहा है कि यदि शार्क टैंक इंडिया जैसा शो भारत आता है, तो इससे यहां बहुत-से व्यवसायिक उम्मीदवारों को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय अपराधी डेटाबेस के संस्थागतकरण के लिए डीएनए बुनियादी ढांचे और विनियमन में वृद्धि महत्वपूर्ण

चंडीगढ़ : पिछले कुछ महीनों में महत्वपूर्ण आंदोलनों से पता चलता है कि देश आपराधिक न्याय प्रणाली के हिस्से के रूप में डीएनए प्रौद्योगिकी को और अधिक प्रमुखता से स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। डीएनए बुनियादी ढांचे और जनशक्ति को मजबूत करने के लिए किए गए उल्लेखनीय उपाय राष्ट्रीय डीएनए डेटाबेस के लिए तैयारी के निर्माण में एक लंबा रास्ता तय करेंगे, अगर डीएनए प्रौद्योगिकी (उपयोग और अनुप्रयोग) विनियमन विधेयक, 2019 संसद में इस शीतकालीन सत्र में आगे बढ़सकताहै ।विधेयक का उद्देश्य मुख्य रूप से आपराधिक जांच उद्देश्यों के लिए डीएनए नमूने प्राप्त करनेसंग्रहित करने और परीक्षण के लिए एक नियामक ढांचा तैयार करना है। विधेयक में एक राष्ट्रीय डेटा बैंक और क्षेत्रीय डेटा बैंक स्थापित करने का भी प्रयास किया गया है। फिर ये प्रोफाइल कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उन तरीकों से जांच में मार्गदर्शन करने के लिए हैं जो अब तक संभव नहीं हो पाए हैं। उस प्रभाव के लिए, डीएनए फोरेंसिक के लिए अत्याधुनिक तकनीकों की आवश्यकता होती है ताकि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को अधिक अपराधों को सुलझाने और मुकदमा चलाने में मदद मिल सके ।डीएनए इन्फ्रास्ट्रक्चर की नींव बनाने की दिशा में सकारात्मक आंदोलनों पर बोलते हुए, भारत की वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्चतम न्यायालय , डॉ पिंकी आनंद ने कहा, ह्लविज्ञान की उन्नति और डीएनए की उपयोगिता पीड़ितों के लिए विशेष रूप से जघन्य यौन अपराधों के लिए न्याय का एक उपकरण है। डीएनए सबूत को पहली बार 1985 में स्वीकार किया गया था। तब से, डीएनए का उपयोग अभियुक्तों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए तेजी से किया जाने लगाएक ताजा उदाहरण गुड़िया मामला है जहां एक सामूहिक बलात्कार और हत्या को डीएनए सबूत द्वारा सुलझाया गया था और आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। डीएनए प्रौद्योगिकी विनियमन विधेयक डीएनए के उपयोग को संस्थागत और नियंत्रित करता है; अन्य प्रावधान राष्ट्रीय और क्षेत्रीय डीएनए डेटा बैंकों की स्थापना कर रहे हैं। कम से कम 69 देशों में एक राष्ट्रीय डीएनए डेटाबेस है, जिसने अपराध का पता लगाने और दोषसिद्धि लगा ने में उल्लेखनीय परिणाम दिखाए हैं। यौन अपराधों में बार-बार अपराधी एक दुर्भाग्यपूर्ण विशेषता है। डेटा बैंक के साथ अपराध के दृश्यों, संदिग्धों, अंडर-ट्रायल का पता लगाने की क्षमता बहुत अधिक है। डेटा बैंक क्राइम सीन इंडेक्स, संदिग्धों और अंडर-ट्रायल इंडेक्स, यौन अपराध अपराधियों का इंडेक्स, लापता व्यक्ति इंडेक्स और अज्ञात मृत व्यक्ति इंडेक्स जैसे डेटा को बनाए रखेगा। अपराधियोंकीसफलगिरफ्तारीअपराधियोंकीकेसाथ-साथडेटाबैंकझूठेआरोपितोंकीबेगुनाहीसाबितकरनेमेंभीमददकरेगा ।उन्होंने कहा, ह्लएनसीआरबी ने वर्ष 2020 में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के 3,71,503 मामले दर्ज किए। महामारी की अवधि के दौरान भी बलात्कार की 28,046 घटनाएं हुई हैं। इन परिस्थितियों में डीएनए डेटाबेस विश्वसनीय और वैज्ञानिक डेटा के उपयोग से पीड़ितों की शिकायत को प्रभावी ढंग से दबाने के लिए सही दिशा में एक कदम का संकेत देगा। डीएनए बिल निश्चित रूप से समय की मांग है ।हाल ही में, निर्भया फंड की अधिकार प्राप्त अधिकारियों की समिति ने 17.31 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से छत्तीसगढ़, गुजरात, बिहार और नागालैंड राज्यों में फोरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) में डीएनए विश्लेषण सुविधाओं को मजबूत करने का प्रस्ताव रखा। महाराष्ट्र राज्य में, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने निर्भया योजना के तहत तीन फास्ट-ट्रैक डीएनए परीक्षण इकाइयाँ लॉन्च कीं, जो डीएनए सबूतपरीक्षण में तेजी लाने में मदद करेंगी। इसी तरह, कर्नाटक एफएसएल अपनी जनशक्ति बढ़ा रहा है और फोरेंसिक जांच में सहायता के लिए मोबाइल प्रयोगशालाओं में निवेश कर रहा है ।डीएनए अवसंरचना और जनशक्ति आवश्यकताओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. डी.के. थंगराज, निदेशक, सीडीएफडी, हैदराबाद ने कहा, ह्लकेंद्र और राज्य सरकार दोनों के अधिकारियों को क्षेत्रीय एफएसएल को उन्नत करके देश भर में, विशेष रूप से आंतरिक जिलों में फोरेंसिक डीएनए अपराध प्रयोगशालाओं की क्षमता का विस्तार करने की दिशा में काम करते हुए देखना अच्छा है।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

भारत-न्यूज़ीलैंड पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा

प्लेयर ऑफ द मैच : श्रेयस अय्यर

कानपुर, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यहां के ग्रीन पार्क मैदान पर खेला गया पहला क्रिकेट टेस्ट मैच बिना किसी परिणाम के ही समाप्त हो गया है। इस मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड को मैच के अंतिम दिन जीत के लिए अपनी दूसरी पारी में 280 रन बनाने थे पर वह 9 विकेट पर 165 रन ही बना पायी। टेस्ट ड्रॉ करवाने में भारतीय मूल के ही न्यूजीलैंड के बल्लेबाज रचिन रविंद्र की अहम भूमिका रही। रचिन ने कठिन हालातों में 91 गेंदों पर नाबाद 18 रन बनाए और न्यूजीलैंड को शर्मनाक हार से बचा लिया। वहीं भारतीय मूल के ही एक दूसरी खिलाड़ी एजाज पटेल भी दो रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से सबसे ज्यादा चार विकेट रविन्द्र जडेजा ने लिए जबकि आर अश्विन ने तीन विकेट लिए। अक्षर पटेल और उमेश यादव को एक-एक विकेट मिला। टीम इंडिया के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को अपने पदार्पण मैच की पहली पारी में ही शतक और दूसरी पारी में अर्धशतक लगाने के कारण प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला है।

अय्यर के शानदार शतक से भारतीय टीम अपनी पहली पारी 345 रन बनाने में सफल रही। वहीं मेहमान कीवी टीम इसके जवाब में टॉम लैथम के 95 रनों की सहायता से 296 रन बनाने में सफल रही। इस प्रकार भारतीय टीम को पहली पारी के आधार पर 49 रनों की बढ़त मिली थी। भारतीय टीम ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 234 रनों पर घोषित कर दी और कीवी टीम को जीत के लिए 284 रनों की चुनौती दी। इसका पीछा करते हुए चौथे दिन कीवी टीम ने एक विकेट पर चार रन बनाये थे।

दूसरी पारी में चौथे दिन न्यूजीलैंड का पहला विकेट विल यंग का गिरा था। यंग अश्विन की गेंद पर 2 रन बनाकर ही एलबीडब्ल्यू आउट हो गये थे।

पांचवे और अंतिम दिन एक विकेट पर चार रनों से आगे खेलते हुए कीवी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी की, दिन का पहला विकेट विलियम सोमरविले का गिरा वह 36 रन बनाकर तेज गेंदबाज उमेश यादव के शिकार बने। उनका कैच शुभमन गिल ने पकड़ा। काइल जैमीसन 5 रन बनाकर रविंद्र जडेजा की गेंद पर पेवेलियन लौटे। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए टिम साउदी भी जडेजा की गेंद पर चार रन बनाकर पेवेलियन लौट गये।

टॉम ब्लंडेल अश्विन की एक गेंद को रोकने में नाकाम रहे और बोल्ड हो गए। उन्होंने गेंद को रोका लेकिन गेंद बल्ले से लगकर विकेट्स पर जा लगी। ब्लंडेल 2 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

कप्तान केन विलियमसन के आउट होते ही टीम की जीत की उम्मीद भी टूटने लगी। रविंद्र जडेजा ने विलियमसन को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। विलियमसन ने 112 गेंदों पर 3 चौके लगाकर 24 रन बनाए।

लंच के बाद युवा स्पिनर अक्षर पटेल ने हैनरी निकल्स को एक रन पर आउट कर भारतीय टीम को 5वीं सफलता दिलाई।

रॉस टेलर को भी 2 रन के स्कोर पर जडेजा ने एलबीडब्ल्यू कर दिया। वहीं टॉम लैथम ने अर्धशतक लगाया पर इसके बाद वह भी अश्विन की गेंद पर बोल्ड हो गये। लैथम ने सबसे ज्यादा 52 रन बनाये। इस विकेट के साथ ही अश्विन टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं।

दिसंबर के अंतिम सप्ताह में हो सकती है आईपीएल की मेगा नीलामी

मुम्बई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मेगा नीलामी दिसंबर के अंतिम स्प्ताह तक होने की संभावनाएं हैं। इसी को देखते हुए बोर्ड ने सभी फ्रेंचाइजियों से कहा है कि वे 30 नवंबर तक अपने रिटेन (बरकरार) रखे गये खिलाड़ियों की सूची सौंपे। आईपीएल के अगले सत्र में आठ की जगह दस टीमें भाग लेंगी। 2022 में दो नई टीमें लखनऊ और अहमदाबाद भी आईपीएल को हिस्सा बन जाएंगी। इससे कई युवा खिलाड़ियों को भी खेलने का अवसर मिल सकता है। बीसीसीआई के नीयमों के अनुसार आईपीएल की वर्तमान टीमों में से केवल चार खिलाड़ियों को ही रिटेन किया जा सकता हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लखनऊ और अहमदाबाद की टीमें 1 से 25 दिसंबर के बीच तीन खिलाड़ियों को साइन करेंगी। नीलामी दिसबंर के पहले सप्ताह या फिर नए साल के पहले सप्ताह में हो सकती है। ऑक्शन का समय 3:30 हो सकता है। बीसीसीआई ने सभी फ्रेंचाईजियों को खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 90 करोड़ दिए हैं। कोई भी टीम इससे ज्यादा रकम खर्च नहीं कर सकती है। आईपीएल का 15 वां सत्र साल 2022 को 2 अप्रैल से शुरू होगा।

इन खिलाड़ियों का रखा जा सकता है बरकरार

मुंबई इंडियंस : रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, कीरोन पोलार्ड और ईशान किशन को रिटेन कर सकते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स : एमएस धोनी, रुतुराज गायकवाड़, रवींद्र जडेजा और मोइन अली या सैम कुरेन को रिटेन कर सकते हैं।

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल को को रिटेन कर सकते हैं।

कोलकाता नाइट राइडर्स : वेंकेटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती को रिटेन कर सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पंजाब किंग्स की टीम किसी भी खिलाड़ी को रिटेन नहीं करेगी और टीम के कप्तान केएल राहुल लखनऊ की टीम में जा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

विराट की वापसी के बाद साहा शुरू करें पारी : जाफर

मुम्बई, एजेंसी। पूर्व भारतीय बल्लेबाज वसीम जाफर ने कहा है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में कप्तान विराट कोहली की वापसी के बाद ऋद्धिमान साहा से पारी शुरू करानी चाहिये। जाफर ने कहा कि अगर दूसरे टेस्ट में मयंक अग्रवाल को बाहर किया जाता है तो शुभमन गिल के साथ पारी की शुरूआत के लिए साहा सबसे बेहतर रहेंगे। जाफर के अनुसार प्रबंधन मुम्बई टेस्ट में दो स्टार बल्लेबाजों मयंक अग्रवाल या आजिंक्य रहाणे में से किसी एक को हटा सकता है। जाफर ने कहा कि दूसरे टेस्ट के लिए टीम घोषित करन आसान नहीं रहेगा। जाफर ने कहा, यह मयंक और रहाणे दोनो को ही रखना चाहेंगे। अब यह विराट पर निर्भर है कि वह किसे चाहते हैं। क्या वह मयंक अग्रवाल के साथ जाना चाहते हैं या उन्हें एक और अवसर देना चाहते हैं या उन्हें लगता है कि रहाणे ने पिछले 10-12 टेस्ट मैचों में पर्याप्त रन नहीं बनाए हैं, इसलिए उन्हें आराम देना चाहिये। अब देखना है कि किसे बाहर किया जाता है। जाफर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारत के शुरूआती संयोजन को लेकर भी अपनी राय दी है। जाफर के अनुसार मयंक अग्रवाल मुंबई में दूसरे टेस्ट मैच में कोहली के लिए जगह बनाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैं साहा के साथ पारी की शुरूआत करूंगा, अगर मयंक अग्रवाल बाहर जाते हैं क्योंकि तब हर किसी को अपनी स्थिति से बाहर बल्लेबाजी करनी पड़ेगी। अगर पुजारा ओपन करेंगे और फिर रहाणे किसी अन्य स्थान पर बल्लेबाजी करेंगे पर अगर साहा पारी शुरू करते हैं तो सभी अपने स्थान पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।

न्यूजीलैंड का दूसरा विकेट गिरा, उमेश ने सोमरविले को पेवेलियन भेजा

कानपुर, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पांचवे दिन अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 79 रन बनाये हैं। इस प्रकार उसे जीत के लिए अभी 205 रन और बनाने हैं। अंतिम दिन एक विकेट पर चार रनों से आगे खेलते हुए कीवी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी की, दिन का पहला विकेट विलियम सोमरविले का गिरा वह 36 रन बनाकर तेज गेंदबाज उमेश यादव के शिकार बने। उनका कैच शुभमन गिल ने पकड़ा। दूसरी पारी में चौथे दिन न्यूजीलैंड का पहला विकेट विल यंग का गिरा था। यंग अश्विन की गेंद पर 2 रन बनाकर ही एलबीडब्ल्यू आउट हो गये थे। इससे पहले भारत ने अपनी दूसरी पारी 234 रन पर घोषित कर दी। भारत के पहली पारी के 345 रनों के जवाब में कीवी टीम अपनी पहली पारी में 296 रन ही बना पायी थी। इस प्रकार पहली पारी में भारतीय टीम को 49 रनों की बढ़त मिली हुई थी।

सात्विक और चिराग बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में पहुंचे

बाली, एजेंसी। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बुधवार से यहां शुरू हो रहे सत्र के अंतिम बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में जगह बनायी है। इससे पहले सात्विक और चिराग इंडोनेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। जापान के अकिरा कोगा और ताइची सेइतो के सेमीफाइनल में हारने के बाद इस भारतीय जोड़ी को फाइनल्स में जगह मिली। उन्होंने जापानी जोड़ी को 'रोड टू बाली रेस' में पीछे छोड़ा। उन्हें कट में प्रवेश के लिये सेमीफाइनल में विश्व की नंबर एक जोड़ी मार्कस एफ गाइडोन और केविन एस को हराना था पर वे 16-21, 18-21 से हार गए। वहीं एक अन्य मुकाबले में अकिरा और ताइची को भी जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। से हार गए जिससे भारतीय जोड़ी को फाइनल्स में जगह मिली।

इससे उत्साहित चिराग ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'हम पहली बार विश्व टूर फाइनल्स खेलेंगे। दुनिया की शीर्ष आठ जोड़ियों के खिलाफ खेलने को लेकर मैं उत्साहित हूं। सभी को सहयोग के लिये आभार व्यक्त करते हैं।' इससे पहले भारत के ही लक्ष्य सेन 15 लाख डॉलर ईनामी राशि वाले इस टूनार्मेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले सबसे युवा भारतीय बने थे।

मैड्रिड में डेविस कप टेनिस में जीत के बाद उत्साहित रुसी टीम।

बेली को हैरिस से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा है की है कि मार्कस हैरिस आगामी एशेज सीरीज में सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के साथ पारी शुरू करेंगे। बाएं हाथ के बल्लेबाज हैरिस ने शेफील्ड शील्ड सीजन में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा था। हैरिस ने यहां शतक लगाया था जिससे टीम में उनकी जगह पक्की को गयी है। बेली ने कहा, 'हैरी को पूर्व में कम अवसर मिले थे और वह अंदर और बाहर रहा है, इसलिए हम उसके बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमें उसकी बल्लेबाजी की निरंतरता पसंद है। उन्होंने कहा, वह स्पष्ट रूप से यहां घरेलू स्तर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाला रहा है। हम इस तथ्य से भी प्यार करते हैं कि वह विदेश गया और लीसेस्टर के लिए भी एक

अच्छा वर्ष रहा। हैरिस साल 2019 में एशेज के दौरान भी ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल थे पर तब उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था हालांकि वह इस बार बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट प्रारुप में अपना स्थान पक्का करना चाहेंगे। सभी की निगाहें उन पर होंगी क्योंकि वार्नर के सलामी जोड़ीदार की तलाश चल रही है। हैरिस को यह अवसर इसलिए मिल रहा है क्योंकि सलामी बल्लेबाज विल पुकोवस्की सिर में लगी चोट के कारण एशेज से बाहर हैं।

कप्तान बनाने से पहले चयन समिति ने कमिंस से पूछे थे कई सवाल

मेलबर्न, एजेंसी। टिम पैन की जगह नये ऑस्ट्रेलियाई कप्तान बनाये गये तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने कहा कि चयन पैनल ने टीम की कप्तानी सौंपने से पहले उनसे पूछा था कि कोई ऐसे बात तो नहीं है जो उन्होंने छुपायी है। अगर है तो उसका खुलासा करें। कमिंस को एशेज श्रृंखला से पहले ऑस्ट्रेलिया का 47वां टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया था क्योंकि पेन ने पिछले सप्ताह ही अपने पद से इस्तीफ दे दिया था। इसका कारण यह है कि तीन साल पहले के एक मामले में उनपर जांच चल रही थी। यह मामला पैन के एक महिला सहकर्मी को भेजे गये आपत्तिजनक संदेशों को लेकर था। इसके अलावा बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को उप कप्तान बनाया गया है। इस बल्लेबाज को भी तीन साल पहले साल 2018 में गेंद से छेड़छाड़ के एक मामले में एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। ऐसे में इस बार ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता कोई खतरा मौल नहीं लेना चाहते थे। वहीं यह पूछने पर कि क्या ऑस्ट्रेलियाई पैनल ने उनसे कप्तान नियुक्त करने से पहले किसी बात को स्वीकार करने' के बारे में पूछा था तो कमिंस ने इसे सही बताया। कमिंस ने कहा कि हां, इसमें कुछ सवाल थे लेकिन मैं इसके बारे में अधिक खुलासा नहीं कर सकता।

शाहीन की गेंद लगने के बाद बांग्लादेशी बल्लेबाज यासिर मैच से बाहर हुए

चटगांव, एजेंसी। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच जारी पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की एक गेंद बांग्लादेश के बल्लेबाज यासिर अली को लग गयी जिसके बाद वह मैदान से बाहर हो गये। यासिर अपना पहला मैच खेलने उतरे थे पर उनके साथ ये हादसा हो गया। शाहीन की यह गेंद यासिर के हेलमेट के पिछले हिस्से में लगी। यह मामला बांग्लादेश की दूसरी पारी के 30वें ओवर का है। इस दौरान शाहीन की एक बाउंसर से बचने के प्रयास में यह गेंद यासिर के हेलमेट पर लग गयी थी। इसके बाद कुछ देर के लिए मैच रोक दिया गया। बांग्लादेश के फीजियो फौरन मैदान पर आए और यासिर की चोट की जांच की।

इसके बाद यासिर ने दोबारा बल्लेबाजी शुरू की पर एक ओवर बाद ही उन्हें दर्द होने लगा जिसके बाद फिजियो ने जांच की और उन्हे मैदान से वापस ले गये। बाद में उन्हें एक स्थानीय अस्पताल में सीटी स्कैन के लिए ले जाया गया। जिस समय यासिर रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से लौटे, उस समय वह 36 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके कुछ देर बाद बांग्लादेश टीम प्रबंधन ने कहा कि यासिर इस टेस्ट से बाहर हो गए हैं और उनके सिर की चोट कन्कशन सब्सिट्यूट के तौर पर नुरुल हसन को टीम से जोड़ा गया है। हालांकि, नियमों के तहत वो मैच में सिर्फ बल्लेबाजी कर पाएंगे। उन्हें विकेटकीपिंग की इजाजत नहीं होगी क्योंकि यासिर बल्लेबाज हैं।

अश्विन ने हरभजन का रिकार्ड तोड़ा , सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बने

कानपुर, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने यहां के ग्रीन पार्क मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के अंतिम दिन एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। अश्विन अब भारत की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज बन गये हैं। अश्विन ने इस मामले में दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह को पीछे छोड़ा है। अश्विन ने न्यूजीलैंड के टॉम लैथम को आउट करने के साथ ही अपना 418 वां विकेट लिया। वहीं हरभजन के नाम 103 टेस्ट मैचों में 417 विकेट हैं।

भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने में नंबर एक पर स्पिनर अनिल कुंबले हैं। कुंबले ने 132 टेस्ट मैचों में 29.65 की औसत से 619 विकेट लिए हैं। महान ऑलराउंडर कपिल देव इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। कपिल ने 131 टेस्ट मैचों में 29.64 की औसत से 434 विकेट लिए हैं। वहीं अब तीसरे नंबर पर अश्विन आ गये हैं। अश्विन ने अबतक 80 टेस्ट मैचों में 24.53 की औसत से 418 विकेट लिए हैं। इस दौरान इस गेंदबाज ने 30 बार पारी में पांच विकेट लिए हैं।

अगर बल्लेबाजी रिकॉर्ड की बात करें, तो उन्होंने अबतक 113 टेस्ट पारियों में 27.82 की औसत से 2755 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पांच शतक और 11 अर्धशतक बनाये हैं।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

1 अनिल कुंबलेः 132 मैच, 619 विकेट
2 कपिल देवः 131 मैच, 434 विकेट
3 रविचंद्रन अश्विनः 80 मैच, 418 विकेट*
4 हरभजन सिंहः 103 मैच, 417 विकेट
5 ईशांत शर्माः 105 मैच, 311 विकेट ।

छह श्रीलंकाई महिला क्रिकेटरों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई : एसएलसी

स्वदेश भेजने के प्रयास किये जाएंगे : आईसीसी

हरारे, एजेंसी। यहां विश्व कप क्वालीफाइंग क्रिकेट टूनार्मेंट में भाग लेनी आई छह श्रीलंकाई महिला क्रिकेटरों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। इन क्रिकेटरों को विश्व कप शुरू होने से पहले ही जांच में संक्रमित पाये जाने के बाद पृथकवास में भेज दिया गया था। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) ने माना है कि इन क्रिकेटरों में संक्रमण किस प्रकार का है यह अभी नहीं पता चला है। एसएलसी ने कहा कि टीम को वापसी लाने के प्रयास किये जा रहे हैं। गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 के नये संस्करण ओमिक्रॉन के सामने आने के बाद कई देशों ने उसके साथ यात्रा प्रतिबंध लगा दिये हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी जिम्बाब्वे में महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफाइंग टूनार्मेंट को रद्द कर दिया है। ओमिक्रॉन

वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए कई देशों ने सीमा नियंत्रण को कड़ा करने के साथ ही जिम्बाब्वे सहित कई देशों से यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिये हैं।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच शनिवार के खेल को रद्द करने के बाद शेष विश्व कप क्वालीफायर को रद्द करने का निर्णय लिया था। जब श्रीलंकाई सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य को कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया था। क्वालीफायर रद्द होने के बाद आईसीसी ने कहा कि बांग्लादेश, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज अपनी रैंकिंग के आधार पर अगले साल न्यूजीलैंड में होने वाले विश्व कप में आगे बढ़ेंगे। तीन देश न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, भारत, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में शामिल होंगे। आईसीसी के हेड ऑफ इवेंट्स क्रिस टेटली ने एक बयान में कहा, हम इस घटना के कारण शेष कार्यक्रम को रद्द करने के लिए निराश हैं पर इसके अलावा कोई विकल्प नहीं था। साथ ही कहा कि हम जितनी जल्दी हो सके टीमों को जिम्बाब्वे से बाहर कर देंगे।

धोनी अपनी यामाहा आरडी350 बाइक के साथ नजर आये

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आजकल खेल से दूर होने के दौरान अपनी बाइक्स का ध्यान रख रहे हैं और उन्हें नया रुप देने में लगे हैं। धोनी के पास एक से बढ़कर एक बाइक हैं। इसमें से बहुत सी क्लासिक विंटेज महंगी सुपरबाइक्स भी शामिल हैं। उनके उनके पास कुछ पुरानी मोटरसाइकिलें भी हैं। ऐसी ही एक मोटरसाइकिल है यामाहा आरडी350 है जिसे हाल ही में उन्होंने बेहतर बनाया है।

सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें आयी हैं। इसमें दो आरडी350 हैं। धोनी की आरडी350 पीले रंग में है। इस वीडियो में धोनी को मोटरसाइकिल की जांच करते हुए देखा गया है। गौरतलब है कि यामाहा ने साल 1983 में भारत में आरडी350 को लॉन्च किया था। उस समय यह भारत में एकमात्र परफॉर्मेंस मोटरसाइकिल थी। इसमें 350 सीसी का पैरेलल-ट्विन, टू-स्ट्रोक इंजन था।

मोटरसाइकिल को दो वेरिएंट्स एलटी और एचटी संस्करण में बेचा गया था। एलटी ने अधिकतम 27 बीएचपी और एचटी अधिकतम 31 बीएचपी की ताकत पैदा करता है। आरडी350 उस समय की सबसे तेज मोटरसाइकिल थी। छठे गियर में इसकी टॉप स्पीड 160 किमी प्रति घंटा तक चली जाती थी। आरडी350 सिर्फ 7 से 8 सेकेंड में 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है जो उस समय के लिए बहुत तेज थी।

ठंड में बिना क्रीम पाएं ग्लोइंग त्वचा

ठंड के मौसम में अक्सर आलस खा जाते हैं या ठंड अधिक होने की वजह से हाथ-मुंह नहीं धोते हैं। लेकिन ऐसा नहीं करने पर आपकी स्किन बेकार हो जाती है। भले ही आप ऑफिस में पैक हो लेकिन दिनभर की थकान और बारीक डस्ट होने पर स्किन को साफ करना जरूरी है। लेकिन ठंड में किसी भी प्रकार के जतन नहीं कर पाते हैं तो आइए जानते हैं किस ठंड में 4 आसान तरीकों से अपनी स्किन की केयर करें और पाएं...

ठंड अधिक होने पर हाथ

मुंह नहीं धोना चाहते हैं तो वाइप्स से अपना चेहरा साफ कर लें। लेकिन इसके बाद मोबाइल नहीं चलाएं। जी हां, आपको लग रहा होगा ये कैसी बात हुई। लेकिन सच में ग्लोइंग और स्पॉटलेस स्किन चाहते हैं तो रात को सोने से आधा घंटा पहले मोबाइल बंद कर दें। रात को 11 बजे सो जाएं और सुबह 7 बजे तक उठे। 11 से 7 बजे तक की नींद आपकी संपूर्ण सेहत के लिए अच्छी है। और इसकाअसर आपके चेहरे पर आपको जरूर दिखेगा। अपने चेहरे पर जमा बारीक डस्ट, काली झाइयां, नाक के आसपास जमा कालापन को 5 मिनट में खत्म करने के लिए गरम पानी की भाप लें। जी हां, यह सबसे अच्छा कारगर उपाय है। अगर आपकी स्किन ड्राई है तो 5 मिनट से अधिक भाप नहीं लें। इससे आपकी त्वचा की नमी खत्म हो जाएगी। भाप लेने के बाद चेहरे को ढक कर सो जाएं। और सुबह देखिए आपका चेहरा एकदम फ्रेश दिखेगा।

गाजर का जूस

ठंड में गाजर का सेवन अधिक से अधिक करना चाहिए। गाजर के सेवन से त्वचा ग्लो करती है। साथ ही आंखों की रोशनी बढ़ती है, बाल घने होते हैं, रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होती है। अगर आप गाजर नहीं खा पाते हैं तो गाजर का जूस जरूर पीएं। इससेत्वचा का ग्लो बढ़ता है, स्किन की ड्राईनेस कम होती है। रात को जूस का सेवन नहीं करते हैं, इसलिए दिन में या सुबह के वक्त गाजर का जूस जरूर पीएं। और रात को सिर्फ चेहरे को वाइप्स से साफ करके सो जाएं।

ग्लिसरीन

ग्लिसरीन में गुलाब जल, नींबू और थोड़ा सा पानी मिला लें। एक जैसा करने के बाद पूरी बॉडी पर लगा सकते हैं। जी हां, इसे लगाने के बाद आपको किसी प्रकार की भी क्रीम लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। बल्कि पूरी ठंड सिर्फ इसे ही लगाकर आप स्किन का ख्याल रख सकते हैं। इसके लिए बेस्ट होगा आप रात में सिर्फ थोड़े से पानी से चेहरा धो लें। इसके बाद ग्लिसरीन का ये मिक्चर लगा कर सो जाएं।

40 की उम्र के बाद खुद को ऐसे रखें फिट एंड फाइन

कई महिलाओं को लगता है कि वह बिल्कुल स्वस्थ हैं पर वह वाकई में पूरी तरह से स्वस्थ हो यह जरूरी नहीं है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी हेल्थ को क्रौस चेक करें और डाक्टर से परामर्श लें। इसी के साथ ही रूटीन चेकअप कराती रहें। आमतौर पर देखा जाता है कि चालीस की उम्र के बाद से महिलाओं में कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। 40 की उम्र ऐसा पड़ाव है, जब स्त्री के शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। इस उम्र में मेनोपौज के बाद कुछ समस्याएं, जैसे चिड़चिड़ापन, थकान, वजन बढना, लगातार खाते रहने की चाहत आदि हो सकती हैं। हालांकि यह समस्या सभी स्त्रियों में एक समान नहीं होती।

कई महिलाओं को लगता है कि वह बिल्कुल स्वस्थ हैं पर वह वाकई में पूरी तरह से स्वस्थ हो यह जरूरी नहीं है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपनी हेल्थ को क्रौस चेक करें और डाक्टर से परामर्श लें। इसी के साथ ही रूटीन चेकअप कराती रहें और अपने खानपान और फिटनेस का भी विशेष खयाल रखें। आइये जानें 40 की उम्र के बाद होने वाली समस्याओं और उनसे बचने के उपायों के बारें में-

ब्लड प्रेशर

इस उम्र में ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ जाता है। जब स्त्रियां अपने खानपान पर ध्यान नहीं देतीं तो बीपी बढने की पूरी संभावना होती है। यदि आपको लगे कि आपका ब्लड प्रेशर सामान्य है, तब भी नियमित रूप से इसकी जांच करानी चाहिए।

डाइट

इस उम्र में ओमेगा-थ्री फैटी एसिड से युक्त आहार का सेवन रक्तचाप को नियंत्रित करने के साथ हृदय की अनियमित गति को भी ठीक करने में मददगार है।

फिटनेस

एक शोध के अनुसार सिल्वर योग ब्लड प्रेशर की समस्या को कम करता है। अगर आप किसी भी कारण योग नहीं कर पा रही हैं तो सुबह कम से कम 45 मिनट टहलें। टहलते समय ध्यान रखें कि पहले 10 सामान्य गति से और अगले 20 मिनट तेज गति से चलें और फिर अपनी गति को मध्यम कर 10 मिनट तक चलें। रोजाना 40-45 मिनट ऐसा करें। अगर आप सुबह टहल नहीं पा रही हैं तो रात को डिनर के 30 मिनट बाद टहले।

लंबे समय तक ऐसे सुरक्षित रखें मसाले

आज हम आपको ऐसे कई तरीके बताएंगे, जिनसे आप मसालों को लंबे समय तक सुरक्षित रख पाएंगी. लेकिन उससे पहले आपको यह जानना होगा कि किस प्रकार के मसालों को कितने दिनों तक स्टोर किया जा सकता है, जो कि निम्न प्रकार है.

- बीजों या छाल को 2 साल तक स्टोर किया जा सकता है.
- औषधि या फूलों को 1 साल तक स्टोर कर सकती हैं.
- हर्ब और मसालों को हमेशा सूखे स्थानों पर ही रखें. नमी वाली जगह पर रखने से इनमें गोलियां जैसी बन जाती है और कीड़े पड़ जाते हैं.
- बहुत ज्यादा रोशनी वाली जगह पर मसालों को न रखें. रोशनी, मसालों के अंदर होने वाले औयल को औक्सीडाइज कर देता है जिसकी वजह से उनका वास्तविक जायका बेकार हो जाता है.
- पारदर्शी जार में मसालों को रखने से बेहतर है कि किसी डार्क जार में इन्हे रखें. इससे उनमें लाइट भी ज्यादा नहीं पड़ेगी.
- कई लोगों को ऐसा लगता है कि फ्रिज में मसालों को रखने से वो कभी खराब नहीं होते हैं. यह एक मिथक है. फ्रिज में रखने से मसालों का फ्लेवर खत्म होने लगता है. लेकिन अगर आप इन्हें एयर-टाइट कंटेनर में रखकर फ्रिजर में डाल देते हैं तो मसाले ठीक रह सकते हैं.
- पीसे हुए मसालों की अपेक्षा, खड़े मसालों को स्टोर करें. जरूरत के हिसाब से उन्हें पीसते रहें. खड़े मसाले इतनी जल्दी खराब नहीं होते हैं जितनी जल्दी पीसे हुए मसाले खराब हो जाते हैं. साथ ही ताजे पीसे हुए मसालों का जायका भी लाजबाव होता है.
- वैक्यूम सील वाले जारों में मसालों को स्टोर करके रखने से इनमें कीट नहीं होते हैं. बस इन्हें आपको किसी अंधेरे वाले स्थान पर रखना होता है. इसमें फ्रेशनेस बरकरार रहती है.

बादाम से मिलेंगे गजब के फायदे

बादाम की तासीर गर्म होती है। इस वजह से बादाम का सर्दियों में सेवन करना अच्छा माना जाता है। यह आपके शरीर को गर्म रखता है और आपको सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से बचाता है। कई लोगों को इस बारे में जानकारी नहीं होती है कि एक दिन में कितने बादाम खाने चाहिएं। आइए जानते हैं, बादाम कब और कैसे खाने चाहिए।

कितने खाने चाहिए बादाम

विशेषज्ञों की मानें तो एक दिन में केवल 4-5 बादाम का सेवन ही करना चाहिए। ज्यादा बादाम खाने से आपको एलर्जी और चेहरे पर दाने निकल जाते हैं। इसलिए पहले बादाम को रात में भिगोकर रख दें और अगली सुबह खाली पेट बादाम खा सकते हैं।

बादाम खाने के फायदे

- बादाम का सेवन करने से हार्ट हेल्दी होता है।
- स्किन और बालों को लिए अच्छे होते है बादाम
- डायबिटीज और एनीमिया में फायदा करता है बादाम
- कोलेस्ट्रोल के लेवल को कम करता है।
- लिवर कैंसर के रिस्क को कम करता है।

क्या होते हैं नुकसान

- कब्ज की समस्या
- त्वचा रोग
- ज्यादा पसीना आना
- एलर्जी होना
- पेशाब में जलन होना

कच्चे मटर सेहत के लिए फायदेमंद

हम सभी लोगो को मत्र का सेवन बहुत पसंद होता है कई लोग तो इन्हे हर सब्जी में डाल के खाना बहुत पसंद करते है लेकिन क्या आपको यह पता है मटर को कच्चा खाने के कई सारे फायदे है जो हम आज आपको बताते है।

हरी मटर में विटामिन C की मात्रा का अत्यधिक भंडार होता है जिससे आपकी हड्डियों को बहुत मजबूती मिलती है। मटर में वजन कम करने के गुण भी है क्योंकि इसमें लो कैलोरी पायी जाती है और फैट भी बहुत ही कम मात्रा में होता है।

मटर से ब्लड़ में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी बहुत संतुलित रहती है अगर पेट में कैंसर की बीमारी है तो इस बीमारी के लिए तो मटर एक ओषधि की तरह काम करता है।

ये प्रेग्नेंट महिलाओ के लिए भी बहुत फायदेमंद है इसमें फोलिक एसिड पाया जाता है जो प्रेग्नन्सी में बहुत फायदेमंद होता है।

इससे हार्ट की बीमारियों का भी खतरा बहुत कम होता है इसमें एंटी - इनफ्लैमेट्टरी कम्पाउंड और एंटी - ऑक्सीडेंट भी बहुत ही भरपूर मात्रा में पाए जाते है।

चेहरे पर जमी चर्बी को करें दूर

योग एक ऐसी क्रिया है जिससे आप तन और मन दोनों को स्वस्थ रख सकते हैं। खासतौर पर वर्तमान समय में ज्यादतर लोग तनाव का सामना करने के साथ शारीरिक रूप से भी स्वस्थ महसूस नहीं कर रहे हैं। ऐसे में आपको योग को अपने जीवन का खास हिस्सा बनाना चाहिए। वहीं, बात करें आपके चेहरे की तो आपको अगर फेस डबल चिन की समस्या है, तो हम आपको ऐसे फेशियल योगा बताने जा रहे हैं, जिससे आप अपने चेहरे की चर्बी को कम कर सकते हैं।

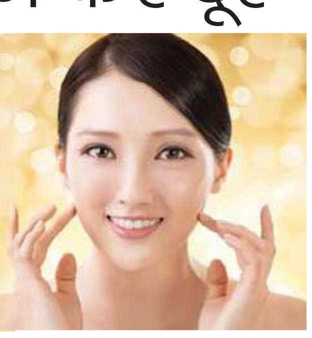

- सेल्फी क्लिक करते समय जैसे आप पाउट बनाते हैं, यह योगा कुछ वैसा ही है। इसके लिए आपको बस अपने गालों को अंदर की ओर करना है और 30 सेकंड के लिए स्थिति में रहना है। अब अपने चेहरे को आराम दें और इसे 4-5 बार दोहराएं।
- आपको अगर तेजी से फेस पर जमा चर्बी हटानी है, तो इस तकनीक के लिए, बस अपनी ठोड़ी को ऊपर उठाएं और छत को देखें। अब अपने मुंह को 10-15 सेकंड के लिए लगातार खोलें और बंद करें। आराम करें और अपने चेहरे को नीचे लाएं। अपने चेहरे के फैट को जल्दी से बर्न करने के लिए इस प्रक्रिया को 3-4 बार दोहराएं।
- सबसे आसान योग आसन में आपको केवल पानी से नहीं बल्कि हवा से अपने मुंह को कुल्ला करना होगा। बस अपना मुंह हवा से भरें और कुल्ला करें। हवा को बाईं ओर, फिर दाईं और फिर मध्य की ओर ले जाएं। इसे कम से कम 20-30 सेकंड तक जारी रखें और फिर साँस छोड़ें। इसे 3-4 दोहराव करें। इस तरीके से न सिर्फ आपके चेहरे की चर्बी कम होती है बल्कि इससे आपकी थकान भी दूर होती है। इस मुद्रा के लिए, पैरों को पीछे की ओर मोड़ें और अपनी हथेलियों को अपनी जांघों पर रखें। अपनी पीठ को सीधा रखें और अपनी जीभ बाहर निकालें। अपनी जीभ को जितना हो सके उतना फैलाएं।

बोगेनवेलिया

जितना सुंदर, उतना ही गुणकारी

जैसा नाम वैसा बहार, इसे कागज़ का फूल भी कहा जाता है। बहुत ही कम देखभाल मे बग़ीचे को सुंदर और रंगीन बनाने में यह पौधा उत्तम है। अलग अलग देशों में इससे अलग अलग नामों से जाना जाता है। मूलरूप से यह पौधा दक्षिण अमेरिका के देशों में पाया जाता है। आम तौर पर वहां के लोग इसे बग़ीचे मे एवं वह अपने घर के मुख्य द्वार पर लगाते हैं। इसकी खोज फिलबरट कॉमर्रसन और लुई एंटोनी डी बोगनविले नाम के दो वैज्ञानिकों ने किया था। इनमें से एक वैज्ञानिक के नाम पर इस पौधे का नाम रखा गया।

बोगेनवेलिया और इस पौधे को जन समक्ष प्रस्तुत किया गया 1789 में। यह एक लता प्रजाति का पौधा है। पूरी दुनिया ने इस पौधे की 20 प्रजाति पाई जाती है जिसे लगभग 300 से ज्यादा क़िस्म के पौधे देखने को मिलते हैं। यह किसी भी प्रकार के मिट्टी और जलवायु में ज़िंदा रहते हैं। इनमें ज्यादातर प्रजातियों के पौधे मैं नुकीले काँटे होते हैं। इसमें करीब बारहों महीने फूल होते है। ये सभी एक साथ खिलते हैं, फूलों के साथ-साथ पूरा पौधा भी हरा भरा हो जाता है। बोगेनवेलिया के फूल देखने में ही सुन्दर नहीं हैं बल्कि इसके बहुत सारे एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक इलाज सामने आए हैं। यह पौधा आयुर्वेद मे खांसी, दमा, पेचिश, पेट या फेफड़ों के तकलीफ जैसी समस्याओं मे उपयोग में लाया जाता है। आईआईटी कानपुर के विशेषज्ञो ने बोगेनवेलिया के फूल से ऐसी कृत्रिम त्वचा तैयार की, जिससे गहरे घाव भरने और खराब हो चुकी त्वचा को जल्दी ठीक करने मे इस्तेमाल किया जा सकेगा। इसकी खासियत यह है सामान्यतः जितने समय में चोट ठीक होती है या जख्म भर जाता है उससे आधे समय मे ये हीलिंग हो जाएगी। इस शोध को पेटेंट करा लिया गया है। इस रिसर्च के फॉर्मूले को एक निजी कंपनी को दिया जाएगा जहां कृत्रिम त्वचा तैयार की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक इस साल के अंत तक कृत्रिम त्वचा तैयार करने का काम शुरू हो जाएगा।

होंठों को गुलाबी बनाने के नुस्खे

मुस्कान चेहरे का गहना होता है और होंठ जितने गुलाबी हों, मुस्कान उतनी ही कातिल होती है। लेकिन, होंठो की नमी छिन जाने या ब्यूटी प्रॉडक्ट्स के इस्तेमाल से होंठ काले हो जाते हैं और इनकी खूबसूरती कम हो जाती है। लेकिन एक नुस्खा ऐसा भी है, जिसके एक बार उपयोग से सिर्फ रातभर में होंठो पर गुलाबी निखार पाया जा सकता है।

मुलायम व गुलाबी होंठ पाने के लिए आपको चुकंदर की सिर्फ 1 स्लाइस चाहिए। आइए जानते हैं कि एक बार में होंठो को गुलाबी कैसे बनाया जा सकता है।

चुकंदर से होंठों को बनाएं गुलाबी और मुलायम

आप रात को सोने से पहले चुकंदर को अच्छी तरह धो लें और उसकी एक स्लाइस काट लें। चुकंदर के इस टुकड़े को अच्छी तरह कद्दूकस कर लें। कद्दूकस की जगह इसे मिक्सी में भी पीसा जा सकता है। अब चुकंदर के इस पेस्ट को होंठों पर अच्छी तरह लगाएं और 15 मिनट बाद रूई की मदद से हटा लें। होंठ से चुकंदर हटाने के तुरंत बाद लिप बाम लगाएं और सो जाएं। सुबह उठकर अपना चेहरा और होंठ पानी से धोएं और आपको मुलायम व गुलाबी होंठ मिल जाएंगे।

इसके अलावा पिंक लिप्स पाने के लिए आप चुकंदर के छोटे टुकड़े को सोने से पहले होंठो पर हल्के हाथ से रब कर सकते हैं। रब करने के बाद लिप बाम लगाकर सो जाएं और सुबह उठकर चेहरा धो लें। होंठों का रंग गुलाबी करने के इन दोनों तरीकों से आपको एक बार में ही फर्क दिखने लगेगा।

कितने दिन तक इस्तेमाल करें ये उपाय

चुकंदर में ब्लीचिंग और मॉश्चराइजिंग गुण होते हैं। जो होंठो की रंगत सुधारने के साथ ही उन्हें नमी भी प्रदान करता है। इसके अलावा चुकंदर प्रोटीन, आयरन, सिलिकी, नाइट्रेट, एंटीऑक्सीडेंट्स से भी भरपूर होता है। आप लगातार 1 से 2 हफ्ते तक सोने से पहले होंठो की ऐसी देखभाल करें। जिसके बाद आपको होंठो का निखार दूसरों को भी दिखने लगेगा।

बरतें ये सावधानी

धूम्रपान करने से बचें।

रात में लिपस्टिक लगाने से बचें।

महिलाएं जरूर खाएं गोजी बेरी

चेहरे पर आएगा गजब का निखार

चेहरे की खूबसूरती बरकरार रखने के लिए लड़कियां त्वचा का खास ख्याल रखती है। मगर ब्यूटी प्रोडक्ट्स के साथ डेली डाइट का हेल्दी होना भी बेहद जरूरी है। ब्यूटी एक्सपर्ट के अनुसार, त्वचा को स्वस्थ व पोषित रखने के लिए पोषक तत्वों और एंटी-ऑक्सीडेंट्स से भरपूर चीजों का सेवन करना चाहिए। ऐसे में आप अपनी डेली डाइट में गोजी बेरी शामिल कर सकती है। आप इसे कच्चा या इसकी चाय बनाकर सेवन कर सकती है।

त्वचा की सूजन करे कम

गोजी बेरी में फैटी एसिड व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से त्वचा गहराई से पोषित होती है। इससे सूजन की शिकायत से आराम मिलता है। ऐसे में चेहरा साफ, जवां व खिला-खिला नजर आता है।

फाइन लाइन्स व झुर्रियों करे कम

30 के बाद चेहरे पर महीन रेखाएं व झुर्रियां आने लगती है। ऐसे में आप अपनी डेली में गोजी बेरी का सेवन करके इससे बच सकती है। इसमें अधिक मात्रा में अमीनो एसिड व अन्य जरूरी मिनरल्स पाए जाते हैं। ये स्किन को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं। इसके साथ ही ये त्वचा कोशिकाओं में कोलेजन और इलास्टिन उत्पादन को बढ़ावा देते हैं। ऐसे में स्किन हेल्दी और जवां नजर आती है।

दाग-धब्बे करे दूर

गोजी बेरीज के सेवन से स्किन के अंदर मेलेनिन में सुधार आता है। इससे पिंपल्स के जिद्दी दाग कम होने में मदद मिलती है। इसके साथ ही गोजी बेरीज नई त्वचा कोशिकाओं के विकास में बढ़ावा करता है। ऐसे में स्किन साफ, मुलायम व बेदाग होती है।

यूवी किरणों से करे सुरक्षा

घंटों व लंबे समय तक धूप के संपर्क में आने से टैनिंग की समस्या होने लगती है। इसके कारण स्किन डल, ड्राई व बूढ़ी नजर आने लगती है। ऐसे मे गोजी बेरीज का सेवन करने से स्किन को पोषण मिलता है। ऐसे में सनटैन के कारण खराब व झुलसी रिपेयर होकर साफ, ग्लोइंग व जवां नजर आती है।

त्वचा के हाइड्रेशन को दे बढ़ावा

अमीनो एसिड, अन्य पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर गोजी बेरीज खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती है। ऐसे में स्किन लंबे समय तक हाइड्रेटेड रहती है। इससे त्वचा का रूखापन बंद होकर लंबे समय कर नमी बरकरार रखने में मदद करता है।

आज की रेसिपी

कोकोनट फ्राइड राइस

सामग्री :

- बासमती चावल - 3 कप (पके हुए)
- ताजा नारियल - 1 कप (कद्दूकस किया)
- तेल - 2 बड़े चम्मच
- मूंगफली के दाने - 1/4 कप (भूनें हुए)
- हरा धनिया - 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
- काली सरसों के दाने - छोटा चम्मच
- जीरा - छोटा चम्मच
- चना/ उड़द दाल - 1-1 छोटा चम्मच (भीगी हुई)
- करी पत्ते - 10-12
- सूखी लाल मिर्च - 1
- नमक - स्वादानुसार

विधि :

- एक पैन में तेल गर्म करके सरसों के दाने भूनें। अब इसमें जीरा, चना व उड़द दाल सुनहरा भूरा होने तक भूनें।
- फिर इसमें करी पत्ता, लाल मिर्च मोटा तोड़कर तड़का लगाएं।
- इसके बाद मसाला भूनने पर इसमें नारियल डालकर पकाएं।
- फिर इसमें मूंगफली के दाने डालकर भूनें। बाद में इसमें नमक और चावल मिलाकर 2-3 मिनट तक लगातार चलाते हुए पकाएं।
- फिर तैयार कोकोनट फ्राइड राइस को सर्विंग प्लेट में निकालें।